● वर्ष-3
● अंक-204
रायपुर, रविवार
07 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› पुष्पा 2: द रूल के टीज़र से पहले..

अभी तो सिर्फ ट्रेलर देखा: मोदी मतलब 2047 तक 24X7 सिर्फ काम, मेरा हर पल देश के नाम

सहारनपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सहारनपुर में जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने राम-राम के साथ अपने भाषण की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस समेत सभी विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। वहीं, पीएम मोदी ने अपने भाषण के दौरान एक बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि मोदी का मतलब है 2047 तक 24×7 सिर्फ काम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरा हर पल देश के नाम, मेरा हर पल काम के नाम। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि अभी तो आपने सिर्फ ट्रेलर देखा है। लोग कहते हैं दस साल में बहुत काम हुआ है। मोदी के मन में जो सपना है उस हिसाब से यह काम सिर्फ ट्रेलर है। अभी बहुत कुछ करना है। देश को बहुत आगे तक लेकर जाना है। वह दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की सबसे बड़ी इकोनामी बन जाएगा। खाद्य तेल और दालों में भी आत्म निर्भर हो जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में बने सामान दुनिया के कोने-कोने में अपनी पहचान बनाएंगे। ऐसे ही विराट संकल्प के लिए मोदी को मोदी की गारंटी पूरा करने के लिए हमें आशीर्वाद चाहिए। सहारनपुर से हमारे साथी राघव लखन पाल और कैराना के साथी प्रदीप चौधरी को भारी मतों से विजयी बनाकर संसद में मेरा साथ देने के लिए भेजना है।

राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी को बताया राजनीति का फिनिशर, बोले- देश से कांग्रेस को खत्म कर रहे

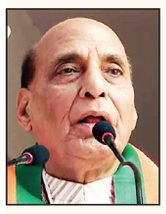

भोपाल। मध्यप्रदेश में बीजेपी लोकसभा चुनाव को लेकर प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी के तहत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को सिंगरौली और सीधी में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जीत का जोश भरा। सीधी में राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी को राजनीति का फिनिशर कहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज पूरे देश में खत्म हो गई। कई नेता कांग्रेस छोड़ रहे, जिस तरह क्रिकेट में धोनी फिनिशर हैं, उसी तरह राजनीति में राहुल गांधी कांग्रेस के फिनिशर हैं। वहीं, सिंगरौली में रक्षा मंत्री ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की बात कही। उन्होंने कहा कि इससे देश मजबूत होगा। जनता अपने वोट का बेहतर इस्तेमाल कर सकेगी। खरीद-फरोख्त रोकने का भी यही उपाय है, देश में एक राष्ट्र, एक चुनाव होना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा, मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारे देश की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। कांग्रेस सरकार के दौरान किसी न किसी राज्य में आतंकवादी घटनाएं होती रहती थीं। कांग्रेस और उसके सहयोगियों दलों के नेता लोगों को डराकर उनके बीच नफरत पैदा करते हैं। भाजपा कभी भी जाति, धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करती, बल्कि हम न्याय और मानवता की राजनीति करने वाले लोग हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा जो कहती है, वो करती है। आज अयोध्या की धरती पर भव्य राम मंदिर बन गया है। रामलला अपनी कुटिया से निकलकर महल पहुंच चुके हैं। अब राम राज्य आने की शुरुआत हो चुकी है।

खड़गे के बयान पर भड़के अमित, बोले- कश्मीर से हर भारतीय का वास्ता, वह भारत का अभिन्न अंग है

नई दिल्ली। अनुच्छेद 370 को लेकर अब सियासी बवाल छिड़ता हुआ नजर आ रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान का हवाला देते हुए अमित शाह ने पलटवार किया है। अमित शाह ने खड़गे के एक वीडियो साक्षा किया है। अमित शाह ने कहा कि यह सुनना शर्मनाक है कि कांग्रेस पार्टी पूछ रही है, कश्मीर से क्या वास्ता है? उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को याद दिलाना चाहूंगा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और प्रत्येक राज्य और नागरिक का जम्मू-कश्मीर पर अधिकार है, जैसे जम्मू-कश्मीर के लोगों का शेष भारत पर अधिकार है। कांग्रेस को यह नहीं पता कि कश्मीर में शांति और सुरक्षा के लिए राजस्थान के कई वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। लेकिन यह सिर्फ कांग्रेस नेताओं की गलती नहीं है। शाह ने कहा कि भारत के विचार को न समझ पाने के लिए अधिकतर कांग्रेस पार्टी की इटालियन संस्कृति ही दोषी है। ऐसे बयानों से हर उस देशभक्त नागरिक को ठेस पहुँचती है जो देश की एकता और अखंडता की परवाह करता है। जनता कांग्रेस को जरूर जवाब देगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि और कांग्रेस की जानकारी के लिए, यह अनुच्छेद 371 नहीं, बल्कि अनुच्छेद 370 था, जिसे मोदी सरकार ने निरस्त कर दिया था।

कांग्रेस ने हिन्दू ध्वज और सनातनियों का अपमान किया: साय

कवर्धा/ रायपुर। कांग्रेस ने अपने 5 साल के शासनकाल में कवर्धा को अशांत कर दिया था। यहाँ के तत्कालीन विधायक मोहम्मद अकबर के शह पर सनातनियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया, हिन्दू ध्वज का अपमान किया गया। भुनेश्वर साहू की हत्या हुई। पिछले 5 वर्षों में कवर्धा ने क्या-क्या नहीं देखा। लेकिन कवर्धा की जनता ने भी बता दिया कि जीत हमेशा सत्य की होती है, सनातन की होती है। यहाँ से कांग्रेस को उखाड़ फेंका और अब भूपेश बघेल को भी ऐसे हराना है, जिससे कि वो दोबारा राजनांदगांव की तरफ देख भी न सके।

कवर्धा में आयोजित विशाल जनसभा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कांग्रेस और भूपेश बघेल पर खूब बरसे। श्री साय ने पिछली कांग्रेस सरकार को लूट और घोटाले की सरकार बताते हुए कहा कि भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए।

उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने युवाओं को जुआ का लत लगा दिया। महादेव एप को निर्बाध रूप से चलाने के लिए 508 करोड़ रूपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप उन पर लगा है। उनके इस कृत्यों को देखते हुए राजनांदगांव लोकसभा की जनता ने उसे भगाने के लिए पूरी तरह से कमर कस लिया है। कांग्रेसियों को फिर से मजा चखाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासन में हुए घोटाले के आरोपी आज जेल की हवा खा रहे हैं। कभी गद्दे में सोने वाले आज जेल में नीचे सो रहे हैं, मच्छर से परेशान हैं। ये सब उनके किये की सजा उनको मिल रही है। अब प्रदेश में भाजपा की सुशासन की सरकार है। श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार में मोदी की गारंटी का सारा काम सांय-सांय हो रहा है और चुनाव के बाद भी सांय-सांय करेंगे। भाजपा के सुशासन को देखकर कांग्रेस का बाय-बाय हो जा रहा है। कांग्रेस में भगदड़ मची है, जिससे उनके नेता उलूल-जुलूल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शांत स्वभाव के नेता चरणदास महंत भी प्रधानमंत्री पर कुछ भी अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं। ये सब कांग्रेस में हार की हताशा को बताता है। विष्णु देव साय ने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज 3 महीने 23 दिन उनकी सरकार को हुए हैं। उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति उन्होंने दी। 12 लाख किसानों का 2 साल का बकाया बोनस दिया। पी एस सी घोटाले की जांच सी बी आई को सौंपा और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी। श्री साय ने कहा कि न केवल समर्थन मूल्य के अंतर की राशि एकमुश्त उनकी सरकार ने किसानों के खाते में ट्रान्सफर किये वरन महिला शक्ति के लिए लागू उनकी योजना महतारी वंदन योजना के दूसरे महीने की राशि भी उनके खातों में ट्रान्सफर कर दी है। श्री साय ने श्री रामलला दर्शन योजना की याद दिलाते हुए जनता से कहा कि उनकी सरकार राम भक्तों को भांचा राम से मिलाने का काम कर रही है। साय ने कहा कि ये चुनाव मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है, इसलिए आप सभी से आगामी 26 अप्रैल को कमल छाप पर बटन दबाकर भाई संतोष पांडेय को पुन: सांसद बनाकर दिल्ली भेजने का आग्रह करने आया हूँ। आप सभी से जीत का आशीर्वाद मांगने आया हूँ।

मुख्यमंत्री ने भाजपा के स्थापना दिवस पर दी अपनी शुभकामनाएं- जनसभा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उपस्थित विशाल जनसमूह को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज के ही दिन मुंबई के शिवाजी पार्क में भाजपा की स्थापना हुई थी, जिसके संस्थापक अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी थे, मैं उनको कोटिश: नमन करता हूँ। अटल जी ने कहा था - अँधेरा छंटेगा, सूरज उगेगा, कमल खिलेगा और कमल खिल गया, छत्तीसगढ़ में भी भाजपा की सरकार बन गई।

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर छिड़ी रार

मोदी ने मुस्लिम लीग से जोड़ा जयराम रमेश ने किया पलटवार

नई दिल्ली। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर सियासत तेज होता दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के तमाम नेता जहां घोषणा पत्र को लेकर कांग्रेस पर निशाना साध रहे हैं तो वहीं अब कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिन्ना की मुस्लिम लीग से समझौता किया। कांग्रेस ने कभी कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी और जसवन्त सिंह ने पाकिस्तान जाकर जिन्ना की तारीफ की। किसी कांग्रेसी नेता ने ऐसा नहीं किया। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में रैली में बोलते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र पूरी तरह से मुस्लिम लीग की छाप रखता है। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसान न्याय, महिला न्याय, युवा न्याय, श्रमिक न्याय गारंटी कार्ड लेकर आठ करोड़ घरों में जा रही है। हमारे कार्यकर्ता और नेता आठ करोड़ परिवारों तक पहुंच रहे हैं। ये हैं देश के असली मुद्दे, महिलाएं, किसान, युवा, मजदूर, वंचित लोग, पिछड़े वर्ग के लोग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति, ये वो मुद्दे हैं जो 2024 में मायने रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कभी भी जनता के बारे में बात नहीं करते

हैं, वह जनता के मुद्दे, किसानों के मुद्दे, युवाओं के मुद्दे, महिलाओं के मुद्दे, श्रमिकों के मुद्दे से ध्यान भटकाना चाहते हैं, जो 10 साल के अन्याय की सच्चाई है। मोदी पर वार करते हुए रमेश ने कहा कि उन्होंने चीन को क्लीन चिट दे दी और उसी क्लीन चिट के कारण आज हम कमजोर हो गए हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की नीति अपनाई, मैं प्रधानमंत्री को याद दिला दूं कि 1940, 1941 और 42 में बंगाल में कौन सा व्यक्ति, कौन सी मुस्लिम पार्टी मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन सरकार में थी। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो जनसंघ के संस्थापक थे, हिंदू महासभा के अध्यक्ष थे और उन्होंने मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन सरकार बनाई थी। बंगाल, सिंध और उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत में हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग के बीच गठबंधन था। आज अगर हम कांग्रेस की बात करें तो वह हमेशा विभाजनकारी राजनीति अपनाती है और प्रधानमंत्री किसी भी मुद्दे पर सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने के लिए तैयार रहते हैं। वहीं, भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस का असली चेहरा कुछ और नहीं बल्कि मुस्लिम लीग का छिपा हुआ एजेंडा है। यहां तक ??कि अपने घोषणापत्र में भी उन्होंने उल्लेख किया है कि वे व्यक्तिगत कानूनों को बनाए रखने की कोशिश करेंगे।

प्रमुख समाचार

बीजापुर: नक्सली मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर

बीजापुर। जिले में फिर नक्सल मुठभेड़ हुई है। सुरक्षा बल और नक्सलियों के साथ शनिवार को हुई मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर हो गये हैं। बताया जाता है कि तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर पुजारी कांकेर के करींगुटा के जंगलों में यह मुठभेड़ हुई है। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। मामला उसूर थाने क्षेत्र का है। इतना ही नहीं घटनास्थल से एक एलएमजी और एक एके-47 समेत कई हथियार मिलने की भी खबर है। संयुक्त एंटी नक्सल ऑपरेशन के तहत यह एनकाउंटर ग्रेहाउंड और छत्तीसगढ़ पुलिस की ओर से किया गया। बस्तर संभाग में शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव कराने के लिए नक्सल ऑपरेशन में तेजी- लोकसभा चुनाव को देखते हुए इन दिनों सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। हाल ही में बीजापुर जिले के ही कोरचोली लेंड्रा मुठभेड़ में 13 नक्सलियों को ढेर करने के बाद आज शनिवार को ग्रेहाउंड्स और छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में तीन नक्सली मारे गए हैं। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के कई बड़े नक्सली लीडर्स की मौजूदगी की सूचना पर ग्रेहाउंड्स और छत्तीसगढ़ पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन लॉन्च किया है।

समझदार को इशारा काफी है! शरद से नाराज किस देवेंद्र ने किया जिक्र

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने खुलासा किया है कि एनसीपी शरद पवार पार्टी के नेता जयंत पाटिल नाराज हैं। जयंत पाटिल अब अप्रासंगिक हो गये हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि जयंत पाटिल इतने परेशान हैं कि उनकी पार्टी में उन्हें कोई नहीं पूछ रहा है, इसलिए वह अब इस तरह की बातें कर रहे हैं। एक सांकेतिक बयान देवेन्द्र फडणवीस ने दिया है। इतना बड़ा चुनाव हो रहा है, कहां दिख रहे हैं जयंत पाटिल? शरद पवार, सुप्रिया सुले और रोहित पवार नजर आ रहे हैं। कहां हैं जयंत पाटिल? समझदार को इशारा काफी है। देवेन्द्र फडणवीस के इस बयान पर जयंत पाटिल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह भ्रम है कि मेरे टीवी पर नहीं दिखने से जयंत पाटिल नाराज हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जो मेरी परवाह करते हैं, धन्यवाद। कई लोग सोचते हैं कि मैं टीवी पर न दिखने से परेशान हूं। जयंत पाटिल ने फडणवीस के बयान पर कहा कि लेकिन हमने जो बात की वो टीवी पर नहीं दिखाया गया। यह देखकर अच्छा लगा कि टीवी पर हमें बताने वाला कोई नहीं है.

पार्टियों के नहीं, बल्कि संविधान के प्रति रहें वफादार: सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने एक स्वतंत्र बार का आह्वान करते हुए कहा है कि इसका न्यायपालिका की स्वतंत्रता के साथ घनिष्ठ संबंध है। सीजेआई ने एएनआई द्वारा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन नागपुर के शताब्दी वर्ष समारोह में अपने संबोधन के दौरान कहा कि हमारे जैसे जीवंत और तर्कशील लोकतंत्र में अधिकांश व्यक्तियों के पास अरस्तू को उद्धृत करने की राजनीतिक विचारधारा या प्रवृत्ति होती है %मनुष्य राजनीतिक जानवर हैं%। वकील कोई अपवाद नहीं हैं। हालाँकि, बार के सदस्यों के लिए किसी की सर्वोच्च निष्ठा पक्षपातपूर्ण हितों के साथ-साथ अदालत और संविधान के प्रति होनी चाहिए। कई मायनों में यह स्वतंत्र बार है जो कानून के शासन और संवैधानिक शासन की रक्षा के लिए नैतिक कवच है। एक संस्था के रूप में बार न्यायिक स्वतंत्रता, संवैधानिक मूल्यों और अदालतों की गरिमा को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। चंद्रचूड़ ने कहा कि न्यायपालिका बार-बार अपनी स्वतंत्रता और गैर-पक्षपातपूर्णता, कार्यपालिका, विधायिका और निहित राजनीतिक स्वार्थ से शक्ति को अलग करने के लिए आगे आई है।

एनडीए में शिवसेना को दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनाने का लक्ष्य

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में मुंबई में शिवसेना नेताओं की एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव को लेकर नेताओं का मार्गदर्शन किया। सूत्रों ने यह भी बताया कि इस बैठक में राज्य के एक बड़े कांग्रेस नेता और कई विधायक एक-दूसरे के संपर्क में हैं। इसके बाद कौन हैं बड़े कांग्रेस नेता संपर्क में इसको लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री ने शिवसेना नेताओं से कहा है कि शिवसेना को उसके सांसदों की संख्या से ज्यादा सीटें मिलेंगी और अगर 100 फीसदी स्ट्राइक रेट रहा तो एनडीए में शिवसेना दूसरी सबसे बड़ी पार्टी होगी। सरकार ने कई सामाजिक समूहों के लिए बहुत काम किया है। महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाना। आंगनवाड़ी सेविकाओं की मदद करना। हमें उन सभी सामाजिक तत्वों तक पहुंचना चाहिए। एकनाथ शिंदे ने शिवसेना नेताओं से कहा कि उन्हें बीजेपी, एनसीपी और अन्य मित्र पार्टियों के साथ मिलकर काम करना होगा। आम गरीब कार्यकर्ता बाबूराव कदम के नामांकन से राज्य में अच्छा संदेश गया है।

जगन रेड्डी का टीडीपी पर वार, चंद्रबाबू पर धोखा देने का आरोप

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि आगामी चुनाव समाज के हर वर्ग का विकास करने वाली वाईएसआरसीपी सरकार और समाज के हर वर्ग को धोखा देने वाले चंद्रबाबू नायडू के गठबंधन के बीच होने जा रहा है। यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक पार्टी (वाईएसआरसीपी) गरीब लोगों का समर्थन करती है जबकि दूसरी पार्टी (टीडीपी) पूंजीपतियों का समर्थन करती है। वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि चुनाव में केवल 5 सप्ताह बाकी हैं जो अगले 5 वर्षों के लिए हमारे राज्य का भविष्य निर्धारित करेंगे। ये चुनाव सिर्फ विधायक/सांसद चुनने के लिए नहीं हैं, बल्कि यह आदतन धोखेबाज चंद्रबाबू और गरीबों के चैंपियन जगन के बीच की लड़ाई है। उन्होंने सवाल किया कि क्या आप सभी वाईएसआरसीपी का समर्थन करने और गरीबों, बच्चों, बड़ी बहनों, दादा-दादी, अल्पसंख्यकों और पेशेवर समूहों के हितों की रक्षा के लिए तैयार हैं? क्या आप सभी हमारी सरकार का समर्थन करने के लिए सिद्धम हैं ताकि हम जो अच्छा हुआ है उसे जारी रखें?

11 दिनों में कर चुके हैं ताबड़तोड़ 22 सभाएं

चुनाव में मुख्यमंत्री ने झोंकी अपनी पूरी ताकत, प्रदेश की पूरी 11 की 11 सीटें जीतने का है लक्ष्य

रायपुर। 16 मार्च को लगी आचार संहिता के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने न केवल 11 दिनों में 22 सभाओं सहित ताबड़तोड़ संगठनात्मक बैठकें लेकर भाजपा के चुनाव अभियान को चरम पर पहुंचा दिया है वरन वे प्रचंड गर्मी की परवाह न करते हुए जिस तरह से आम जनता के बीच जा रहे हैं, वह अपने आप में विशाल है। सुबह छ: बजे शुरू होने वाली उनकी दिनचर्या देर रात को कार्यकर्ताओं और आम जनता से मुलाकात के बाद समाप्त होती है। खुद के मोबाइल पर आने वाली कॉल भी बीच-बीच में स्वयं उठाते हैं, जो सामान्यत: दूसरे मुख्यमंत्रियों में कम ही नजर आता है। ग्यारह दिनों में ही मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को पूरी तरह बैकफुट पर ला दिया है, जो अब मुकाबला न कर पाने की स्थिति में नजर आने लगी है।

20 मार्च 2024 को दंतेवाड़ा में माँ दंतेश्वरी के दर्शन-पूजन के बाद श्री साय ने अपने चुनावी अभियान का शुभारम्भ किया। जिसके बाद वे बस्तर लोकसभा क्षेत्र में सात सभाएं, कांकेर लोकसभा क्षेत्र में सात सभाएं, राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में तीन सभाएं और महासमुंद, रायपुर, दुर्ग, जांजगीर व बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र में एक-एक सभाएं कर चुके हैं। मुख्यमंत्री की सभा में आमजन की स्व-स्फूर्त भीड़ उमड़ रही है। लोग सीएम साय के भाषण को बड़े ही उत्साह से सुन रहे हैं और ताली बजाकर, नारे लगाकर अपना पूर्ण समर्थन भी दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री की प्रत्येक सभा में महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। महिलाएं सीएम साय की बात को ध्यान से सुन भी रही हैं। इसका प्रमुख कारण विष्णु सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना को प्राथमिकता से लागू करने को माना जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत अब तक प्रदेश की 70 लाख 12 हजार 417 महिलाओं को प्रति महीने 655 करोड़ 57 लाख रूपये के हिसाब से दो महीने की किश्त जारी हो चुकी है। जिससे महिलाएं बहुत ही खुश हैं, मोदी और भाजपा सरकार के प्रति उनका विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कार्यकर्ता सम्मेलन और जनसभाओं में पिछली कांग्रेस सरकार में हुए भ्रष्टाचार, घोटाले व उनकी नाकामी को लगातार जन-जन के बीच उजागर कर रहे हैं। जिस पर आमजन की खूब तालियां बज रही है। बीच-बीच में वो जनता से कनेक्ट करने के लिए उनसे सवाल भी करते हैं। वो बार-बार पूछते हैं कि मोदी जी की सरकार तीसरी बार बनानी है या नही, जिसका जवाब हाँ में मिलता है। वो जनता को बताते हैं कि कैसे भूपेश बघेल की अगुवाई में कांग्रेस ने शराब, रेत, कोयला, सरकारी जमीन, पीएससी सबमें घोटाला किया और यहाँ के संसाधनों को लूटा। वो भूपेश बघेल पर महादेव एप को निर्बाध रूप से चलाने के लिए 508 करोड़ रूपये प्रोटेक्शन मनी लेने के आरोप और उस पर हुई एफआईआर को जनता को बता रहे हैं, इसे छत्तीसगढ़ के लिए शर्म की बात कह रहे हैं। श्री साय कांग्रेस द्वारा किये गए 36 वादों में एक भी वादे को ठीक से पूरा नहीं करने की बात लगातार जनता को बता रहे हैं। उनके भाषणों में यह प्रमुखता से शामिल है। सीएम साय अपनी हर जनसभा में मोदी की गारंटी के अंतर्गत पूरे किये गए प्रमुख वादों को जनता को बता रहे हैं। वे कहते हैं कि भाजपा सरकार बनने के मात्र 100 दिनों के अंदर ही हमने मोदी की गारण्टी के अंतर्गत प्रमुख वादों को प्राथमिकता से पूरा किया। इन वादों में वे 18 लाख परिवारों के पीएम आवास के लिए राज्यांश देने, 12 लाख से अधिक किसानों को धान खरीदी के 2 वर्ष का 3716 करोड़ रूपये का बकाया बोनस देने, प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने, प्रति क्विंटल 3100 रूपये में धान खरीदने, 145 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने, 24.72 लाख किसानों को 917 रूपये प्रति क्विंटल के मान से 13,320 करोड़ रूपये धान की अंतर की राशि देने, महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख 12 हजार 417 महिलाओं को दो महीने की किश्त जारी करने, श्रीरामलला दर्शन योजना को लागू करने, सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ता में 4% की वृद्धि करने, वनांचलों में 5500 रुपया प्रति मानक बोरे की दर से तेंदूपत्ता खरीदने, चरण पादुका योजना को पुन: लागू करने, पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपने की बात जनता से प्रमुखता से कर रहे हैं। वे चुनाव के बाद बची हुई गारंटियों को प्रमुखता से पूरा करने की बात जनता से कहते हैं। जब से विष्णु देव साय ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया है, कांग्रेसी अक्सर सांय-सांय शब्द का प्रयोग कर उनको लगातार घेरने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन सीएम साय ने इस नारे को ही अपना प्रमुख हथियार बना लिया। वे अपनी सभाओं में कह रहे हैं कि हमारी सरकार ने मोदी की गारण्टी के प्रमुख वादों को सांय-सांय पूरा किया और आगे भी सांय-सांय पूरा करेंगे। हमारी सरकार के सांय-सांय काम को देखकर कांग्रेस का बाय-बाय हो रहा है और इस बार जनता, कांग्रेस को पूरी तरह से बाय-बाय कर देगी।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए

बीजापुर। छह अप्रैल छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के उसूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर डोलीगुट्टा गांव के जंगलों में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के सुरक्षाबल के जवान तेलंगाना के 'ग्रे हाउंड' के साथ दोनों राज्यों के सीमाक्षेत्र में नक्सल रोधी अभियान पर हैं। उन्होंने बताया कि आज सुबह लगभग 05:30 बजे जब सुरक्षाबल के जवान अभियान पर थे तब डोलीगुट्टा गांव के जंगलों में नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से भाग गए। उन्होंने बताया कि बाद में जब सुरक्षाबल के जवानों ने घटनास्थल की तलाशी ली तब वहां तीन नक्सलियों का शव, एक एलएमजी, एक एके-47 समेत कई हथियार बरामद किए गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के गंगालूर थानाक्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली समेत 13 नक्सलियों को मार गिराया था। वहीं दंतेवाड़ा जिले में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने एक नक्सली को मार गिराया था। दंतेवाड़ा और बीजापुर जिला बस्तर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां 19 अप्रैल को आम चुनाव के पहले चरण में मतदान होगा।

लोकसभा चुनाव को देखते हुए इन दिनों सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को ग्रेहाउंड्स और छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में तीन नक्सली मारे जा चुके हैं। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के कई बड़े नक्सली लीडर्स की मौजूदगी की सूचना पर ग्रेहाउंड्स और छत्तीसगढ़ पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन लॉन्च किया है।

13 नक्सलियों के मारे जाने के बाद इलाके में पसरा मौत का सन्नाटा

बीजापुर। गंगालूर थाना क्षेत्र के कोरचोली-लेंड्रा के जंगल में प्रशासन के मुताबिक 2 अप्रैल को हुआ एनकाउंटर 10 घंटे तक चला और दोनों ओर से गोलियों की बौछार होती रही, जवानों ने दस घंटे के मुठभेड़ में 13 माओवादियों को ढेर कर दिया। मारे गए 13 नक्सलियों में से 11 की पहचान हो चुकी है। जिन नक्सलियों की पहचान हुई है, वे सभी हार्डकोर नक्सली थे, जिन पर कुल 86 लाख रूपये का ईनाम घोषित था। वहीं इस इलाके में नक्सली मुठभेड़ के चार दिन बाद भी मौत का सन्नाटा पसरा हुआ है। दहशत के चलते यहां के ग्रामीण गांव छोड़कर दूसरे इलाकों में जा चुके हैं। गांव वालों में इतनी जबरदस्त दहशत है कि अब नक्सली किसी को भी मुखबीर बताकर उनकी हत्या कर सकते हैं।

इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने के बाद कोरचोली-लेंड्रा के इलाके में स्थानीय पत्रकारों का पहुंचना शुरू हो गया है। स्थानीय पत्रकार मुठभेड़ वाले इलाके की रिपोर्टिंग के दौरान मुठभेड़ स्थल पर भारी मात्रा में कारतूस के खोखे बिखरे मिले हैं, पेड़ों पर गोलियों के सैंकड़ों निशान बने हैं। आस-पास जो सोलर प्लेट लगे थे वो भी गोलियों की बौछार से छलनी हो गए हैं। बैरल गन के खाली कारतूस भी मौके से मिले हैं। मारे गए 13 नक्सलियों में से 11 की पहचान हो चुकी है। सभी हार्डकोर नक्सली थे, जिन पर कुल 86 लाख रूपये का ईनाम घोषित था जिसमें सर्वाधिक 20 लाख का ईनाम सुखराम हेमला कंपनी नंबर 2 के पीपीसीएम एवं सीतक्का डीव्हीसीएम पर 10 लाख का ईनाम घोषित था, इसाके अलावा अन्य पीएलजीए कंपनी नंबर 2 के सभी सदरूयों पर 8-8 लाख का ईनाम घोषित था। बस्तर संभाग में नक्सलियों के कोर इलाकों में कैंप के स्थापना के बाद एक साथ 13 नक्सलियों के मारे जाने के साथ ही विगत एक सप्ताह से रोजाना हो रही मुठभेड़ में आज तक 24 नक्सली ढेर हो चुके हैं। इससे पहले कभी भी इतने कम समय में वह भी नक्सलियों के टीसीओसी माह में जब नक्सली बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए जाने जाते थे। इतनी बड़ी संख्या में जिसमें बड़े नक्सलियों के मारे जाने से नक्सलियों की पूरी व्यवस्था ध्वस्त होकर रह गई है, ऐसा प्रतीत होने लगा है कि नक्सलियों में अब दहशत व्याप्त है।

बलिदान देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि, पति को याद कर भावुक हुई लेओस खेस की पत्नी

जशपुर। 6 अप्रैल 2010 का वह काला दिन जब छत्तीसगढ़ के ताड़मेटला गांव में नक्सलियों ने 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी थी। इस दिन मां भारती की रक्षा में अपना बलिदान देने वाले वीर जवानों को आज सीआरपीएफ की तरफ से श्रद्धांजलि दी गई। इसी कड़ी में जशपुर के बरांगजोर गांव के लेओस खेस के स्मारक में सीआरपीएफ, लेओस खेस की पत्नी, ग्रामीणों और स्कूली बच्चों ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

दरअसल सीआरपीएफ के डायरेक्टर जनरल आईपीएस अनीस दयाल सिंह के निर्देशनुसार आज के दिन चिंतलनार ताड़मेटला नक्सली हमले में बलिदान हुए सभी 76 जवानों के गाँव में सीआरपीएफ के अधिकारी पहुंचकर उन्हें अपनी श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे हैं। इसी क्रम में कुनकुरी थाना इलाके के बरांगजोर गांव में भी लेओस खेस के स्मारक पर ग्रुप सेंटर बिलासपुर से असिस्टेंट कमांडेंट अमित कुमार, इंस्पेक्टर मोहम्मद परवेज जवानों के साथ पहुंचे। असिस्टेंट कमांडेंट अमित कुमार ने इस मौके पर बताया कि 62 बटालियन के सिपाही लेओस खेस का जन्म 1 मार्च 1968 को हुआ था 26 दिसम्बर 1995 में लेओस ग्रुप केंद्र रामपुर और 62 बटालियन में तैनात रहे।

दंतेवाड़ा में तैनाती के दौरान 6 अप्रैल 2010 को चिंतलनार में नक्सली गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तलाशी अभियान में अपनी पार्टी के साथ निकले थे। तभी ताड़मेटला गांव में घात लगाए बैठे नक्सलियों ने उनकी पार्टी पर हमला कर दिया जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के बहादुर सिपाही लेओस खेस समेत 76 जवान बलिदान हो गए।

इससे पहले सीआरपीएफ की ओर से वीर जवान की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर सलामी दी गई। लेओस की पत्नी कलिस्ता अपनी दो बेटियों के साथ पति को याद करते हुए भावुक हो रही थी।

गोदपल्ली मुठभेड़ में घायल जवान को उपचार के लिए हेलिकाप्टर से लाया गया मेकॉज

जगदलपुर। सुकमा जिले के सिलगेर कैंप से निकले जवानों और नक्सलियो के बीच बीती रात गोदपल्ली के जंगल में मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में बस्तर फाइटर का एक जवान घायल हो गया, जिसे शनिवार की सुबह चौपर के माध्यम से मेकाज लाया गया, जहां जवान का इलाज करने के बाद वार्ड में भर्ती कर दिया गया है।

जानकारी देते हुए घायल आरक्षक उइका विक्की 24 वर्ष निवासी दोरनापाल ने बताया कि शुक्रवार की देर रात सिलगेर कैंप से बस्तर फाइटर, डीआरजी, कोबरा की एक संयुक्त टीम आपरेशन पर निकली थी। करीब पांच किमी पैदल चलने के बाद सुकमा और बीजापुर के सरहद के गोदपल्ली पहाड़ी में अचानक से रात करीब 12 बजे के लगभग नक्सलियों को देखा गया। नक्सलियो को देख उइके विक्की तुरंत सक्रिय हो गए। अचानक से नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जिसके जवाब में पुलिस की ओर से भी गोलीबारी शुरू की गई। करीब आधे घंटे तक चले मुठभेड़ के बाद नक्सली भाग निकले। लेकिन नक्सलियों की ओर से की गई गोलीबारी में आरक्षक उइके विक्की के पैर में गोली लग गई। पूरी रात घायल आरक्षक मुठभेड़ के बाद इलाके की सर्चिंग करता रहा और सुबह जवान को पहले सिलगेर कैंप में प्राथमिक उपचार के बाद चौपर के माध्यम से मेकाज रवाना किया गया। जहां शनिवार की सुबह घायल जवान को एम्बुलेंस के माध्यम से मेकाज लाया गया। जहां उपचार के बाद उसे वार्ड में भर्ती कर दिया गया है।

विस्फोटक के साथ 3 व स्थाई वारंटी फरार 2 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के दौरान थाना गंगालूर, कोबरा 210 एवं केरिपु 85 वीं वाहिनी की संयुक्त टीम कोरचोली, डुवल लेण्ड्रा की ओर सर्चिंग पर निकली थी। अभियान के दौरान कोरचोली-लेण्ड्रा के जंगल से 3 नक्सलियों सुदरू कुंजाम पिता लक्खू कुंजाम निवासी डुबल लेण्ड्रा थाना गंगालूर, आयती पूनेम पिता सन्नू पूनेम साकिन पेददापाल थाना गंगालूर तथा मालती कुंजाम निवासी मुतवेंडी थाना गंगालूर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से विस्फोटक, बैटरी, कार्डेक्स वायर, जिलेटिन स्टीक, इलेक्ट्रिक वायर बरामद किया गया है। अभियान से वापसी के दौरान बुरजी से 2 फरार नक्सलियों आयतु पूनेम पिता मासा निवासी बुरजी थाना गंगालूर व एनकु पूनेम पिता लच्छु पूनेम निवासी पटेलपारा थाना गंगालूर को गिरफ्तार किया गया है। फरार नक्सली आयतु पूनेम के विरूद्ध 02 स्थाई वारंट एवं एनकू पूनेम के विरूद्ध 01 स्थाई वारंट थाना गंगालूर में लंबित है। गिरफ्तार तीन नक्सलियों के विरूद्ध थाना गंगालूर में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की सुसंगत धाराओं में वहीं 2 फरार नक्सलियों पर कार्यवाही के उपरान्त शनिवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

बस्तर में वोटर्स को जागरुक करने के लिए चलाई विशेष मुहिम

जगदलपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के मतदान के लिए अब कुछ ही दिन बचे हुए हैं। इसे देखते हुए बस्तर संसदीय सीट पर 80 प्रतिशत से ऊपर मतदान कराने के उद्देश्य से शनिवार को बस्तर में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली में मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबासाहब कंगाले, जिला प्रशासन की टीम, स्कूली छात्र-छात्राएं और बादल अकादमी ने हिस्सा लिया। इसके अलावा इसमें नुक्कड़ नाटक की टीम, आदिवासी नृतक दल और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। ये रैली शहर के शहीद पार्क से निकाली गई और एसबीआई चौक होते हुए हाता ग्राउंड पहुंची। यहां ये रैली मानव श्रृंखला बनाकर खत्म हुई। इसके बाद मतदान जागरूकता फैलाने के लिए तीन रंगों का गुब्बारा भी आसमान में छोड़ा गया। इस दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने कहा कि, ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान के समय त्यौहार का माहौल रहता है। सभी से अपील करते हैं कि मतदान का संदेश सभी घर-घर और गांव गांव तक पहुंचाए। बस्तर संभाग में कई सालों का रिकार्ड तोड़कर विधानसभा निर्वाचन में पूरे संभाग में 78 प्रतिशत मतदान करके नया कीर्तिमान रचा है। इस लोकसभा में 80 प्रतिशत मतदान करने की मैं अपील करती हूं। इस बारे में बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम ने बताया कि, इस अवसर पर मतदान जागरूकता रथ को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। साथ ही दिव्यांगजनों को पुष्प देकर हौसला अफजाई की।

रिहायशी इलाकों में पहुंचा हाथी, जान बचाने सीढ़ी से घर के ऊपर चढ़ा परिवार

कोरबा। जिले में अब हाथी रिहायशी इलाकों में घुसने लगे हैं। कटघोरा वन मंडल के परला गांव में दूसरी बार हाथी एक घर में घुस गया। रात के करीब 9 बजे गांव में रहने वाले राजकुमार गोस्वामी अपने परिवार के साथ आराम कर रहे थे। इसी दौरान घर के बाड़ी में विशालकाय हाथी आ धमका। जान बचाने के परिवार के लोग घर की छत पर चढ़ गए। इसकी सूचना मिलने पर वन अमला मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों की जान बचाई। काफी मशक्कत के बाद हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा गया।

मकान मालिक राजकुमार गोस्वामी की माने तो गांव के पास जंगल से लगे उसका भी एक मकान है, जहां वह परिवार सहित निवास करता है। उसकी पत्नी और एक बेटी साथ रहते हैं। राजकुमार ने बताया कि शुक्रवार रात लगभग 8 बजे खाना खाने के बाद सभी सोने के लिए कमरे में चले गए। थोड़ी देर बाद हाथी की दहाड़ सुनकर सभी के होश उड़ गए। राजकुमार और उसका परिवार बड़ी की तरफ खिड़की से झांक कर देखा तो एक विशालकाय हाथी बड़ी में विचरण कर रहा था।

इसके बाद राजकुमार उसकी पत्नी और बच्ची किसी तरह अपनी जान बचाने सीढ़ी से खपरैल वाले घर के ऊपर चढ़े और हाथी की हर गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। इस बीच जब हाथी के गांव में आने की खबर ग्रामीणों को पता चली तो तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम दलबल के साथ मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा।

बताया जा रहा है कि यह हाथी झुंड से बिछड़ कर अकेले ही विचरण कर रहा है, जो जंगल में आसपास घूमते अक्सर लोगों को दिख जाता है। वन विभाग ने इस घटना के बाद आसपास गांव में मुनादी करा दी है। वहीं लोगों को जंगल जाने से रोक रही है और शाम होते ही घर के अंदर रहने की सलाह लोगों को दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

मुंगेली जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

मुंगेली। लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के अंदर कोहराम मचा हुआ नजर आता है। अरुण सिसोदिया, सुरेंद्र दास वैष्णव, सफिरा साहू और विजय साहू जैसे नेता ने पार्टी के खिलाफ आवाज उठाई। इनमें से कई ऐसे नेता हैं जो इस्तीफा दे चुके हैं। अब मुंगेली कांग्रेस से बगावत की खबर आई है। मुंगेली जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष शोभाराम कश्यप ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। शोभाराम कश्यप ने पीसीसी चीफ दीपक बैज को इस्तीफा भेजा है। उन्होंने कांग्रेस में लगातार हो रही उपेक्षा से नाराज होकर यह कदम उठाया है। शोभाराम कश्यप ने उपाध्यक्ष पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से रिजाइन किया है। शोभाराम कश्यप ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि कांग्रेस पार्टी में निष्ठावान कार्यकर्ताओं की लगातार उपेक्षा हो रही है। इसके आगे भी उन्होंने गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस में लगातार निष्ठावान कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो रही है। चाटुकारों और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को महत्व दिया जा रहा है। इसलिए मैं शोभाराम कश्यप मुंगेली जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूं।

कोरबा में डीएसपीएम पावर प्लांट की 2 यूनिट ठप

कोरबा। ऊर्जाधानी कोरबा में बिजली उत्पादन कंपनी की डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी (डीएसपीएम) में पावर प्लांट के 250 मेगावाट की दो यूनिट पूरी तरह से ठप हो गयी। बताया जा रहा है कि अचानक आई तकनीकी खराबी के कारण यूनिट बंद हो गई। इससे ट्रांसमिशन कंपनी की 220 केवी लाइन में गहरा प्रभाव पड़ा जिससे 132 केवी लाइन भी बंद हो गई। इसके कारण बिलासपुर और सरगुजा संभाग में बिजली आपूर्ति बुरी तरह से चरमरा गई। तकनीकी खराबी के कारण कोरबा समेत सरगुजा, विश्रामपुर, कोरिया व आसपास के क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद हो गई थी। यह खराबी दोपहर में आई। बिजली कंपनी से जुड़े जानकारों का कहना है कि डीएसपीएम संयंत्र में स्टीम रिलीज होने की तेज आवाज आई। जिसके बाद संयंत्र की दोनों इकाइयां बंद हो गई। इसी पवार प्लांट से से 220 केवी लाइन निकली है। जिससे छुरी स्थित सबस्टेशन में बिजली आपूर्ति होती है। छूरी से 132 केवी में परिवर्तित कर बिजली दूसरे जगहों पर सप्लाई की जाती है। संयंत्र में क्या खराबी आई है। यह स्पष्ट नहीं है।

एमसीबी में रुपये बांटने पर विधायक की सफाई

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। भरतपुर सोनहत विधानसभा में स्वेच्छानुदान राशि को रेवड़ी जैसे बांटने का जैसे चोली दामन का रिश्ता बन गया है। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक गुलाब कमरो के स्वेच्छानुदान राशि बांटने के मामले में कांग्रेस नेता घिर गए और चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब वहीं स्वेच्छानुदान राशि भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह के गले की फांस बन गई है। एमसीबी में एक लिस्ट वायरल हो रही है जिसमें विधायक रेणुका सिंह की तरफ से लोगों को जारी की गई राशि का जिक्र है। इनमें लोगों के नाम और उन्हें दिए गए रुपयों की डीटेल लिखी हुई हैं। लिस्ट के मुताबिक रेणुका सिंह ने भाजपा कार्यकर्ताओं, अपने करीबियों व समर्थकों के साथ ही अपने ड्राइवर और अपने बंगले में काम करने वालों को भी स्वरोजगार और इलाज के लिए 10 से 15000 रुपये की आर्थिक सहायता दी है। इस मामले में विधायक ने भी लोगों को राशि देने की बात कबूली है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान प्रचार में सभी ने उनकी बहुत मदद की।

जुआं खेल रहे 11 जुआरियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही के धरहर गांव में पुलिस ने जंगल में जुआ खेल रहे 11 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। जुआरियों के पास से पुलिस ने 2,23,000 रुपये बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है वहीं फरार आरोपियों की पता तलाश की जा रही है। पकड़े गए जुआरी- राधेश्याम महंत, शंकर रजक, जितेन्द्र उर्फ कुंजीलाल जायसवाल, फतेह मोहम्मद, बिनोद जायसवाल, सुभाष जायसवाल, सदा कश्यप, मोहन लाल कश्यप, रोहित जैन, जय प्रकाश पांडेय, सुनिल पांडेय को पुलिस ने जुआ खेलते समय गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने आम जनता से अपील की है कि यह पुलिस हेल्पलाइन नंबर 9479191792 पुलिस अधीक्षक कार्यालय से आमजनता के सीधे जुड़ने के लिए प्रारंभ किया गया है। इस पर पुलिस विभाग से संबंधित सभी प्रकार की गोपनीय सूचना, शिकायत की जानकारी दी जा सकती है। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

स्कूल वैन को ट्रक ने मारी जोरदार टक्कर

धमतरी। धमतरी में फिर एक सड़क हादसा हुआ है। यहां स्कूल के बच्चों से भरी वैन को ट्रक ने ठोकर मार दी जिसके चलते लगभग आठ बच्चे घायल हो गये हैं। वहीं घटना में एक बच्चे की मौत हो गई है। सभी घायल बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार सरस्वती ज्ञान मंदिर बठेना स्कूल की वैन बच्चों को छोड़ने घर जा रही थी। संबलपुर बाईपास के पास पंहुचे ही थे कि तभी रायपुर की ओर से आ रहे ट्रक ने वैन को जोरदार ठोकर मार दी। हादसा होते ही बच्चों में चीखपुकार मच गई। तत्काल सभी बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इस हादसे में ग्राम तेलिनशक्ति के रहने वाले सागर ध्रुव की दर्दनाक मौत हो गई।

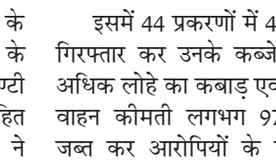

जनता कांग्रेस का सफाया, सरोज के समक्ष 4000 से अधिक कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

कोरबा। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ का कोरबा जिले से पूरी तरह से सफाया हो गया। लोकसभा प्रत्याशी सरोज पांडेय और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन मौजूदगी में जेसीसीजे के प्रदेश, जिला स्तर से लेकर 4 हजार से अधिक कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए।

शुक्रवार की शाम एक होटल में भाजपा प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में सांसद प्रत्याशी सरोज पांडेय, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओपी चौधरी की उपस्थिति में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ की कोरबा ईकाइ का भाजपा में विलय हो गया। उद्योग मंत्री के मार्गदर्शन में पिछले एक पखवाड़े में सैकड़ों कांग्रेसी नेताओं का भाजपा प्रवेश हो चुका है।

जनता कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामसिंह अग्रवाल, कोर कमेटी के सदस्य पवन अग्रवाल, प्रदेश महासचिव दीपनारायण सोनी, शहर

अध्यक्ष वैभव शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष बालमुकुंद राठिया, वॉर्ड क्रमांक 56 के पार्षद पदमा साहू, वॉर्ड क्रमांक 15 के पार्षद धनसाय साहू, वार्ड क्रमांक 44 के पार्षद सुनील पटेल, वॉर्ड क्रमांक 9 के पार्षद रूप सिंह, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष लोकेस्वरी भारद्वाज, युवा जिला अध्यक्ष साजू एलेक्स, जिला उपाध्यक्ष रोशन अग्रवाल, युवा प्रदेश महासचिव मिर्जा आसिफ बेग समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता भाजपा में शामिल हुए।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न समाज के पदाधिकारी भी भाजपा में शामिल हुए। इनमें अखिल भारतीय सतनामी कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनीराम जांगड़े, सर्व यादव समाज की जिला अध्यक्ष गीता यादव, बिरहोर समाज के जिला अध्यक्ष फिरतराम पहाड़ी, प्रजापति महिला मंडल अध्यक्ष रीता प्रजापति, महंत समाज के प्रमुख मोहर दास महंत शामिल हैं।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन की रणनीति से कांग्रेस चारों खाने चित्त हो रही है। कटघोरा, छुरी, पाली तानाखार के बाद कोरबा विधानसभा में भी बड़ी संख्या में अब तक कांग्रेस, जनता कांग्रेस के बड़े नेता, पार्षद व मोर्चा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह है कि जनाधार वाले नेताओं के बीजेपी में आने से भाजपा और भी मजबूत हो गई है।

कांग्रेस ने की जिला प्रभारियों की नियुक्ति, सुबोध को बिलासपुर की जिम्मेदारी

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए जिला प्रभारियों की नियुक्ति की है। सुबोध हरितवाल को बिलासपुर, दिनेश शर्मा को मुंगेली, कृष्णा दुबे को खैरागढ़ और शारिक रईस खान को गरियाबंद का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है।

कबाड़ कारोबारियों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, 44 स्थानों से करीब एक करोड़ का अवैध कबाड़ जब्त

धरसींवा। रायपुर पुलिस ने धरसींवा सहित आस-पास के तमाम थाना क्षेत्रों में अवैध कबाड़ियों पर शिकंजा कसा कसते हुए करीब एक करोड़ का अवैध कबाड़ जब्त किया है। कुछ कबाड़ियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जेल भेजा गया है।

एसएसपी संतोष कुमार सिंह के निर्देशन व एएसपी शहर लखन पटले के नेतृत्व में जिले के थाना प्रभारियों, एण्टी क्राइम, एण्टी साइबर यूनिट की टीम सहित पुलिस बल की अलग-अलग टीमों ने धरसींवा, खमतराई, उरला, डी डी नगर, आमानाका, मौदहापारा, तेलीबांधा, गुढ़ियारी, न्यू राजेन्द्र नगर, पण्डरी, खम्हारडीह एवं गोबरानयापारा थाना क्षेत्र स्थित कबाडियों के यार्ड, गोदाम एवं अन्य स्थानों पर छापामार कार्रवाई की।

इसमें 44 प्रकरणों में 44 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 25 टन से अधिक लोहे का कबाड़ एवं 17 चार पहिया वाहन कीमती लगभग 97,00,000 रुपए जब्त कर आरोपियों के विरूद्ध संबंधित थानों में धारा 41(1+4) जा फौ/379 भादवि।, संज्ञेय अपराध घटित होने की परिकल्पना से प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत् कार्रवाई करने के साथ ही कुछ आरोपियों के विरूद्ध गंभीर धाराओं के तहत भी कार्रवाई कर जेल भेजा गया।

संक्षिप्त समाचार

पीएम पर विवादित बयान, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत के खिलाफ एफआईआर

राजनांदगांव। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के कथित विवादित बयान के बाद अब उन पर एफआईआर दर्ज की गई है। राजनांदगांव कोतवाली थाने में कथित तौर पर प्रधानमंत्री को लेकर दिए विवादित बयान के बाद चुनाव आयोग के निर्देश और जांच के बाद कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत के खिलाफ राजनांदगांव के कोतवाली थाना में धारा 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। कांग्रेस नेता चरण दास महंत द्वारा कथित तौर पर राजनांदगांव में दिए बयान के बाद पूरे प्रदेश में इस बयान को लेकर लगातार चर्चा होती रही और भाजपा द्वारा इस मामले को लेकर लगातार शिकायत की जा रही थी। राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की नामांकन सभा के दौरान शहर के स्टेट स्कूल में आयोजित सभा में नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत द्वारा कथित तौर पर प्रधानमंत्री को लेकर विवादित बयान दिया गया था। इस पूरे मामले में आज एफआईआर दर्ज की गई है।

शशिधर जायसवाल के भाजपा में शामिल होने पर सियासत जोरदार, वार-पलटवार

मनेन्द्रगढ़। मनेन्द्रगढ़ विधानसभा के पूर्व

विधायक विनय जायसवाल के भाई और बार संचालक शशिधर जायसवाल के भाजपा ज्वॉइन करने पर सियासत शुरू हो गई है। कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय ने बार संचालक शशिधर जायसवाल को भाजपा का गमछा पहनाकर भाजपा में प्रवेश कराया। इसी मामले पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किस प्रकार से वर्तमान समय में वाशिंग मशीन का काम कर रही है यह अब जगजाहिर हो गया है। आपको बता दें कि भाजपा प्रवेश करने वाले विधायक विनय जायसवाल के भाई शशिधर जायसवाल भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के चैनपुर में ग्रीन पार्क क्लब बार के संचालक हैं। यह बार हमेशा विवादों में रहा है। कांग्रेस शासनकाल में भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल केशरवानी के नेतृत्व में बार के सामने भाजपाई अवैध संचालन के खिलाफ धरने पर बैठे थे। जब इस विषय पर सरोज पांडेय से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वो इस मामले का संज्ञान लेंगी।

कांग्रेस ने गृहमंत्री शर्मा के खिलाफ एफआईआर की मांग की

रायपुर। गृहमंत्री विजय शर्मा के खिलाफ

एफआईआर की मांग को लेकर आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज चुनाव आयोग कार्यालय पहुंचे। बैज ने आरोप लगाया कि गृहमंत्री होकर कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे हैं। चुनाव के बीच नेता-प्रतिपक्ष डॉ। चरण दास महंत के बंगले का घेराव करना आचार संहिता का खुला उल्लंघन है। इस मामले में आयोग को तत्काल एफआईआर के निर्देश देना चाहिए। बैज ने कहा, अगर आयोग एफआईआर दर्ज नहीं करता है तो कांग्रेस भी प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस के खिलाफ आयोग की ओर से तत्काल एक्शन लिया जा रहा है, लेकिन भाजपा के खिलाफ आयोग मौन दिख रहा है। वहीं कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ भाजपा प्रवेश करने पर बैज ने कहा कि इससे चुनाव पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बता दें कि आज प्रदेश महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला और ओबीसी कांग्रेस के उपाध्यक्ष शंकर लाल साहू पार्टी छोड़कर भाजपा में प्रवेश कर रहे।

गुढ़ियारी में रातभर गुल रही बिजली, भय के साये में रहे लोग

50 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

रायपुर। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी स्थित छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के मुख्य डिपो में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग विकराल रूप ले लिया। इसके बाद गोदाम में रखें ट्रांसफार्मर एक के बाद एक ब्लास्ट होते गया। इसे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस भीषण आग से चार हजार ट्रांसफार्मर, केबल, कंडक्टर, मीटर, पावर आइल और इलेक्ट्रिक सामान पूरी तरह से जलकर खाक हो गया है। घटना से 50 करोड़ से अधिक का नुकसान होने का आकलन है। यह गोदाम लगभग साढ़े 3 एकड़ में फैला हुआ है, जहां आग की लपटों के साथ ही असमान धुआं-धुआं दिखने लगा। आग लगने से आसपास के घर बहुत ही गर्म रहा। इलाके में बिजली भी गुल रही। इससे लोग परेशान थे। साथ ही लोग भय के साये में रात गुजारी है।

घटना बीते शुक्रवार दोपहर लगभग डेढ़ बजे गोदाम में भीषण आग लग गई। आग भड़कते गई और ब्लास्ट होते गया। इसकी आवाज ने रहवासियों का दिल दहला दिया। इस घटना से निपटने के लिए 30 से 40 फायर ब्रिगेड की गाडियां लगी हुई थी। जिसे रात 11 बजे तक काबू पाया गया। इस घटना के दौरान देर रात तक मुख्यमंत्री साय के सचिव पी दयानंद, कलेक्टर, एसएसपी, जिला प्रशासन के अधिकारी और फायर फाइटिंग प्रभारी मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए गोदाम से लगे तीन-तीन किलोमीटर तक रास्ता खाली कराकर बंद कर दिया गया था। साथ ही आसपास के घरों को भी खाली करवाया गया।

आग को बुझाने के लिए एयरपोर्ट के फायर ब्रिगेड (मेड इन आस्ट्रेलिया) को भी बुलाया गया। इस

आधुनिक गाड़ी की कीमत पांच करोड रुपये है। पानी की क्षमता और बौछार करने की दूरी दूसरे फायर ब्रिगेड से ज्यादा है। साथ ही भिलाई स्टील प्लांट और निजी जगहों से भी फायर ब्रिगेड गाडियां बुलाई गई और फायर टीम डटी रही। पहला ब्लास्ट की आवाज सुनकर आसपास के लोग दंग रह गए। भीषण आग लगने से एक-एक कर ट्रांसफार्मर ब्लास्ट होते गए। इस दौरान लोगों का जमावड़ा हो गया। इस दौरान आस-पास रहने वाले सभी लोगों को अलर्ट कर दिया गया। कुछ लोगों को घर खाली करने के निर्देश भी दिए गए। आग का गुबार आसमान में साफ नजर आ रहा है। एहतियात के तौर पर सभी को बाहर निकलने और अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं।

बताया जा रहा है कि ट्रांसफार्मर से चिंगारी निकली इसके बाद वहां मौजूद ज्वलनशील पदार्थों पर जा गिरा। इससे आग सुलगने लगी और ट्रांसफार्मर को चपेट में ले लिया। इसके बाद भीषण आग लगी और एक के बाद एक ट्रांसफार्मर ब्लास्ट होने लगा। इस भीषण आग की चपेट में 15 मेगावाट सब स्टेशन भी आ गया। इस सब स्टेशन से गुढ़ियारी,अशोक नगर, कृष्णा नगर, रामनगर, जैसे कई इलाकों में बिजली बंद रही। इससे इलाके को लोग काफी परेशान थे। साथ ही आसपास के घर हिट रहा। आग लगने से प्रशासन की पूरी टीम लगी हुई थी। देर रात तक कड़ी मशक्कत बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि आज भी पूरी तरह से आग बुझाने की कोशिश की गई। इस घटना से किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

इस गोदाम में इससे पहले भी दो बार आग लग चुकी है। दो साल जब स्टोर में आग लगी थी, तब आग फैलने से पहले बुझा ली गई थी। सेंटर स्टोर में भीषण आग लगने और आग तेजी से फैलने की वजह से वहां रखे ट्रांसफार्मर, आइल, केबल और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। इस भीषण आग कितना सामान जलकर खाक हुआ,कितना नुकसान हुआ है। इस सभी का आकलन किया जाएगा। साथ ही आग कैसे लगी इस पर भी जांच की जाएगी।

गोदाम में लगी भीषण आग का जायजा लेने सीएम विष्णुदेव साय मौके पर पहुंचे हुए थे। मीडिया से चर्चा में कहा कि भगवान की कृपा से कोई जनहानि नहीं हुई। विभाग के अधिकारियों ने भी मुस्तैदी दिखाई। तेल के टैंकरों को खोल दिया गया, जिससे ज्यादा ब्लास्ट नहीं हुआ। जिन लोगों को आर्थिक रूप से क्षति हुई है उसका आकलन किया जा रहा है। आग लगने के कारणों की भी जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर गोदाम में आग लगने की सूचना मिलते ही अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। बचाव कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए उन्होंने अपने सचिव पी दयानंद को भी घटनास्थल पर भेजा था। ट्रांसफार्मर गोदाम में लगी आग आसपास के क्षेत्र में न फैले और इस हादसे से जनहानि ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

ट्रांसफॉर्मर गोदाम में लगी आग की जांच करने गठित की उच्च स्तरीय समिति

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने गुढ़ियारी स्थित क्षेत्रीय भंडार गृह में आग लगने की घटना की जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की है। समिति पांच बिन्दुओं पर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

समिति में कार्यपालक निदेशक भीम सिंह कंवर, कार्यपालक निदेशक संदीप वर्मा, अति। मुख्य अभियंता यशवंत शिलेदार, अतिमहाप्रबंधक (वित्त) गोपाल मूर्ति, मुख्य सुरक्षा अधिकारी ए।श्रीनिवास राव और अधीक्षण अभियंता डीडी चौधरी शामिल किए गए हैं।

समिति आग लगने के कारणों के संबंध में, दुर्घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारी / कर्मचारी/ एजेंसी के संबंध में, दुर्घटना से कंपनी को वित्तीय एवं भौतिक रूप से हुई क्षति के संबंध में जांच करने के साथ भंडार गृह के संचालन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था और भविष्य में इस प्रकार की अन्य दुर्घटनाओं के रोकथाम के लिए सुझाव देगी।

सीएम सचिव दयानंद के साथ कलेक्टर एसपी, आयुक्त, सीईओ ने खुद संभाला मोर्चा

रायपुर। सीएसपीडीसीएल के गुढ़ियारी स्थित सब डिवीजन दफ्तर में हजारों की संख्या में रखे ट्रांसफॉर्मरों में लगे आग पर काबू पाने के लिए जिस शिद्दत से अधिकारी-कर्मचारी जुटे वह एक मिसाल है। बिजली विभाग प्रमुख और मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद से लेकर कलेक्टर डॉ। गौरव सिंह, एसपी संतोष सिंह, रायपुर निगम आयुक्त और जिला पंचायत सीईओ इस दौरान खुद मौके पर मौजूद रहते हुए कार्य की निगरानी करते रहे।

दोपहर ढाई बजे का वक्त रहा होगा। आग की ख़बर से हड़कंप मच गया था। कलेक्टर गौरव सिंह के पास भी ख़बर पहुँच गई। उन्होंने फोन पर दूसरे अधिकारियों से बातचीत की। बातचीत करते-करते अपनी गाड़ी पर सवार हुए और तत्काल घटना स्थल की ओर रवाना हो गए। घटनास्थल लोगों की भीड़ थी। कई घरों से लोगों की भागने की स्थिति थी। कलेक्टर ने अपने अधिकारियों के साथ मोर्चा संभाला। लोगों की भीड़ जमा न करने की समझाइश दी। फंसे हुए लोगों को

बाहर निकालने में मदद की।

आगजनी के दौरान आग पर काबू पाने के साथ आस-पास की बस्तियों से लोगों को हटाना भी एक अहम काम था। इसके लिए कलेक्टर गौरव सिंह के साथ पूरा जिला प्रशासन रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटा गया। साथ में रायपुर एसएसपी संतोष सिंह भी विभाग के तमाम अधिकारी और जवान के साथ डटे हुए थे। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कलेक्टर गौरव सिंह के जूते को पार कर एक नुकीला कील उनके पैर में गड़ गया। मौक पर ही स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कलेक्टर का प्राथमिक उपचार किया।

गुढ़ियारी सब डिवीजन में आगजनी : पीसीसी चीफ दीपक बैज का बड़ा बयान, कहा-

यह आग लगी नहीं, लगाई गई है, विभाग में हुआ बड़ा घोटाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ विद्युत विभाग के गुढ़ियारी स्थित केंद्रीय भंडार में कल लगी भीषण आग को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह आग लगी नहीं है बल्कि आग लगाई गई है। मुख्यमंत्री का विभाग है, मुख्यमंत्री के विभाग में बड़ा घोटाला हुआ है। इसी को दबाने के लिए यह आगजनी की गई है। सारे अफसर ,मंत्री ,नेता उसे दबाने में लगे हैं। इसके साथ ही दीपक बैज ने अन्य मुद्दों पर अपना बयान दिया है।

मीडिया से चर्चा करते हुए पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि बीजेपी के पास जनता के पास जाने के लिए महंगाई, बेरोजगारी, कालाबाजारी का कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए बीजेपी भगवान राम का मुद्दा लेकर जनता के बीच जा रही है और आस्था के साथ खिलवाड़ कर रही। इसका लोकसभा में कोई फर्क नहीं पड़ेगा। जनता ने मन बनाया देश में कांग्रेस की सरकार बनाना है।

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर सीएम विष्णुदेव साय के बयान पर दीपक बैज ने पलटवार करते हुए कहा, हमारी न्याय गारंटी इस देश में नई किरण, नई उम्मीद लेकर आ रही है। इसलिए बीजेपी के बयानों से साफ है की उनके नेता हमारी न्याय योजना से डरे हुए हैं।

अमित शाह का दौरा रद्द होने पर दीपक बैज ने कहा कि इसका मतलब साफ की राजनांदगांव की सीट बीजेपी पूरी तरह से हार रही है। इसलिए अमित शाह अपनी कन्नी काट लिए। यही वजह है की राजनांदगांव की सीट हो या अन्य सीट बीजेपी हार रही है। इसलिए अमित शाह नहीं आ रहे हैं।

चरणदास महंत के बयान पर बीजेपी के दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस और एफआईआर पर दीपक बैज ने कहा कि चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ी मुहावरे का प्रयोग किया था, लेकिन बीजेपी ने उसका अलग मतलब निकाला। उनके पास मुद्दे नहीं तो डूबते को तिनके का सहारा हो गया है। मुद्दाविहीन बीजेपी को इसका लाभ नहीं मिलेगा। लोकतंत्र में ऐसे हथकंडों का हाथ नहीं है।

छत्तीसगढ़ में राहुल गांधी के दौरे को लेकर दीपक बैज ने कहा कि बहुत जल्द राहुल गांधी बस्तर दौरे पर आएंगे। राहुल गांधी 13 अप्रैल को बस्तर दौरे पर आएंगे। वहीं सचिन पायलट भी एक दो दिनों में आएंगे।

भूपेश बघेल को अरुण सिसोदिया ने भिजवाया मानहानि का नोटिस, लेकिन नहीं हुआ रिसीव

दुर्ग। कांग्रेस नेता अरुण सिसोदिया एक बार फिर चर्चा में हैं।इस बार अरुण सिसोदिया ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर मानहानि का नोटिस नहीं लेने का आरोप लगाया है।अरुण सिसोदिया की माने तो उन्होंने अपने वकील के माध्यम से पूर्व सीएम को नोटिस भेजा था।लेकिन भूपेश बघेल की ओर से नोटिस रिसीव नहीं किया गया।आपको बता दें कि भूपेश बघेल ने अरुण सिसोदिया पर बीजेपी का स्लीपर सेल होने का आरोप लगाया था।इस बयान के बाद अरुण सिसोदिया ने भूपेश बघेल को नोटिस देने की बात कही थी।

आपको बता दें कि अरुण सिसोदिया ने कांग्रेस नेता विनोद वर्मा के बेटे की मल्टीमीडिया कंपनी को पार्टी फंड से करोड़ों रुपए भुगतान करने का आरोप लगाकर सनसनी फैला दी थी। सिसोदिया के मुताबिक बिना किसी

सहमति के इतनी बड़ी राशि कांग्रेस पार्टी के फंड से दी गई।इन आरोपों के बाद पीसीसी चीफ दीपक बैज ने अरुण सिसोदिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।वहीं जब इस बारे में पूर्व सीएम भूपेश बघेल से बात की गई तो भूपेश बघेल ने अरुण सिसोदिया को बीजेपी का स्लीपर सेल बता दिया था। इस बयान के बाद से ही सिसोदिया ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। अरुण सिसोदिया ने कहा पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने मुझे और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल कहा है।इन्हीं कार्यकर्ताओं ने उन्हें सीएम बनाया।लेकिन मुझे स्लीपर सेल कहने पर मन व्यथित हुआ।इसलिए मैंने पूर्व सीएम भूपेश बघेल को मानहानि का नोटिस भेजा।जिसे उन्होंने लेने से इनकार कर दिया।इसकी जानकारी मैंने अपने वकील को दे दी है।आगे जो भी वैधानिक कार्रवाई होगी की जाएगी,ये लड़ाई जारी रहेगी।उन्होंने जो कहा है उसके लिए वो खेद प्रकट करें और माफी मांगें। अरुण सिसोदिया ने आरोपों के बाद खुद की जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की थी। जिसके बाद शासन ने अरुण सिसोदिया को सुरक्षा मुहैया करवाई थी।यही नहीं सिसोदिया ने स्लीपर सेल वाले बयान को लेकर भूपेश बघेल को नोटिस भिजवाने की तैयारी की थी। इसी के तहत अरुण सिसोदिया ने भूपेश बघेल को अपने वकील के माध्यम से नोटिस भिजवाया था।

कांग्रेस में है गुटबाजी, कांग्रेस को कांग्रेसियों ने हराया : कवासी लखमा

जगदलपुर। लोकसभा चुनाव में प्रथम चरण का मतदान बस्तर संसदीय सीट के लिए 19 अप्रैल को होना है। इसके लिए प्रचार प्रसार भी तेजी से किया जा रहा है। इसी बीच कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी कवासी लखमा बस्तर संभाग के विभिन्न विकासखंडों में प्रचार रहे हैं और अपने प्रति वोट के लिए अपील भी कर रहे हैं। प्रचार के दौरान लखमा ने कांग्रेस के भीतर गुटबाजी को स्वीकार करते सार्वजनिक किया है।

गुरुवार को कवासी लखमा जगदलपुर विधानसभा के दौरे पर थे। इस दौरान लखमा ने चिंगपाल में आम जनता को संबोधित किया। उन्होंने संबोधन के बीच विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार का भी जिक्र किया और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के भीतर बनी रही गुटबाजी को स्वीकार करते हुए सार्वजनिक किया और अपना दर्द भी बताया। उन्होंने कहा, विधानसभा चुनाव में जनता नहीं हराई बल्कि अपनों ने ही चुनाव हराया है।

कवासी लखमा ने स्थानीय हल्बी बोली में कहा कि कांग्रेस विधानसभा चुनाव क्यों हारी है, इसकी

जानकारी सभी को है। हराने वाले बीजेपी नहीं है बल्कि कांग्रेस के लोग ही है। कोई कहता है वो रेखचन्द जैन का व्यक्ति है। कोई कहता है वो दीपक बैज का व्यक्ति है और कोई कहता है कि वे राजमन वेंजाम का व्यक्ति है। कोई मिथलेश स्वर्णकार का व्यक्ति है। जिला पंचायत चुनाव भी इसी कारण हारना पड़ा है, लेकिन इस लोकसभा चुनाव में सभी एक निर्णय लें। चाहे दीपक बैज, रेखचन्द जैन, राजमन वेंजाम, मिथलेश स्वर्णकार सभी राहुल गांधी का व्यक्ति होकर चुनाव लड़ें। सभी राहुल गांधी बनकर चुनाव लड़ें। बीजेपी में इतनी दम नहीं है कि वे कांग्रेस को हरा दे।

भाजपा में शामिल हुए चंद्रशेखर शुक्ला

■ बोले- चोरों के साथ काम करने में हो रही थी परेशानी

कबीरधाम। शनिवार को कवर्धा शहर के सरदार पटेल मैदान में भाजपा द्वारा जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। इस जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आने वाले थे। उनके आयोजन को लेकर पूरी तैयारी की जा चुकी थी। लेकिन उनका दौरा रद्द हो गया है। अब उनकी जगह एमपी के सीएम मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णु देव साय समेत अन्य नेता राजनांदगांव लोकसभा सीट के लिए भाजपा प्रत्याशी व वर्तमान सांसद संतोष पांडे के पक्ष में प्रचार करेंगे।

भाजपा के जिला उपाध्यक्ष जसविंदर बग्गा ने बताया कि मंच पर कांग्रेस व जोगी कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। इनमें पूर्व प्रदेश कांग्रेस प्रभारी महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला, कांग्रेस के मुंगेली जिला उपाध्यक्ष

शोभराम कश्यप, प्रदेश किसान कांग्रेस के महामंत्री सिद्धार्थ चंद्रा, मनोज कुमार (पार्षद प्रतिनिधि), पार्षद तीजन गेन्ड्रे, पार्षद ममता गेन्ड्रे, पार्षद संजय बर्मन, बिसेन बंजारे, कार्तिक कुमार, काशीराम बैगा, जोगी कांग्रेस से अश्वनी यदू, रंजीत वर्मा समेत दर्जनभर लोग शामिल है।

कबीरधाम जिला राजनांदगांव लोकसभा सीट के तहत आता है। इस जिले में कवर्धा व पंडरिया विधानसभा हैं। इन दोनों सीटों में भाजपा के विधायक हैं। ऐसे में दोनों विधानसभा क्षेत्र से भाजपा को लीड वोट दिलाने पार्टी के नेता लगे हुए हैं। इस जिले में साढ़े 6 लाख मतदाता हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस भी पूरी तैयारी में लगी है। इस बार राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल चुनावी मैदान में हैं। उनके द्वारा भी प्रचार प्रसार किया जा रहा है। पार्टी के नेताओं की माने तो कबीरधाम जिले में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत अन्य बड़े नेताओं को बुलाने की तैयारी है।

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ के लोगों को धोखा दिया। कांग्रेस के कार्यकाल में भ्रष्टाचार हुआ है। इनके कार्यकाल में तो गोबर तक को नहीं छोड़ा गया, गोबर घोटाला हुआ। यही कारण है कि भूपेश बघेल के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई है। उन्होंने का कहा कि हमारे राज्य में मोदी की गारंटी पर काम किया जा रहा है। हमने जो वादा किया है, उसे पूरा कर रहे हैं। चुनाव के बाद भी साय-साय काम होगा। इस लोकसभा चुनाव में आप सबको कांग्रेस को बाय-बाय करना होगा। केन्द्र में फिर से मोदी सरकार को लाना है।

भाजपा में शामिल होने के बाद चंद्रशेखर शुक्ला ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को गोबर चोर कहा, शुक्ला ने कहा कि चोरों के साथ काम करने में परेशानी हो रही थी, इसलिए मोदी परिवार में शामिल हुआ हूं।

भाजपा ने फिर जारी किया कार्टून, पूर्व सीएम बघेल पर साधा निशाना

■ कहा- जिन्होंने श्रीराम मंदिर का निमंत्रण ठुकराया, वे अब वोट मांगने आ रहे, सबक सिखाना जरूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा-कांग्रेस के बीच सोशल मीडिया वार जारी है। शनिवार को भाजपा ने फिर से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कांग्रेस पर तंज कसा है। इस बार भाजपा ने राजनांदगांव से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल पर निशाना साधा है। कार्टून पोस्ट करते हुए भाजपा ने कहा, राजनांदगांव की जनता सावधान, जिन्होंने श्रीराम मंदिर का निमंत्रण ठुकराया, वे अब वोट मांगने आ रहे हैं। सबक जरूर सिखाना है।

बता दें कि लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा मीडिया सेल ने कार्टून के सहारे निशाना साधने का अभियान छेड़ रखा है। इसकी शुरुआत राजनांदगांव से कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से ही की थी, जिन्हें जिहादी गिरोह का अगुवा बताते हुए राजनांदगांव को जिहादगांव बनाने का आरोप लगाया था। इसके बाद से लगातार हर एक कांग्रेस प्रत्याशी का कार्टून बनाकर उन पर तरह-तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं।

भाजपा के कार्टून पोस्ट पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग में की शिकायत

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा-कांग्रेस के बीच सोशल मीडिया पर पोस्टर वार जारी है। शनिवार को भाजपा ने फिर से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कांग्रेस पर तंज कसा है। इस बार भाजपा ने राजनांदगांव से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल पर निशाना साधा है। कार्टून पोस्ट करते हुए भाजपा ने कहा, राजनांदगांव की जनता सावधान, जिन्होंने श्रीराम मंदिर का निमंत्रण ठुकराया, वे अब वोट मांगने आ रहे हैं। सबक जरूर सिखाना है। इस मामले की कांग्रेस ने चुनाव आयोग से शिकायत की है।

कांग्रेस वॉर रूम अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी ने बीजेपी के पोस्टर की निर्वाचन आयोग में शिकायत की और कहा, भगवान राम हम सभी के आराध्य हैं। बीजेपी छत्तीसगढ़ ने सोशल मीडिया पर भूपेश बघेल के खिलाफ नफरत फैलाने वाला पोस्ट किया है। पोस्ट बहुत ही आपत्तिजनक है, भूपेश बघेल को राम विरोधी बताकर छवि धूमिल की जा रही है। इस मामले में कांग्रेस ने आयोग से पीपल्स रिप्रेजेंटेशन एक्ट 1950 की धारा 125 के अंतर्गत भाजपा पर कार्रवाई की मांग की है।

गांधी परिवार में रॉबर्ट वाड्रा की एंट्री

अजय कुमार

कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा के पति और राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा ने अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जाता कर अमेठी की राजनीति में सनसनी फैला दी है। रॉबर्ट वाड्रा का नाम कहीं और से चर्चा में नहीं आया। वाड्रा ने स्वयं अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है, लेकिन संभवता गांधी परिवार के लिये यह फैसला लेना मुश्किल होगा कि रॉबर्ट को अमेठी से चुनाव लड़ाया जाये। इसके पीछे ठोस आधार भी है। रॉबर्ट को लड़ाने में सबसे बड़ी समस्या यह है कि उनकी छवि काफी खराब यानी एक भ्रष्टाचारी के रूप में बनी हुई है। रॉबर्ट को अमेठी से चुनाव लड़ाया गया तो बीजेपी के लिये कांग्रेस और गांधी परिवार पर भ्रष्टाचार को लेकर हमला तेज करने का और भी मौका मिल जायेगा। फिर रॉबर्ट की कोई सियासी पहचान भी नहीं है। रॉबर्ट को चुनाव लड़ने पर यदि गांधी परिवार के भीतर सहमति बनी हुई होती तो कांग्रेसियों की एक बड़ी फौज रॉबर्ट को चुनाव लड़ाने के लिये हो हल्ला मचाने लगती,लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। इस मतलब साफ है कि रॉबर्ट वाड्रा अपनी ससुराल से अलग लाइन पर चल रहे हैं। दरअसल, रॉबर्ट चुनाव लड़कर कांग्रेस में अपना रूतबा बढ़ाना चाहते हैं। ऐसे में वह राहुल गांधी के समानांतर खड़े नजर आ सकते हैं। कुल मिलाकर रॉबर्ट वाड्रा गांधी परिवार के सामने एक बड़ी लाइन खींचना चाहते हैं। वह गांधी परिवार को चुनौती देते दिख सकते हैं। इसलिये राबर्ट का अमेठी से चुनाव लड़ने का सपना पूरा होता नहीं दिख रहा है। खैर, रॉबर्ट वाड्रा के अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर करने के बाद इतना जरूर हुआ है कि अब कांग्रेस का ध्यान इस ओर लगा हुआ है कि अमेठी की चुनावी रणभूमि में जल्द से जल्द अपना योद्धा उतारकर कमजोर हो रहे कार्यकर्ताओं को मजबूती देने का है। माना जा रहा है कि पार्टी अब कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता प्रतापगढ़ से रामपुर खास से विधायक आराधना मिश्रा मोना पर दांव खेल सकती है। अब सभी को कांग्रेस राहुल गांधी की हां और न का ही इंतजार है। राहुल गांधी की ओर से तस्वीर साफ होते ही किसी एक प्रत्याशी का नाम उजागर हो जायेगा। वहीं, कांग्रेस के अमेठी के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने एक बार फिर अपनी बात दोहराते हुए कहा कि हमारे हिसाब से तो राहुल भइया ही अमेठी से चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। गौरतलब हो, रॉबर्ट वाड्रा ने एक समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए कहा कि अमेठी के लोग चाहते हैं कि उनके निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करूं। वर्षों तक गांधी परिवार ने रायबरेली व अमेठी में कड़ी मेहनत की। अमेठी के लोग वास्तव में वर्तमान सांसद (स्मृति ईरानी) से परेशान हैं, मतदाताओं को लगता है कि उन्होंने स्मृति ईरानी को चुनकर गलती की है। बहरहाल, कांग्रेस उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर अखिलेश यादव के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस को अमेठी और रायबरेली समेत 17 सीटें लड़ने के लिए मिली हैं। अमेठी और रायबरेली सीट पर कांग्रेस ने अभी तक अपने उम्मीदवारों का ऐलान नहीं किया है। इन दोनों ही सीटों पर संशय बना हुआ है। ये दोनों सीटें अहम हैं, क्योंकि ये सीटें हमेशा गांधी परिवार का गढ़ रही हैं। हालांकि, 2019 में राहुल गांधी अमेठी सीट हार गए थे। दशकों तक जिस अमेठी में गांधी-नेहरु परिवार का डंका बजता था। आज उसी अमेठी में भाजपा की स्मृति का जादू चल रहा है। दस साल पहले आम चुनाव 2014 में भाजपा प्रत्याशी के रूप में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुकाबला करने अमेठी आई स्मृति ईरानी ने मात्र 23 दिनों में ही यहां के लोगों से कुछ ऐसा नाता जोड़ा कि उन्हें तीन लाख से अधिक मत प्राप्त हुए। मोदी सरकार में स्मृति ईरानी को हार के बाद भी मंत्री बनाया गया। इसी के साथ स्मृति ने अमेठी में अपनी सक्रियता बढ़ा दी। स्मृति की सक्रियता का लाभ भाजपा को मिलने लगा और एक के बाद एक चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आने लगे। गांव-गांव, घर-घर स्मृति अपनी नई पहचान बनाने में पूरी तरह सफल रही। आम चुनाव 2019 में स्मृति अमेठी में भाजपा का कमल खिलाने में कामयाब हई।

तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति को चुनौती

अजय सेतिया

द्रविड़ पार्टियों के वर्चस्व वाले तमिलनाडु में पहली बार गैर द्रविड़ भारतीय जनता पार्टी द्रविड़ पार्टियों द्रमुक और अन्ना द्रमुक को चुनौती देती दिखाई दे रही है। 1967 के बाद कुछ समय तक तो कांग्रेस द्रविड़ पार्टियों को चुनौती देती दिखाई देती थी, लेकिन धीरे धीरे कांग्रेस अप्रासंगिक हो गई और अपना अस्तित्व बचाने के लिए द्रमुक की सहयोगी पार्टी बन कर रह गई। 1972 में द्रमुक से टूट कर बनी अन्नाद्रमुक और द्रमुक दोनों द्रविड़ पार्टियां ही बारी बारी से सरकारें बनाती रही हैं। भारतीय जनता पार्टी को तमिलनाडु में ब्रह्मणों की और हिन्दी भाषी पार्टी माना जाता है, इसलिए वह कभी भी अपने पाँव नहीं जमा पाई, लेकिन 1998 में अन्नाद्रमुक के समर्थन से ही अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बन पाए थे।

जयललिता खुद ब्राह्मण थी, लेकिन वह द्रविड़ राजनीति करती थीं। वाजपेयी के पास समर्थन नहीं था और जयललिता ने समर्थन की शर्तें रख दी थीं। जब जयललिता ने चिट्ठी दी, तभी राष्ट्रपति के. आर. नारायण ने वाजपेयी को सरकार बनाने का न्योता दिया था। लेकिन उन्हीं जयललिता ने 13 महीने बाद सोनिया गांधी से सांठगाँठ करके एक वोट से वाजपेयी सरकार गिरा दी थी। चुनावों के बाद द्रमुक भाजपा के साथ आ गई थी, जो लगभग पांच साल सरकार को समर्थन देती रही, लेकिन 2004 के लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए सरकार से बाहर हो गई। इसके बाद पिछले 20 सालों में अन्नाद्रमुक के एनडीए में आने और जाने का सिलसिला चलता रहा।

पिछले वर्ष 23 जून को जिस दिन इंडी गठबंधन की पटना में पहली बैठक हुई थी, उस दिन अन्नाद्रमुक नरेंद्र मोदी की ओर से बुलाई गई एनडीए की बैठक में शामिल थी। प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पिछले तीन साल की मेहनत से भाजपा को दोनों द्रमुक पार्टियों के मुकाबले में खड़ा कर दिया। उन्होंने पहली बार खुल कर द्रविड़ राजनीति को ही चुनौती दे दी है, जिससे द्रमुक विरोधी सारी शक्तियाँ भाजपा के साथ आकर खडी हुई दिखाई दे रही हैं। अन्नामलाई ने अन्नाद्रमुक पार्टी में बड़ी सेंधमारी भी की है। अन्नामलाई की बढ़ती लोकप्रियता से अन्नाद्रमुक इतनी परेशान हो गई कि उसने भाजपा से अन्नामलाई को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद से हटाने की मांग रख दी, जिसे भाजपा ने अस्वीकार कर दिया और आखिर सितंबर में

अन्नाद्रमुक एनडीए से बाहर आ गई।

1972 के बाद संभवत यह पहला मौक़ा है कि भाजपा ने जबर्दस्त सोशल इंजीनियरिंग करके दोनों द्रविड़ पार्टियों की नींद हराम कर दी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई और अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ई. पलानीस्वामी दोनों एक ही गौंडर जाति से हैं। यह जाति तमिलनाडु के पिछड़ों में उतनी ही मजबूत है, जैसे उत्तर भारत में पिछड़ों में यादव और कुर्मी मजबूत हैं। भाजपा के दो विधायक इसी जाति के हैं, भाजपा ने अन्नामलाई को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बना कर तमिलनाडु में पार्टी की वैसी ही पहचान बनाने की कोशिश शुरू की है, जैसे पिछले दस साल में उत्तर भारत में भाजपा को पिछड़ों की पार्टी के तौर पर उभारा है। जयललिता मंत्रिमंडल में पूर्व मंत्री नैनार नागेंद्रन को विधायक दल का नेता बनाकर भाजपा ने शक्तिशाली थेवर समुदाय को भी लुभाया है। इसके अलावा अनुसूचित जाति की सात उपजातियों का समूह वेल्लार है, जो अनुसूचित जाति की श्रेणी से बाहर निकलकर खुद को ओबीसी में शामिल करवाना चाहता है। भाजपा किसानी करने वाली इन जातियों के समर्थन में आ गई है। अन्नामलाई की रणनीति है कि अगर पिछड़े, ब्राह्मण और नाडार भाजपा के साथ आ जाएं, तो वह बड़ी ताकत के रूप में उभर आएगी।

भाजपा की रणनीति खुद को अन्नाद्रमुक का विकल्प बनने या तीसरी ताकत के रूप में उभारने की है। उसने दोनों द्रमुक गठबन्धनों के सामने अपना खुद का गठबंधन बना कर चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बना दिया है। कुछ सीटों पर अन्नाद्रमुक और भाजपा उम्मीदवारों में कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। अनाद्रमुक अब उतनी मजबूत तो नहीं रही जितनी 2016 में जयललिता के देहांत से पहले थी। 2019 के लोकसभा चुनाव अन्नाद्रमुक और भाजपा ने मिलकर लड़े थे, लेकिन इस गठबंधन का सफाया हो गया था। 39 में से 38 सीटें द्रमुक गठबंधन जीता था, जिनमें से 23 सीटें द्रमुक, आठ सीटें कांग्रेस, दो सीपीएम और एक सीपीआई जीती थी। द्रमुक इस बार 22 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, उसके गठबंधन में आठ दल हैं, जिनमें कांग्रेस को 9, माकपा को 2, भाकपा को दो, वीसीके को दो, एमडीएमके, केडीएमके और मुस्लिम लीग को एक एक सीट दी गई है। वहीं चार दलों के साथ गठबंधन में अन्नाद्रमुक खुद 34 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जिनमें से पुथिया तमिलगम और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के एक-एक उम्मीदवार शामिल हैं, जो अन्नाद्रमुक की टिकट पर ही चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा देसिया मुरपोकु द्रविड़ कड़गम को पांच सीटें दी गई हैं।

भाजपा ने भी आठ दलों के साथ गठबंधन करके 9 दलों का तीसरा मोर्चा बना लिया है, जिसमें भाजपा 23 सीटों पर, पीएमके 10 सीटों पर, तमिल मनिला कांग्रेस 3 सीटों पर और अन्नाद्रमुक से अलग हुए पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम निर्दलीय के तौर पर लड़ रहे हैं। दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम 2 सीटों पर चुनाव लड़ लड़ रही है। इंडिया जननायक कटची, पुथिया नीधि कटची और तमिलगा मक्कल मुनेत्र कड़गम सभी एक-एक सीट पर भाजपा के चुनाव चिन्ह पर ही चुनाव लड़ रहे हैं। त्रिकोणीय मुकाबले में विपक्षी वोटों के बंटने से द्रमुक को फायदा भी हो सकता है, लेकिन भाजपा को द्रविड़ विरोधी सोशल इंजीनियरिंग की राजनीति का फायदा होने की उम्मीद ज्यादा है। यह बिलकुल वैसा ही है जैसे हरियाणा में सभी गैर जाट भाजपा के साथ खड़े हो गए थे और दोनों जाट पार्टियों का सफाया हो गया था।

द्रविड़ राजनीति का इतिहास सौ साल से भी पुराना है। द्रविड़ राजनीति 1916 में ब्राह्मणों के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए शुरू हुई थी। ब्रिटिश शासनकाल में ब्राह्मणों ने अपने बच्चों को अंग्रेजी सीखाना और अंग्रेजी शिक्षा देनी शुरू कर दी थी, जिसका नतीजा यह निकला कि सरकारी नौकरियों में उन्हें जगह मिलने लगी। इसके खिलाफ सी एन मुदलियार ने 1916 में गैर ब्राह्मणों को एकजुट करके जस्टिस पार्टी का गठन किया। इसे द्रविड़ आन्दोलन की शुरुआत कहा जाता है। कांग्रेस ने असहयोग आन्दोलन के चलते 1920 के चुनावों में हिस्सा नहीं लिया, जस्टिस पार्टी ने ब्राह्मणवाद के विरोध को मुद्दा बनाते हुए चुनाव में हिस्सा लिया, और 98 निर्वाचित (34 मनोनीत) सदस्यों वाली मद्रास विधानसभा की 63 सीटें जीत कर सरकार बनाई।

पहले चुनाव में 17 ब्राह्मण, 57 गैर ब्राह्मण, 13 मुस्लिम, 5 ईसाई और 6 एंग्लों इंडियन चुने गए थे। सत्रह साल तक जस्टिस पार्टी की सरकार रही, लेकिन 1937 में कांग्रेस के चुनाव में उतरने के बाद जस्टिस पार्टी कभी उभर नहीं पाई। 1937 में कांग्रेस के सी. राजगोपालाचारी प्रेजीडेंसी विधान परिषद के नेता बने थे। जस्टिस पार्टी ने 1937 से 1940 तक हिन्दी विरोधी आन्दोलन चलाया और होम रूल आन्दोलन या कहिए कि भारत की आज़ादी का भी इसलिए विरोध किया था, क्योंकि जस्टिस पार्टी को लगता था कि आज़ादी के बाद ब्राह्मणों का राज स्थापित हो जाएगा। जस्टिस पार्टी ने महात्मा गांधी के असहयोग आन्दोलन का भी विरोध किया था। ईवी पेरियार के प्रभाव ने जस्टिस पार्टी को ब्राह्मण विरोधी, हिन्दू विरोधी और नास्तिक रूख की ओर धकेल दिया। उन्होंने कंबा रामायण और पेरिया पुरानम का विरोध किया, जिस कारण उनका तमिल विद्वानों के साथ टकराव हुआ।

बाद में जस्टिस पार्टी के भीतर ही पेरियार का विरोध शुरू हो गया, पेरियार विरोधियों का नेतृत्व सी.एन. अन्नादुरैई कर रहे थे। 1944 में जस्टिस पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में दोनों गुटों का संघर्ष हुआ, जिसमें पेरियार जीत गए। बाद में सम्मेलन में जो जाति तोड़क जैसे प्रस्ताव पास हुए, उन प्रस्तावों को अन्नादुरई ने ही तैयार किया था। इसी सम्मेलन में जस्टिस पार्टी खत्म कर दी गई, और अन्नादुरई की अध्यक्षता में द्रविड़ कषगम का गठन हुआ। लेकिन कुछ लोगों ने इसे स्वीकार नहीं किया, और जस्टिस पार्टी को ज़िंदा रखने की कोशिश की। बची खुची जस्टिस पार्टी के नए नेतृत्व ने कांग्रेस और उसके भारत छोड़ो आन्दोलन का समर्थन किया। लेकिन 1946 के चुनाव में जस्टिस पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली, जबकि आज़ादी के बाद पहले चुनावों में जस्टिस पार्टी ने विधानसभा की 9 सीटें लड़ कर सिर्फ एक सीट जीती, जबकि लोकसभा में खाता भी नहीं खुला।

उधर पेरियार के साथ मतभेदों के चलते 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कषगम का निर्माण हुआ, जिसने अपना हिन्दी विरोध और हिन्दू विरोध का एजेंडा जारी रखा, जिस कारण द्रमुक का प्रभाव बढ़ता गया और कांग्रेस का प्रभाव घटता गया। 1952 में मद्रास राज्य विधानसभा का पहला चुनाव हुआ, कांग्रेस जीती और सी. राजगोपालाचारी ही मुख्यमंत्री बने। लेकिन 1954 में जवाहर लाल नेहरू के साथ मतभेदों के चलते उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-49)

गतांक से आगे...

कोई द्रुतवेग वाली नदियों के रूप में प्रवाहित हैं, तो कोई विस्तृत दिशाओं का रूप धारण किये हुए हैं। कुछ ऊपर उठते हैं, कुछ नीचे गिरते हैं तथा कुछ पुन: ऊर्ध्वगमन करते हैं। हाथ से गेंद को बार-बार गिराने- उछालने के समान कुछ मृत्यु द्वारा ताड़ित होकर आसमान में उठते और गिरते रहते हैं। अनेक ऐसे हैं जो विवेकवान् होकर भी शुभकर्म करते और हजारों जन्म ग्रहण कर लेने पर भी उनका संसार सागर से आवागमन नहीं मिटता। दिशा और काल से अनवच्छिन्न आत्मतत्त्व जब अपनी सामर्थ्य से शरीर धारण करता है, तब यही जीव वासना के वशीभूत होकर संकल्पों की ओर जाने वाले चञ्चल मन का रूप ग्रहण कर लेता है। वह संकल्प से युक्त मन:शक्ति क्षणमात्र में ही स्वच्छ आकाश की भावना करती है, उसमें शब्दबीज अंकुरित होने लगते हैं। तत्पश्चात् वही मन अधिक सघन होकर घने स्पन्दन के क्रम से वायुस्पन्दन की भावना में लीन होता है। उसमें स्पर्शरूप बीज के अंकुर फूटते हैं। उसके बाद दृढ़ अभ्यास द्वारा शब्द-स्पर्श रूप आकाश एवं वायु के टकराने से अग्नि उत्पन्न होती है। तीनों गुणों से ओत-प्रोत मन रस तन्मात्रा की अनुभूति करता हुआ क्षण भर में जल की ठण्डक का विचार करता है, इससे उसे जल का अनुभव होता है। आकाश में वायु की गतिशीलता से जो घर्षण क्रिया होती है। उससे विद्युत् विभव (इलैक्ट्रिकल चार्ज) के रूप में अग्नि का उद्भव होता है। वायु के घटकों (हाइड्रोजन आक्सीजन) को अग्नि संयुक्त करके जल रूप देता है। विज्ञान यह क्रिया स्थूल पदार्थ रूप में ही समझ पाता है, ऋषि इसे सूक्ष्म तन्मात्राओं के रूप में भी अनुभव करते हैं। फिर चार गुणों से संयुक्त होकर मन अगले ही क्षण गन्ध तन्मात्रा का भाव कर लेता है, इससे उसे पृथ्वी का अनुभव होने लगता है। इस

क्रमशः ...

विश्व स्वास्थ्य दिवस

अनन्या मिश्रा

आज के समय में स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरुकता का होना आवश्यक है। सेहत के प्रति जागरुकता बरत कर आप तमाम गंभीर बीमारियों से खुद का बचाव कर सकते हैं। साथ ही जागरुकता होने से बीमारियों के बढ़ने से पहले ही उनकी पहचान कर सकते हैं और समय रहते इलाज करवा सकते हैं। इसी कारण से स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बारे में लोगों को जागरुक करने के लिए हर साल 7 अप्रैल को वर्ल्ड हेल्थ डे मनाया जाता है।

इसके अलावा वर्ल्ड हेल्थ डे का उद्देश्य स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दों के प्रति जागरुकता देने के अलावा लोगों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में की जा रही नई रिसर्च और दवाओं के बारे में भी जागरुक किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ल्ड

हेल्थ मनाने मनाने की शुरूआत की थी। वर्ल्ड हेल्थ डे की शुरुआत डब्ल्यूएचओ की नींव रखने के दिन की गई थी। हर साल वर्ल्ड हेल्थ डे के दिन एक थीम निर्धारित की जाती है। इसी थीम के आधार पर कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

बता दें कि साल 1948 में दुनिया के तमाम देशों ने एक साथ मिलकर विश्व स्वास्थ्य संगठन की नींव रखी थी। इसका मुख्य उद्देश्य कमजोर लोगों की सेवा करना, स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और दुनिया को सुरक्षित रखना है। जिससे कि दुनिया के लोग स्वस्थ रह सकें और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता लाई जा सके। विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरुआत डब्ल्यूएचओ के फाउंडेशन डे के तौर पर की गई थी। जिसके 2 साल बाद साल 1950 में पहली बार पूरी दुनिया में वर्ल्ड हेल्थ डे मनाया गया है। तब से लेकर आज तक यह मनाया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानि डब्ल्यूएचओ के अनुसार, करीब 2 अरब लोग आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनके पास स्वास्थ्य पर खर्च करने के लिए पैसे की कमी होती है।

वहीं पूरे विश्व में करीब 930 मिलियन लोगों को अपनी हेल्थ पर घरेलू बजट का दस प्रतिशत या इससे ज्यादा खर्च करना पड़ता है। जिसके कारण उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो रही है।

इसके अलावा आज भी पूरी दुनिया की 30 प्रतिशत आबादी को अब तक स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं नहीं पहुंच पा रही है।

डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी डेटा ने भारत में एक और बढ़ते स्वास्थ्य संकट पर प्रकाश डाला है और यह है मोटापा और एनीमिया। रिपोर्ट के अनुसार, अब पुरुषों की तुलना में दोगुनी संख्या में महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हो रही हैं। वहीं मोटापे के मामले में आंकड़ों पर नजर डालें तो महिलाओं में मोटापा 2015-16 में 21 प्रतिशत से बढ़कर 2019-20 में 24 प्रतिशत हो गया है। इनके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि गुजरात, महाराष्ट्र सहित भारत के प्रमुख राज्यों में बच्चों में भी मोटापे में वृद्धि देखी जा रही है।

क्या समय की मांग है भारत का विस्तारवादी होना?

संजय तिवारी

हमारे यहां सामान्य से लेकर खास लोग तक सब यह बात बहुत गर्व से बताते हैं कि भारत कभी विस्तारवादी नहीं रहा है। उसने दूसरे देशों की जमीन पर कभी कब्जा करने का प्रयास नहीं किया। लेकिन सवाल यह है कि क्या भविष्य की बदलती दुनिया में भी इसी नीति से भारत का हित सधेगा?

पड़ोस देश चीन हों या पाकिस्तान, वो निरंतर भारत के किसी न किसी भूभाग पर दावा करते रहते हैं। इसमें चीन तो जाना ही जाता है अपनी विस्तारवादी नीति के कारण। दक्षिण मंगोलिया हो, मंचूरिया, या तुर्कमेनिस्तान या फिर तिब्बत। इन सभी देशों और भूभाग को निगलकर उसने चीन का हिस्सा बना लिया है। आज चीन के पास तीन चौथाई जमीन ऐसी है जिसे पर उसने कब्जा किया है। अब वह भारत के अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

इसके लिए कभी अरुणाचल के लोगों को स्टेपल वीजा या फिर वीजा रहित प्रवेश की बात करता है तो कभी अपने सैनिकों को अरुणाचल प्रदेश की सीमा तक भेज देता है। इस बार उसने अपने मैप में अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों का नाम बदल दिया है जिस पर भारत ही नहीं अमेरिका ने भी कड़ी आपत्ति जताई है।

एक बार को हम मान सकते हैं कि किसी स्थान पर दावा कर देने भर से वह जगह उसकी नहीं हो जाती जिसने दावा किया है। लेकिन यहां हम भूल जाते हैं कि एक झूठ सौ बार बोला जाए तो वह सच नजर आने लगता है। सामान्य जीवन के निजी रिश्ते हों या विश्व राजनय की दुनिया। यहां वही विजेता समझा जाता है जो सबसे पहले दावा करता है। ऐसा करके कम से कम वह उसे विवादित तो बना ही देता है जो राजनय की दुनिया में दावा करने वाले की पहली जीत होती है।

भारत के राजाओं ने दूसरे राज्यों पर आक्रमण

नहीं किया, यह समझना और कहना ही सबसे बड़ा झूठ है। अगर ऐसा होता तो फिर भारत में कभी महाभारत न होता। राजा एक दूसरे के राज्य की सीमाओं का अतिक्रमण करते थे। चक्रवर्ती सम्राट या राजसूय यज्ञ जैसी पद्धतियां प्रचलित ही इसलिए हुईं कि एक राजा ने बाकी राजाओं पर अपना अधिपत्य कायम कर लिया था। अब क्योंकि जिस समय यह सब हो रहा था उस समय वीजा पासपोर्ट वाले नेशन स्टेट नहीं हुआ करते थे, इसलिए प्रजा के लिए राजाओं की इन लड़ाइयों और जीत हार का कोई मतलब नहीं हुआ करता था। राजा कोई भी बने प्रजा के जीवन में बहुत व्यवधान नहीं आता था।

लेकिन यूरोपीय क्रांति के बाद राष्ट्र राज्य की अवधारणा आ जाने के बाद संसार में शासन का पूरा चरित्र ही बदल गया। अब जो शासक या राजा थे उन्होने एक सीमारेखा खींच दी और यह सुनिश्चित किया कि सीमा पार से कोई उनके %राष्ट्र% में प्रवेश न कर सके। इसलिए बीते दो तीन सौ सालों में संसार में राष्ट्र होने का पूरा चरित्र ही बदल गया। अब जनता या प्रजा एक देश से दूसरे देश निर्बाध रूप से नहीं जा सकती। इसके लिए उसे वीजा पासपोर्ट की जरूरत होती है।

इस बदले हुए विश्व में कोई भी देश अपनी सीमाओं की सुरक्षा करते हुए शक्तिशाली नहीं हो सकता। इसका अर्थ यह नहीं कि हम हमेशा दूसरे की सीमाओं का अतिक्रमण करते रहें जैसा सद्दाम हुसैन ने किया था जब उसने कुवैत को इराक में मिलाने का प्रयास किया था। जिन स्थानों से हमारा ऐतिहासिक संबंध रहा है, जो सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से अतीत में हमारा हिस्सा रहे हैं, अगर उनको पुन: पाने का रणनीतिक, कूटनीतिक या फिर राजनयिक प्रयास करना पड़े तो इसमें बुराई क्या है?

वर्तमान समय के विस्तारवाद में सैन्य कार्रवाई सबसे अंतिम विकल्प होता है जैसा कि इस समय ब्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में कर रहे हैं। या फिर एक लंबे समय से इजराइल फिलिस्तीन में करता आ रहा है। रूस हो या इजरायल ये सैन्य कार्रवाई को इसलिए सही ठहरा पाते हैं क्योंकि उन्होंने पहले लंबे समय से किसी भूभाग पर दावा किया हुआ था। ये लोग सद्दाम हुसैन वाली गलती नहीं करते कि रातों रात टैंक और तोप लेकर किसी दूसरे देश की सीमा में घुस जाएं और कहने लगे कि यह हमारा हिस्सा है।

बदले हुए विश्व के विस्तारवाद में पहला दावा रणनीतिक और कूटनीतिक ही होता है। इसके बाद जरूरी होने पर ही आगे सैन्य कार्रवाई की जाती है। लेकिन भारत की नीति कुछ ऐसी बन गयी है कि हम अपने ही ऐसे भूभाग पर दावा नहीं करते जो अतीत में सामाजिक या भौगोलिक रूप से वृहद भारत का हिस्सा रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि हम गोवा और सिक्किम भी बड़ी मुश्किल से अपने साथ मिला पाते हैं। जम्मू कश्मीर में आधा हिस्सा छोड़ ही दिया और उस आधे जम्मू कश्मीर को बचाने में लग गये जो ऐतिहासिक रूप से कभी किसी और का था ही नहीं।

पीओके, अक्साई चीन का अतीत हो या अब सामने आया कच्चाविथू द्वीप का मामला। भारत के शासकों ने सीमाओं तक सीमित हो जाने पर ही भरोसा किया है। भारत के शासक वर्ग को इस बात का मन मानस बनाना होगा कि जो राष्ट्र सीमा विस्तार नहीं करते उनकी सीमाएं लंबे समय तक सुरक्षित नहीं रह पातीं। एक राष्ट्र के रूप में किसी देश का विस्तारवादी होना उसके अपने लिए कोई अपराध नहीं है। अमेरिका, रूस से लेकर चीन तक सब अपने अपने तरीके से विस्तारवादी नीति पर चलते हैं इसलिए विश्व की महाशक्तियां बने हुए हैं। इस विस्तारवाद में जरूरी नहीं कि किसी की सीमाओं का अतिक्रमण ही किया जाए। इस विस्तारवाद में सांस्कृतिक, रणनीतिक स्वरूप भी शामिल है जिसके जरिए आप अपने लिए विश्व में एक समर्थक वर्ग तैयार करते हैं।

अतीत में भारत की प्रजा या राजा विस्तारवादी नहीं रहे हैं ऐसा भी नहीं है। अगर ऐसा होता तो भारतीय संस्कृति के निशान सूदूर देशों में न मिलते जो आज मिलते हैं। इंडोनेशिया या थाईलैण्ड में भारतीय संस्कृति की झलक इसलिए मिलती है क्योंकि चोल वंश के राजाओं ने एक समय यहां शासन किया था। कश्मीर के ललितादित्य मुक्तपीड ने वर्तमान अफगानिस्तान से लेकर ताजिकिस्तान, उजबेकिस्तान तक अपने साम्राज्य का विस्तार किया था। आज जिस तिब्बत को चीन ने अपने देश में मिला लिया है उसे ललितादित्य मुक्तपीड और यशोवर्मन ने चीन की तुंग डाइनेस्टी की मदद से सातवीं सदी में जीतकर अपने साम्राज्य का हिस्सा बना लिया था। कश्मीर के राजा ललितादित्य ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वो जानते थे कि अरब के अब्बासी शासकों और तिब्बती राजा को अगर रोकना है तो स्वयं मजबूत होना होगा। इस बात के लिए उन्होंने चीन की तुंग डाइनेस्टी को भी राजी कर लिया था जिसके कारण कन्नौज के राजा यशोवर्मन ने जब तिब्बत पर हमला किया तो चीन के राजा ने भी अपनी सैन्य सहायता पहुंचाई थी। सम्राट अशोक का इतिहास तो हम सब जानते ही हैं जिनका शासन वर्तमान अफगानिस्तान तक फैला हुआ था।

आज का इतिहास

1947 अरब बाथ पार्टी की स्थापना दमिश्क में हुई थी।
1948 शंघाई में एक बौद्ध मठ में आग लगने से 20 बौद्ध भिक्षुओं मरे गए।
1948 संयुक्त राष्ट्र ने विश्व स्वास्थ्य संगठन का गठन किया।
1948 संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य पर समन्वय प्राधिकरण के रूप में विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की।
1955 वाकिफ है कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से बुढ़ापे में दोनों को धीमा कर रहा था, विंस्टन चर्चिल संयुक्त राज्य के प्रधान मंत्री के रूप में सेवानिवृत्त हुए।
1956 स्पेन ने मोरक्को में अपने रक्षक को छोड़ दिया।
1981 टेक्सास के कॉर्पस क्रिस्टी शहर में एक अनाज की लिफ्ट में विस्फोट होने से 9 लोग मारे गए और 30 घायल हुए।
1990 नॉर्वे के निकट एक नौका दुर्घटना में 110 लोग मारे गए, 30 उसी दिन शनिवार को बर्मा में एक नौका पलटने से मारे गए। नॉर्वेजियन सी में सोवियट सब डूब गया। हादसे में करीब 12 लोग मारे गए थे।
1991 'शैडो लैंड्स' न्यूयॉर्क शहर में परिजनों के बेटे थिएटर में बंद था। यह लगभग 5 महीने तक हाउसफुल चला।
1991 बॉब नाइट, लैरी ओ ब्रायन, टाइनी आर्चीबाल्ड, डेव कॉन्सेंस, हैरी गैलैटिन और लैरी फ्लेशर को एनबीए हॉल ऑफ फेम के लिए चुना गया।
1994 रवांडा के राष्ट्रपति जुवेनल हेब्यारिमाना एवं बुरुंडी के राष्ट्रपति सिप्रियन न्तायमिटा का किगाली हवाई अड्डे पर राकेट हमले में निधन।
1994 बिग लव न्यूयॉर्क शहर में प्लाई महीने के थिएटर में बंद था। यह 41 दिनों तक हाउसफुल चला।
1994 फेडएक्स एक्सप्रेस के एक कर्मचारी ने असफल आत्महत्या के प्रयास में फेडरल एक्सप्रेस फ्लाइट 705 को हाईजैक करने की कोशिश की।
1994 रवांडा नरसंहार शुरू हुआ, हत्या के कुछ ही घंटों बाद राष्ट्रपति जुवेनाइल हबरिमाना; अगले 100 दिनों में अनुमानित 500,000-1,000,000 रवांडा मारे गए।
1995 मीडिया को न्यूयॉर्क शहर में लंबे एकड़ थिएटर में रिलीज़ किया गया था। यह लगभग 3 महीने तक हाउसफुल चला।
1995 पहले चेचेन युद्ध-रूसी अर्धसैनिक बलों ने चेचन्या के समशकी में कम से कम 250 नागरिकों का नरसंहार शुरू किया।
1996 सिंगापुर में आयोजित हस्ताक्षरकर्ता कप को श्रीलंका ने जीता।

धृतराष्ट्री परिवारवाद और सुदामाई परिवारवाद में एक नैतिक जंग

अजय बोकिल

महाभारत काल में पुत्र मोह में अंधे हुए राजा धृतराष्ट्र और मित्र प्रेम में लाचार हुए सुदामा कभी आपस में मिले थे, इसका कोई पौराणिक जिक्र भले न हो, लेकिन कलियुग में यह भेंट संभव हुई है। न केवल संभव हुई बल्कि इस डायलॉग के साथ हुई कि सुदामा तुम तय कर लो कि तुम्हें सुदामा ही रहना है या फिर धृतराष्ट्र बनना है। इस संवाद में चेतावनी भी है और धमकी भी। चेतावनी इस बात की कि गरीब सुदामा को कभी सम्राट धृतराष्ट्र बनने का ख्वाब नहीं देखना चाहिए और धमकी इस बात की कि अगर तुमने सुदामा की औकात से बाहर निकलने की कोशिश की तो राजनीतिक आख्यानों में भले तुम्हे अमरत्व हासिल हो जाए, लेकिन सियासी जिंदगी में तुम्हारी भूणहत्या भी हो सकती है।

द्वापर युग का यह समूचा संदर्भ (पौराणिक स्त्रोतों के अनुसार) वर्तमान कलियुग के 5126 वें वर्ष में लोकतांत्रिक भारत में हो रहे 18 वीं लोकसभा चुनाव के पहले चरण में होने वाले छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर चुनाव जीतने के उद्देश्य से दो नेताओं के बीच हुए संवाद का है। संवाद कहने के बजाए उसे एकालाप कहना ज्यादा उचित होगा। मीडिया में आई रिपोर्टों को सही मानें तो जो नैतिक डायलॉग बोला गया वो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ का था, जो दूसरी बार अपने पुत्र को छिंदवाड़ा से लोकसभा में भेजने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं तो दूसरी तरफ चार दशकों से कमलनाथ के सेवक रहे दीपक सक्सेना हैं, जो आर्थिक रूप से भले ही गब्बर बन गए हों, लेकिन राजनीतिक रूप से सुदामा ही रहे।

सुदामा होना केवल आर्थिक असमानता का प्रतिफल ही नहीं है बल्कि ऐसा भाग्यफल भी है, जिसमें लक्ष्मी और सत्ता सुंदरी दोनों गठबंधन कर याचक को ठेंगा दिखाती रहतीं हैं। दीपक सक्सेना नामक पात्र की सियासी ट्रेजेडी यही है कि तमाम वफादारियों के बाद भी उनके हिस्से में दरी उठाने का काम ही आया है। उनका कमलनाथ भक्त होना ही मानो इस राजनीतिक अभिशाप का कारण है। लिहाजा इस चुनाव में उन्होंने कमलनाथ से नाल तोड़कर कमलदल से जोड़ने की जुर्रत की तो बदले में उलाहना मिला कि धृतराष्ट्र बनने की कोशिश भी न करना। इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि एक हस्तिनापुर में एक ही धृतराष्ट्र रह सकता है। या यूं कहें कि पुत्र मोह पालने का विशेषाधिकार भी उन्हीं को है, जो सत्ता सम्पन्न हैं। सत्ता में जमे हुए हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी जमे रहना चाहते हैं। यह जनता का पुनीत कर्तव्य है कि वह एक पीढ़ी के इन्वेस्टमेंट पर कई नस्लों को राजनीतिक लाभांश देती रहे। राजनेताओं के लिए अपने पुत्र/पुत्री/ पत्नी आदि के सियासी कॅरियर के आगे हर शै बेमानी है। कोई सुदामा अगर उसे चुनौती देने की धृष्टता करेगा भी तो वह आंखों के साथ हाथ- पैरों से भी हाथ धो बैठेगा। यूं तो धृतराष्ट्र और सुदामा की कहानी में कहीं कोई सीधा सम्बन्ध नहीं है। ये सारा ताना बाना उस कूटनीतिज्ञ और भगवान कृष्ण के माध्यम से है, जो

धृतराष्ट्र को पुत्र मोह से बचने की समझाइश देते हैं और नाकाम रहते हैं दूसरी तरफ सुदामा को दोस्ती का वास्ता देकर भौतिक आकांक्षाओं को तृप्त करने की कोशिश करते हैं। पुराणों में सुदामा के पिता का तो उल्लेख है कि वो राक्षसराज शंखचूड़ के पुत्र थे। शंखचूड़ को ब्रह्मा से अमरत्व का वरदान था। लेकिन सुदामा के पुत्रों का कहीं कोई उल्लेख नहीं है। चूंकि सुदामा राजनेता नहीं थे, इसलिए उनके पुत्रो के राजनीतिक और आर्थिक भविष्य की चिंता करने की गरज पुराणकारों को भी महसूस नहीं हुई होगी।

ब्राह्मण सुदामा मूलत- उस समाजवादी सोच की उपज थे, जिसमें अमीरी के बजाए गरीबी के समान वितरण पर ज्यादा जोर रहा है। इसका सीधा अर्थ है कि दीपक सक्सेना के भाग्य में सुदामा होना ही बदा है। द्वापर युग में योगीराज कृष्ण ने अपने इस बाल मित्र को दोस्ती की खातिर जो कुछ माल- ताल दे दिया, उसे सुदामा को अपना सौभाग्य समझ कर संतुष्ट रहना चाहिए। इससे ज्यादा की उम्मीद पालना भी अपने आप में राजनीतिक अपराध है। आखिर नौकर, नौकर है और मालिक, मालिक।

यह सही है कि दीपक सक्सेना कमलनाथ की कृपा से ही चार बार विधायक, एक बार मंत्री और एक बार प्रोटेम स्पीकर बने। लेकिन जब उनके राजनीतिक अरमान उरूज पर थे, तभी उनका पत्ता काट दिया गया। स्वामी की खातिर पद और पावर गंवाने की ऐवज में उन्हें कुछ नहीं मिला। जब छिंदवाड़ा से लोकसभा के लिए किसी को भेजने की बात आई तो कमलनाथ ने अपने पुत्र नकुलनाथ को चुना। गौरतलब है कि राजनीति में सेवा के बदले मेवा मिलने का गणित इस बात पर निर्भर करता है कि आपका स्वामी कौन है, स्वयं धृतराष्ट्र है अथवा कृष्ण। बहरहाल, कांग्रेस में अपनी उपेक्षा और स्वामीभक्ति के बदले मिली दुत्कार से दुखी दीपक सक्सेना ने भाजपा में जाने की हिमाकत की, जो उन कमलनाथ को रास नहीं आई, बावजूद इसके कि खुद उनके पुत्र समेत पाला बदलने की सुर्खियां मीडिया में चली थीं। तब भी लक्ष्य एक ही था पुत्र की कुर्सी बचाना। अब भी मकसद वही है। फर्क इतना है कि पुत्र प्रेम का यही पासवर्ड दीपक सक्सेना ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा की लिंक ओपन करने के लिए डालना चाहा तो वो कमलनाथ का कोपभाजन बन गए। और तो और कमलनाथ की पुत्रवधु प्रिया नाथ ने भी दीपक पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कमलनाथजी ने जिनकी मदद की, वही अग्नि परीक्षा के वक्त उन्हें छोड़कर जा रहे हैं। उधर लगातार मिल रहे दास ट्रीटमेंट से आहत दीपक ने पहले तो अपने बेटे अजय को भाजपा में भेजा और खुद भी भगवा धारण करने की तैयारी में थे। तभी उन्हें अल्टीमेटम दिया गया कि वो धृतराष्ट्र और सुदामा में से कोई एक ऑप्शन को आप्ट कर लें। यहां दीपक सक्सेना की 'गलती' यही है कि उन्होंने धृतराष्ट्री परिवारवाद के बदले सुदामाई परिवारवाद को खड़ा करने की कोशिश की। चरण वंदन के बदले माथे पर तिलक चंदन मांगा। परिवारवादी राजनीतिक संस्कृति में यही महापाप है। वरना धृतराष्ट्र खुद अपनी निष्प्राण आंखों के साथ पाला बदल लें तो यह राजनीतिक पैंतरा होता है और सेवक अपनी जीवित आंखों के साथ दूसरे का दामन थाम ले तो स्वामीद्रोह कहलाता है। है न गजब थ्योरी! वैसे भी धृतराष्ट्रवादी चिंतन में सत्ता की रेवड़ियां अपनो के अकाउंट में ही ट्रासंफर होती हैं।

फिलहाल इस धृतराष्ट्रवादी चुनावी एपीसोड में कमलनाथ ने इमोशनल कार्ड का ब्रह्मास्त्र चल दिया है। जिसका एक निशाना खुद दीपक सक्सेना भी हैं। जानकारों का कहना है कि वहां भाजपा की गंगा में कितने ही आयातित नेताओं का शुद्धिकरण हो जाए, लेकिन कमलनाथ का भावनात्मक दांव बीजेपी की तमाम कोशिशों पर भारी पड़ सकता है। भाजपा अपने मिशन- 29 के तहत छिंदवाड़ा में कमलनाथ की नाल हर कीमत पर काटना चाहती है, लेकिन साम-दाम-दंड-भेद के बाद भी छिंदवाड़ा में इस बार चुनाव में 'कमल' नहीं खिल पाया तो मुश्किल कमलनाथ के बजाए कमलदल के कर्णधारों की बढ़ेगी।

चुनाव की घोषणा के बाद काफी कुछ खो चुके हैं अखिलेश यादव

अजय कुमार

राजनीति में एक पुरानी कहावत है कि कोई गठबंधन या नेता किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। कल तक जो नेता सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ मिलकर मोदी-योगी के खिलाफ पानी पी-पीकर जहर उगल रहे थे, आज वो मोदी-योगी सरकार में शामिल हो चुके हैं। माना जा रहा है कि इसके पीछे काफी हद तक सपा मुखिया अखिलेश यादव जिम्मेदार रहे हैं। अब जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव की तारीखें पास आ रही है, वैसे-वैसे एक के बाद एक सहयोगी दलों के नेता समाजवादी पार्टी का साथ छोड़कर जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब अपना दल कमेरावादी पार्टी का नाम भी शामिल हो सकता है। दोनों दलों के बीच नाराजगी के चलते दूरियां भी बढ़ने लगी है। वहीं भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद के साथ भी खेला हो गया है, जिसके बाद से सियासी गलियारों का पारा भी बढ़ गया है। चर्चाओं का दौर जारी है। चर्चा ये भी है कि अपना दल कमेरावादी पार्टी सपा से अलग हो गया है, बस औपचारिक घोषणा होना बाकी है। अखिलेश से दूर गठबंधन के सहयोगी तो जा ही रहे हैं पार्टी के कई नेताओं ने भी समाजवादी पार्टी छोड़ दी है और अभी भी यह सिलसिला जारी है। चुनाव की घोषणा होने के समय जो अखिलेश काफी मजबूत स्थिति में दिख रहे थे अब उनकी स्थिति काफी कमजोर हो गई है। कई मौकों पर तो वह स्वयं भी अपने आप को असहाय बताते नजर आ जाते हैं। दरअसल जब से अखिलेश यादव के हाथों में समाजवादी पार्टी की कमान आई है, तब से सपा लगातार चुनाव हार रही है। 2014, 2017, 2019, 2022 के साथ ही नगर निगम चुनाव में भी सपा अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाई है। आजमगढ़ और रामपुर लोकसभा सीट पर सपा उपचुनाव हार गई। हालांकि मैनपुरी लोकसभा और घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के रिजल्ट जरूर अखिलेश के पक्ष में रह चुके हैं। इसी तरह चुनाव दर चुनाव में अखिलेश ने अन्य दलों के साथ गठबंधन किया लेकिन चुनाव बाद उस गठबंधन की गांठे खुलती गई। 2017 में कांग्रेस, 2019 में बसपा और 2022 में सुभासपा और जयन्त के साथ किए गए गठबंधन का हश्र एक ही हुआ। चुनाव से पहले गठबंधन हुआ और चुनाव बाद रास्ते अलग हो गए। हालांकि 2024 चुनाव के चलते राहुल और अखिलेश फिर से साथ आ गए हैं।अब इस लिस्ट में कई और भी नाम जुड़ने की ओर अग्रसर हैं। हालात यही रहे तो सपा मुखिया अखिलेश यादव को अपना दल कमेरावादी और एएसपी चीफ चंद्रशेखर आजाद से भी हाथ धोना पड़ जाएगा। इन दोनों दलों के नेताओं से बढ़ी दूरी का कारण भी अखिलेश यादव बताए जा रहे हैं। अपना दल क. की नेता पल्लवी पटेल सपा से विधायक हैं। उन्होंने 2022 विधान सभा चुनाव में सिराथू सीट पर केशव प्रसाद मौर्य को हराकर जीत दर्ज की थी। तब से पल्लवी और अखिलेश के राजनीतिक रिश्ते बढ़ गए थे। पल्लवी को उम्मीद थी कि सपा अपना दल क. अध्यक्ष कृष्णा पटेल को रूष्ट या राज्यसभा के लिए भेजेगा। हालांकि विधान परिषद चुनाव और राज्यसभा चुनाव हो गए, लेकिन सपा ने कृष्णा पटेल के नाम पर सपा ने विचार भी नहीं किया, जिसके बाद पल्लवी की पार्टी ने भी अखिलेश से दूरी बना ली है।

बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक

ललित गर्ग

खुद को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हनुमान बताने वाले युवा नेता चिराग पासवान इन दिनों बिहार की राजनीति में लाइमलाइट में हैं। राजनीतिक कौशल एवं प्रभावी रणनीति के तहत तेजी से अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूती देते हुए बिहार की राजनीति का 'चिराग' संभावना का वाहक बन रहा है। चिराग पासवान सक्षम जनप्रतिनिधि के साथ-साथ मौलिक सोच एवं संवेदनाओं के प्रतीक हैं। उन्हें सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर प्रासंगिक एवं अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनाने एवं अपनी उपस्थिति का अहसास कराने का छोटी उम्र में बड़ा अनुभव है जो भारतीय राजनीति के लिये शुभता का सूचक है। लोकतंत्र का सच्चा जन-प्रतिनिधि वही है जो अपनी जाति, वर्ग और समाज को मजबूत करने के साथ देश को मजबूत करें। 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की लड़ाई लड़ने वाले चिराग 14 करोड़ बिहारियों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रतिबद्ध है।

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 चिराग का सशक्त एवं उम्मीदभरा राजनीतिक भविष्य उजागर करते हुए बिहार के शीर्ष नेतृत्व की ओर अग्रसर करे तो कोई आश्चर्य नहीं। इस बात के संकेत इनदिनों की बिहार की राजनीति गतिविधियों से मिलने लगे हैं। गतदिनों भाजपा मुख्यालय से विनोद तावड़े ने बिहार के एनडीए गठबंधन में सीट शेयरिंग का अपना फॉर्मूला सार्वजनिक किया, जिसमें भाजपा को 17 सीटें, जदयू को 16 सीटें तो चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रामविलास) के खाते में 5 सीटें गईं। वहीं उपेंद्र कुशवाह और जीतनराम मांझी की पार्टी को एक-एक सीट दी गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास की एक बड़ी तस्वीर सामने आई, जिसमें नीतीश चिराग के कंधे पर हाथ रखे आशीर्वाद की मुद्रा में दिखाई दे रहे हैं। इसी तरह का एक चित्र पहले चर्चित हुआ जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चिराग की पीठ थपथपाते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारतीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी को लेकर अक्सर बड़ी-बड़ी बातें हर किसी मंच से होती रहती हैं लेकिन कोई दल उन्हें प्रतिनिधित्व का मौका नहीं देता क्योंकि उनकी नजर में युवा वोट भर हैं। राजनीतिक दल उनका इस्तेमाल भीड़ और ट्रौलिंग के लिए करते रहते हैं। हालांकि इस मिथक को चिराग ने तोड़ा, 2014 के लोकसभा चुनाव में जमुई सीट पर 80 हजार से ज्यादा मतों

से विजयी हुए थे तो एक ही संसदीय दौर में उन्होंने जनता का विश्वास इस कद्र जीता कि 2019 के चुनाव में चिराग ने 5 लाख से ज्यादा वोट हासिल करते हुए लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। करिश्माई व्यक्तित्व वाले चिराग ने आगामी चुनाव में एनडीए को बिहार में 40 में से 40 सीटें मिलने का दावा किया है। इसमें कोई संदेह भी नहीं है क्योंकि 2019 में जब एनडीए में 3 पार्टियां थी, तब 40 में से 39 सीटें जीती थीं और इस बार 5 पार्टियां हैं और लोगों का उत्साह बताता है कि बिहार में 40 सीटों के साथ एनडीए देश में 400 सीटों के लक्ष्य को आसानी से पार कर लेगा।

चिराग पासवान एक भारतीय राजनीतिज्ञ तथा लोक जनशक्ति पार्टी के राजनेता है। वे भारतीय राजनीति में सर्वाधिक मतों से जीतने वाले दलितों के शीर्ष नेता एवं लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक रामविलास पासवान के पुत्र हैं। चिराग ने न केवल बिहार की राजनीति में बल्कि समूची देश की राजनीति में युवा संभावनाओं को उजागर करने की खनक पैदा की है। यह वह आहट है जो भारत की राजनीति को एक नयी दिशा एवं दृष्टि प्रदत्त करेंगी। क्योंकि चिराग वोट की राजनीति के साथ-साथ सामाजिक उत्थान की नीति के चाणक्य है। वे रोजगार के नाम से एक एनजीओ भी चलाते हुए बिहार के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार दिलाने की मुहिम को संभव किया है। 'चिराग का रोजगार' एक मौलिक सोच की निष्पत्ति है और चिराग भारत की राजनीति में एक मौलिक सोच के प्रतीक नेता के रूप में उभर रहे हैं और मौलिकता अपने आप में एक शक्ति होती है, जो व्यक्ति की अपनी रचना होती है एवं उसी का सम्मान होता है। संसार उसी को प्रणाम करता है जो भीड़ में से अपना सिर ऊंचा उठाने की हिम्मत करता है, जो अपने अस्तित्व का भान कराता है। मौलिकता की आज जितनी कीमत है, उतनी ही सदैव रही है। जिस व्यक्ति के पास अपना कोई मौलिक विचार या कार्यक्रम है तो संसार उसके लिए रास्ता छोड़कर एक तरफ हट जाता है और उसे आगे बढ़ने देता है। मौलिक विचार तथा काम के नये तरीके खोज निकालने वाला व्यक्ति ही समाज एवं राष्ट्र की बड़ी रचनात्मक शक्ति होता है अन्यथा ऐसे लोगों से दुनिया भरी पड़ी है जो पीछे-पीछे चलना चाहते हैं और चाहते हैं कि सोचने का काम कोई और ही करे। चिराग ने भारत की राजनीति में युवा पीढ़ी के लिए कुछ नया सोचा है, कुछ मौलिक सोचा है, तो सफलता निश्चित है। वे इसी सोच से प्रदेश की राजनीति से केन्द्र की राजनीति की ओर अग्रसर होकर सफल नेतृत्व देने में सक्षम साबित होंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है।

लोजपा अब पूरी तरह युवाओं के हाथ में है। चिराग युवा हैं, सक्षम है, प्रखर वक्ता है, कुशल संगठनकार एवं प्रबन्धक हैं और विगत में उन्होंने अनेक अवसरों पर अपनी इन क्षमताओं के साथ-साथ निर्णायकता साबित की है। कई मौकों पर यह बात सामने आई है कि बिहार के साथ-साथ केंद्रीय राजनीति के दांव-पेच और समीकरणों को भी वह अच्छी तरह जानने-समझने लगे हैं। हालांकि उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती दलित राजनीति के अगले ध्वजवाहक बनने और अपने लक्षित मतदाता समूह में पिता जैसी स्वीकार्यता पाने की होगी। चिराग नई लकीर खींचने में पारंगत है, वे अपने पिता की प्रतिछाया ही न बनकर कुछ नये प्रतिमान स्थापित करेंगे, राजनीति की नई परिभाषाएं गढ़ेंगे। क्योंकि वे विपरीत स्थितियों में सामंजस्य स्थापित करके भरोसा और विश्वास का वातावरण निर्मित करने में दक्ष है। युवापीढ़ी और उनके सपनों का मूर्च्छित होना और उनमें निराशा का वातावरण निर्मित होना- एक सबल एवं सशक्त राष्ट्र के लिये एक बड़ी चुनौती है। चिराग ने यह अनुभव किया, यह उनकी सकारात्मक राजनीति एवं मानवतावादी सोच का ही परिणाम है। चिराग इस मामले में अन्य क्षत्रप या नेता पुत्रों से थोड़ा अलग इसलिए भी हैं कि उनका नजरिया और अंदाज भविष्योन्मुखी और विकासवादी प्रतीत होता है। यही कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चिराग में राजनीतिक संभावनाओं को गहराई से समझा है। इन सबके बावजूद यक्ष प्रश्न यह है कि क्या चिराग अपने पिता की दलित राजनीति की विरासत को कोई नया आयाम दे पाएंगे। या फिर वह इस विरासत से इतर मुख्यधारा की राजनीति में अपनी काबिलियत दिखाएंगे।

उड़ीसा के नायक बने रहेंगे पटनायक या मोदी बनेंगे महानायक?

समीर चौगांवकर

लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के एक महीने पहले से प्रधानमंत्री मोदी देशभर में ताबडतोड़ रैलियां कर रहे थे। गैर भाजपा शासित राज्यों में जनता से मुखातिब होते वक्त प्रधानमंत्री मोदी राज्य की मौजूदा सरकार पर जुबानी हमले का कोई मौका नहीं चूकते लेकिन ओडिशा में ऐसा नहीं हुआ था। 5 मार्च को एक कार्यक्रम के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक के साथ मंच साझा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने नवीन पटनायक की तारीफ करते हुए उन्हें अपना दोस्त बताया और बदले में मुख्यमंत्री ने भी प्रधानमंत्री की तारीफ करते हुए कहा कि मोदी ने भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने की दिशा में काम किया है। जिस वक्त मोदी नवीन पटनायक की तारीफ कर रहे थे, उस समय अमित शाह उड़ीसा में गठबंधन की बातचीत शुरू करने का निर्देश उड़ीसा के स्थानीय नेताओं को दे रहे थे। ऐसा लग रहा था कि 1998 में भाजपा के साथ गठबंधन में जुड़ी और 2009 में भाजपा से अलग हुई बीजू जनता दल 14 साल बाद एक बार फिर एनडीए का हिस्सा बनने जा रहा है।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कई दौर की बातचीत के बाद 22 मार्च को उड़ीसा भाजपा के अध्यक्ष मनमोहन सामन ने सोशल मीडिया पर घोषणा कर दी कि भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के दूरगामी नेतृत्व में लोकसभा की सभी 21 सीटों और विधानसभा की 147 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। ठीक उसी समय बीजू जनता दल के संगठन महामंत्री प्रणब प्रकाश दास ने भी एलान कर दिया कि बीजद लोकसभा और विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने जा रही है। भारतीय जनता पार्टी और बीजू जनता दल के बीच गठबंधन न बन पाने का प्रमुख कारण यह रहा कि भाजपा चुनाव बाद उड़ीसा की नई सरकार में शामिल होना चाहती थी, लेकिन उसके लिए बीजद तैयार नहीं था। बीजू जनता दल को इस बात का पूरा भरोसा है कि वह अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल कर लेगी। ऐसे में वह सत्ता में हिस्सेदारी देने का मन नहीं बना सकी। भाजपा ने उड़ीसा सरकार में हिस्सेदारी

देने के बदले मोदी सरकार में शामिल होने का प्रस्ताव बीजद को दिया था लेकिन नवीन पटनायक तैयार नहीं हुए।

वर्तमान में उड़ीसा विधानसभा में भाजपा के 23 विधायक और बीजद के 109 विधायक हैं। लोकसभा को देखें तो 21 लोकसभा सीटों में से 8 सीटें भाजपा के पास हैं और 12 सीटें नवीन पटनायक की पार्टी के पास हैं। भाजपा चाहती थी कि नवीन बाबू प्रदेश सरकार में हिस्सा दें और उसके बदले में केन्द्र सरकार में भी शामिल हो। लेकिन नवीन पटनायक को केन्द्र की राजनीति मे कोई रूचि नहीं है। 1998 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और बीजद ने मिलकर राज्य की 16 लोकसभा सीटें जीती थीं। भाजपा को 7 और बीजेडी को 9 सीटें मिली थीं। 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 9 और बीजद ने 10 सीटें जीती। 2004 के लोकसभा चुनाव में बीजद ने 11 और बीजेपी ने 7 लोकसभा सीटें जीती थी।

इसके बाद भाजपा और बीजद का गठबंधन टूट गया। गठबंधन टूटने की बड़ी वजह 2008 में हिंदू संत और वीएचपी के नेता रहे लक्ष्मणानंद सरस्वती की हत्या थी। लक्ष्मणानंद सरस्वती की हत्या के बाद कंधमाल में दंगे हुए। इस दंगे में 38 लोग मारे गए और 20 हजार से ज्यादा विस्थापित हुए। इसके बाद 2009 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में नवीन पटनायक ने भाजपा से अलग होकर चुनाव लड़ा और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। 2009 में गठबंधन टूटने के बाद से भाजपा उडीसा में अपनी जड़ें जमाने की लगातार कोशिश कर रही है। लेकिन मोदी की लोकप्रियता के बाद भी उड़ीसा में नवीन पटनायक को सत्ता से बाहर करना अभी भी भाजपा के बूते के बाहर है। नवीन पटनायक सामान्य नेताओं से भिन्न हैं। वह कभी भी दूसरों पर आरोप नहीं लगाते। कभी कठोर शब्दों में जवाब नहीं देते। मीडिया से जब जरूरी हो तभी मिलते हैं। वह देश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री हैं जिनकी पार्टी की सरकार बनने के बाद से आजतक सत्ता से बाहर नहीं हुई है। 22 साल से अधिक सत्ता में रहने के बाद भी उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है।

बीजू पटनायक के समय ही उड़ीसा पंचायती राज में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लाने वाला देश का पहला राज्य बना था। नवीन पटनायक ने उसे बढाकर 50 प्रतिशत कर दिया। पूरे उड़ीसा में महिलाओं के छह लाख से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप नवीन पटनायक की देन है। उडीसा में 80 प्रतिशत लोग खाद्य सुरक्षा के घेरे में आते हैं। यह सच है कि सबसे बड़ा पलायन उड़ीसा से ही हुआ है लेकिन इसका दोष वहां की जनता अपने नेता को नहीं देती। नवीन पटनायक लोकप्रिय जरूर हैं लेकिन उनके सामने भी कई राजनीतिक चुनौतियां हैं। जैसे उन्हें भी परिवारवाद पर अमल करना पड़ रहा है। इसलिए चार नेताओं की पत्नियों को टिकट दिया गया है। इसमें नवरंगपूर से विधायक सदाशिव प्रधानी की पत्नी कौशल्या प्रधानी को, सूरादा से विधायक पूर्ण चंद्र स्वैन की पत्नी संघमित्रा स्वैन को, उमरकोट से सुभाष गौड़ की पत्नी नबीना नायक को, बस्ता विधासभा सीट से रवीन्द्र जैना की पत्नी सुभाषिनी जैना को टिकट दिया गया है। कटक लोकसभा से छह बार सांसद और बीजद के संस्थापक सदस्यों में रहे भतृहरि महताब के भाजपा का दामन थामने से नवीन पटनायक को तगड़ा झटका लगा है। भाजपा बीजद की अंदरूनी फूट का पूरा फायदा उठाने की कोशिश में है।

पार्टी के नेताओं का आरोप है कि उड़ीसा में नवीन पटनायक के करीबी नौकरशाह पांडियन पार्टी को संचलित कर रहे हैं जो बीजद में नेताओं के नाराजगी का कारण बन रहा है। अभिनेता से नेता बने और बरहमपुर से दो बार के सांसद सिद्धांत महापात्र ने भी भाजपा का दामन थाम लिया है।

हम और आप चुनाव क्यों नहीं लड़ पाते हैं?

पंकज गांधी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने पिछले दिनों एक चैनल के कार्यक्रम में कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट की पेशकश की थी लेकिन धन की कमी के चलते उन्होंने चुनाव लड़ने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि भाजपा ने उन्हें आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु से चुनाव लड़ने का विकल्प दिया था। एक सप्ताह या दस दिनों तक सोचने के बाद, उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया। कारण बताया कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए आवश्यक धन नहीं है। आंध्र प्रदेश से लड़ें या तमिलनाडु से यह भी उनके लिए एक मुद्दा था। उन्होंने यह भी सोचा क्या वह जीतने योग्य मानदंडों पर खरी उतरती हैं? आज चुनाव जीतने के लिए धर्म, समुदाय, क्षेत्र के कई अलग मानक काम करने लगे हैं। सब पहलुओं पर सोचने के बाद उन्होंने कहा नहीं, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन की यह ईमानदार स्वीकारोक्ति बहुत ही महत्वपूर्ण है जिसमें वह कहती हैं कि आज का चुनाव बहुत खर्चीला हो चुका है और मेरे पास इतना पैसा नहीं है कि मैं चुनाव लड़ सकूं। अगर इस दौर में देश का वित्त मंत्री होने के बाद भी उन्होंने इतना साहसपूर्ण वक्तव्य दिया है तो वह काबिले तारीफ है। लेकिन जितने भी वाक्य उन्होंने बोले हैं, वे सम्पूर्ण चुनावी व्यवस्था पर भी सवाल उठानेवाले हैं। निश्चित रूप से चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए वह भी तब जब ऐसी टिप्पणी देश की वित्त मंत्री ने की हो। उस वित्त मंत्री की जिसकी लाखों में सैलरी होगी, भत्ते होंगे, परिवहन और आवास की बिना लागत की सुविधा होगी, साथ में जीवन जीने की अन्य सहूलियतें होंगी, उसके बाद भी यदि उनके पास भी चुनाव लड़ने लायक पैसा न हो तो सोचिये देश का कितना बड़ा वर्ग सिर्फ खर्चीले चुनाव के कारण चुनाव में नहीं उतर पा रहा है? बहुत से ऐसे युवा या अनुभवी लोग हैं जो इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में आकर इसमें अपना योगदान दे सकते हैं लेकिन पूंजी ने इस तरह से चुनाव को कब्जे में लिया है कि एक आम आदमी तो सोच ही नहीं सकता कि वह कभी लोकसभा सदस्य बन जाएगा। वित्त मंत्री ने सिर्फ एक बयान नहीं दिया है बल्कि भारत के लोकतंत्र में उभर आये एक ऐसे पहलू की तरफ इशारा किया है जिस पर मंथन होना ही चाहिए। चुनाव में सभी प्रत्याशियों को लड़ने के लिए समान आधार मिलना चाहिए। कोई व्यक्ति सिर्फ इसलिए चुनाव नहीं लड़ना या जीतना चाहिए कि वह धनबल या बाहुबल में आगे है। चुनाव लड़ने की पूरी प्रक्रिया पूंजीवाद के प्रभाव से मुक्त होनी चाहिए अन्यथा योग्य उम्मीदवार होते हुए भी पूंजी न होने के कारण वे कभी आगे नहीं आ पायेंगे। ऐसा नहीं है कि इसका हल नहीं है। इस उभर आई बुराई का सबसे बढ़िया हल यही है कि चुनाव का खर्च चुनाव आयोग वहन करे। वह एक समान राशि लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों से ले, जो इतनी हो कि हर उम्मीदवार उसे जमा कर सके। चुनाव खर्च के नाम पर कुछ प्रमुख चौराहों, कार्यालयों और बाजारों पर उम्मीदवारों का बायोडाटा प्रदर्शित हो। उम्मीदवारों की सम्पूर्ण डिजिटल जानकारी चुनाव आयोग के मोबाइल एप पर उपलब्ध हो। उम्मीदवारों की निश्चित समयसीमा की भाषण प्रतियोगिता हो जिसमें वे अपना विजन और बात प्रस्तुत करें। कुल मिलाकर यह एक भव्य इवेंट ना होकर एक आम जरुरी प्रक्रिया हो। ऐसा नहीं है कि यह जो मॉडल है वह एक यूटोपिया विचार है। लगभग इससे मिलता जुलता एक प्रयोग मिजो पीपल फोरम द्वारा मिजोरम के चुनाव में किया जा रहा है और वह सफल है। मिजोरम में इस फोरम ने चुनाव को लेकर पारदर्शी, ईमानदार और स्वीकार्य व्यवस्था बना दी है, जिसका पालन राजनीतिक दल और प्रत्याशी दोनों करते हैं। कोई इस लक्ष्मण रेखा को लांघने का प्रयास नहीं करता है जिसका मतलब है कि यह सुधार समाज की तरफ से ही आया है। यहां चुनाव आयोग के नियम तो हैं ही, लेकिन फ्री, फेयर एवं सभी के लिए समान आधार जैसे लक्ष्य की पूर्ति हेतु मिजो पीपुल फोरम के बनाए नियमों का सभी पालन करते हैं। यहां ना तो पोस्टरबाजी होती है, ना ही पैसे खर्च करने पड़ते हैं और लाउडस्पीकर का प्रयोग तो बिल्कुल नहीं होता।

वर्ल्ड हेल्थ डे पर बॉलीवुड ने लोगों को किया प्रेरित

हर साल 7 अप्रैल को वर्ल्ड हेल्थ डे यानी विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के विभिन्न मुद्दों के बारे में जागरूक करना है। यह दिवस विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना दिवस के दिन मनाया जाता है। फ़िल्मी सितारें भी अपनी फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति अपने समर्पण से लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। ऐसे ही कुछ सितारें जिन्होंने अपनी फ़िटनेस से काफ़ी लोगों को इंस्पायर किया है ।

विद्युत जामवाल- बॉलीवुड के सबसे शारीरिक रूप से फिट अभिनेताओं में से एक हैं, जो अपने खुद के रोमांचक एक्शन दृश्यों को निष्पादित करने के लिए जाने जाते हैं। कलारीपयट्टु, मुएय थाई और कैपोइरा सहित मार्शल आर्ट विषयों की एक सिरीज़ में पारंगत, वह अक्सर व्यापक कसरत दिनचर्या की संकल्पना करते हैं। इन दिनचर्या में रस्सी प्रशिक्षण, किकबॉक्सिंग ड्रिल और वेटलिफ्टिंग अभ्यास जैसे विविध तत्व शामिल हैं, जिनका विद्युत् प्रतिदिन घंटों लगन से अभ्यास करते हैं। उनके अटूट समर्पण और निरंतर प्रयास ने एक गहरी आकर्षक काया बनाई है, जो दुनिया भर में अनगिनत फिटनेस उत्साही लोगों को प्रेरित करती है।

टाइगर श्रॉफ- अपनी असाधारण काया और एथलेटिक कौशल के लिए प्रसिद्ध, टाइगर श्रॉफ अपने कठोर प्रशिक्षण सेशन और अनुशासित आहार से प्रशंसकों को प्रेरित करते हैं। कार्यात्मक प्रशिक्षण, मिक्स मार्शल आर्ट और जिमनास्टिक पर उनका ध्यान फिटनेस दिनचर्या में बहुमुखी प्रतिभा के महत्व पर प्रकाश डालता है।

जाह्नवी कपूर- पिलेट्स एक प्रकार का सौम्य व्यायाम है जिसका उद्देश्य शरीर पर अत्यधिक दबाव डाले बिना कोर को मज़बूत करना, मुद्रा को परिष्कृत करना और लचीलेपन को बढ़ावा देना है। इसमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन की गई सटीक गतिविधियों और साँस लेने के व्यायामों का एक क्रम शामिल है। पिलेट्स की एक प्रमुख समर्थक जान्हवी कपूर अक्सर इस आहार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाती हैं।

अली फज़ल- जुजुत्सु के प्रति अपने जुनून के साथ, अली फज़ल ताकत और मानसिक फोकस बढ़ाने में मार्शल आर्ट के लाभों की वकालत करते हैं। जुजुत्सु में महारत हासिल करने के प्रति उनका समर्पण फिटनेस के वैकल्पिक रूपों की खोज करने वाले प्रशंसकों के लिए प्रेरणा का काम करता है।

सनी हिंदुजा- योग के कट्टर समर्थक, सनी हिंदुजा शारीरिक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देने में इस प्राचीन अभ्यास की परिवर्तनकारी शक्ति पर ज़ोर देते हैं। नियमित योग सेशन्स के माध्यम से, वह व्यक्तियों को अपने शरीर का पोषण करते हुए आंतरिक शांति और सद्भाव पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

नेहा धूपिया - योग के प्रति नेहा धूपिया की प्रतिबद्धता शारीरिक फिटनेस से परे, समग्र कल्याण और तनाव प्रबंधन तक फैली हुई है। अपने अभ्यास के माध्यम से, वह सचेतनता और आत्म-देखभाल को बढ़ावा देती है, व्यक्तिगत जीवन की चुनौतियों के बीच संतुलन खोजने के लिए सशक्त बनाती है।

सैयामी खेर- सैयामी खेर फिटनेस के लिए एक गतिशील दृष्टिकोण अपनाती हैं, साइकिल चलाना, दौड़ना और बैडमिंटन जैसी गतिविधियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करती हैं। उनका बहुमुखी आहार समग्र स्वास्थ्य और जीवन शक्ति को बनाए रखने के लिए विभिन्न व्यायामों को शामिल करने के महत्व को रेखांकित करता है।

आदर्श गौरव- कैलिस्थेनिक्स के प्रति अपने समर्पण के लिए जाने जाने वाले, आदर्श गौरव ताकत, लचीलेपन और सहनशक्ति के निर्माण के एक प्रभावी साधन के रूप में बॉडीवेट प्रशिक्षण की वकालत करते हैं। फिटनेस के प्रति उनका अनुशासित दृष्टिकोण उत्साही लोगों को फिटनेस लक्ष्यों की प्राप्ति में अपने शरीर की शक्ति का उपयोग करने के लिए प्रेरित करता है।

अंगद बेदी- दौड़ने के प्रति अंगद बेदी का जुनून उच्च तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण के हृदय संबंधी लाभों में उनके विश्वास को दर्शाता है। दौड़ को अपनी दिनचर्या में शामिल करके, वह व्यक्तियों को अपनी सीमा से आगे बढ़ने और अपनी पूर्ण एथलेटिक क्षमता का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हाल ही में एक्टर ने दुबई में ओपन इंटरनेशनल मास्टर्स 2023 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 400 मीटर रेस में जीत हासिल की।

पावेल गुलाटी- पावेल गुलाटी का साइकिलिंग, स्क्वैश और बास्केटबॉल के प्रति प्रेम किसी के फिटनेस आहार में मनोरंजक खेलों को शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। उनकी विविध रुचियाँ उस मौज-मस्ती और आनंद को दर्शाती हैं जो सक्रिय रहने और शारीरिक गतिविधियों में लगे रहने से प्राप्त किया जा सकता है।

नायला ग्रेवाल - मामला लीगल है की उभरती अभिनेत्री अपनी फिटनेस और सेहत को बनाए रखने के लिए एक अपरंपरागत तरीका अपनाती है। छोटी उम्र से ही, नायला ने अपनी फिटनेस के हिस्से के रूप में विविध नृत्य रूपों को अपनाया है। शुरुआत में जैज़ और समकालीन शैलियों की खोज करते हुए, अब वह बॉलीवुड नृत्य के साथ-साथ दोनों के तत्वों को जोड़ती है, साथ ही एक समकालीन नृत्य शैली क्यूबॉप की बारीकियों में भी गहराई से करती है।

अक्षय-टाइगर-बड़े मियां छोटे मियां के एक्शन को शूट करने में हर दिन खर्च हुए 3-4 करोड़ रू

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की एक्शन पैक्ड बड़े मियां छोटे मियां अपनी रिलीज से बस कुछ ही दिन दूर है ऐसे में हर किसी के लिए फ़िल्म को लेकर प्रत्याशा डबल हो गई है । अली अब्बास ज़फ़र के निर्देशन में बनी बड़े मियां छोटे मियां कुछ ऐसे ज़बरदस्त एक्शन स्टंट की गारंटी देता है जो भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं देखे गए हैं । और इसका खुलासा खुद फ़िल्म के डायरेक्टर अली अब्बास ज़फ़र ने किया है साथ ही यह भी बताया कि ऐसे ख़तरनाक स्टंट्स को शूट करने में कितना खर्च आया । उन्होंने आगे कहा, बजट सबसे बड़ा दबाव है जिसे अभिनेता और फिल्म के निर्माता हमेशा महसूस करते हैं क्योंकि आज जब आप चाहते हैं कि आपका प्रोडक्ट अंतरराष्ट्रीय, उत्तम दर्जे का और उस स्तर का दिखे जहां लोग कहें कि यह एक विजुअल ट्रीट है, तो आपको उतना पैसा खर्च करना ही पड़ेगा । यदि आप बाइक स्टंट करना चाहते हैं और प्रत्येक बाइक की कीमत 4 लाख रुपये है और यदि स्टंट गलत हो जाता है, तो आप तुरंत 4 लाख रुपये खो देते हैं यदि आप एक कार उड़ा रहे हैं जिसकी कीमत 30-40 लाख रुपये है और यदि वो स्टंट आपके प्लान के मुताबिक़ नहीं होता तो आप सीधे उतने पैसे खो देते है । बड़े मियां छोटे मियां में ऐसे कई स्टंट हैं जहां एक दिन का खर्च 3-4 करोड़ रुपये था, जिसमें सारा सामान और सभी हेलिकॉप्टरों के तकनीशियन, सब कुछ शामिल था और सब कुछ बहुत महँगा रहा ।

वाशु भगनानी और पूजा एंटरटेनमेंट एएजेड फिल्म्स के सहयोग से बड़े मियां छोटे मियां प्रस्तुत करते हैं । अली अब्बास जफर द्वारा लिखित और निर्देशित, और वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी, हिमांशु किशन मेहरा, अली अब्बास जफर द्वारा निर्मित। यह फिल्म 10 अप्रैल 2024 को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी । इस फ़िल्म में अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, सोनाक्षी सिन्हा, अलाया एफ और मानुषी छिल्लर भी अहम भूमिका में नज़र आने वाले हैं ।

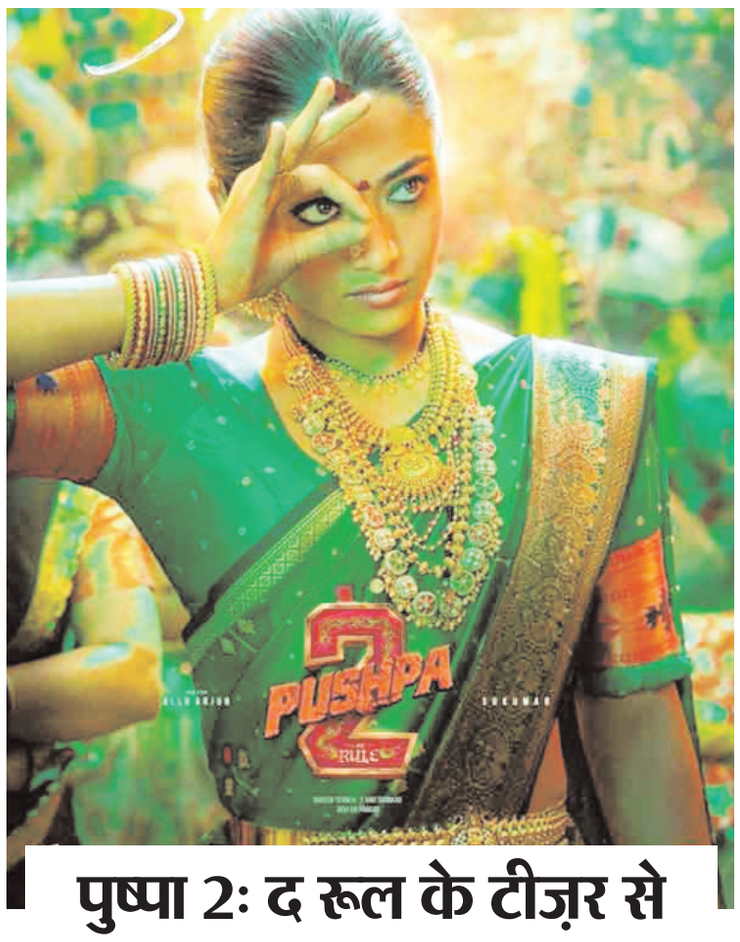

पुष्पा 2: द रूल के टीज़र से पहले मेकर्स ने 'श्रीवल्ली' उर्फ रश्मिका मंदाना के फ़र्स्ट लुक के साथ किया बर्थडे विश

पुष्पा 2 द रूल बिना किसी शक इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के पहले पोस्टर के रिलीज़ ने पुष्पा के रूल की शुरुआत के लिए सिर्फ सही माहौल ही नहीं बनाता है, बल्कि यह उत्साह को और भी ऊंचाई पर ले जाता है। दिन ब दिन बढ़ती हुई उत्सुकता के बीच, मेकर्स ने नेशंस हार्टथ्रोब 'श्रीवल्ली' यानी कि रश्मिका मंदाना के जन्मदिन पर नए पोस्टर को रिलीज़ किया है, जिसकी वजह से 8 अप्रैल को टीज़र के रिलीज़ के लिए उत्साह और बढ़ गया है।

रश्मिका मंदाना के बर्थडे के खास मौके पर, पुष्पा 2: द रूल के मेकर्स ने उनके श्रीवल्ली के रूप में एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उन्हें एक खूबसूरत साड़ी में दिखाया गया है। इसके अलावा पोस्टर में उनके अंदाज और कॉन्फिडेंस को साफ महसूस किया जा सकता है। इसके अलावा इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने बर्थडे के मौके पर शुभकामनाएं देते हुए कैप्शन में लिखा है, नेशंस हार्टथ्रोब श्रीवल्ली को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं ।

श्रीवल्ली के रूप में, रश्मिका मंदाना ने पुष्पा द राइज के साथ पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया। उनकी शानदारता, स्टाइल, और 'सामी सामी' में डांस मूव्स, सब कुछ ट्रेंड बन गया। अब, फैंस उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर पुष्पा 2: द रूल में श्रीवल्ली के रूप में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, और इस फिल्म से उनके एक पोस्टर ने वाकई ही उत्साह को बढ़ा दिया है।

पुष्पा 2 द रूल का निर्देशन सुकुमार ने किया है और इसमें अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल नजर आने वाले हैं। माइथ्री मूवी मेकर्स और मुत्तमसेट्टी मीडिया द्वारा निर्मित पुष्पा 2 द रूल 15 अगस्त 2024 को रिलीज होगी।

भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत को पेश करती फिल्म 'बंगाल 1947'

दो बार के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्माता सतीश पांडे और आकाशादित्य लामा द्वारा निर्देशित की नई फिल्म बंगाल 1947 को युवा दर्शकों ने सराहा है और 'क्रू' और 'गॉडजिला' जैसी ए लिस्टेड फिल्मों के साथ रिलीज होने के बावजूद यह फिल्म लोगों की पसंद बनी हुई है। बंगाल 1947 29 मार्च को रिलीज हुई है। इस फिल्म के निर्माताओं में सतीश पांडे, ऋषभ पांडे और आकाशादित्य लामा शामिल हैं।

दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया के बारे में बताते हुए, सतीश पांडे ने कहा, देवोलीना भट्टाचार्जी अभिनीत इस फिल्म ने युवा दर्शकों के बीच अभूतपूर्व प्रतिक्रिया पैदा की है, और ये युवा शबरी और मोहन के बीच की प्रेम कहानी से मंत्रमुग्ध हैं। दिलचस्प बात यह है कि डेटिंग ऐप्स के माध्यम से प्यार खोजने की आदी इस पीढ़ी को, फिल्म में दिखाया गया पुराने ज़माने का रोमांस बेहद निजी लगता है और वे उससे जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। वह आगे कहते हैं, एक निर्माता के रूप में यह मेरी और ऋषभ (जो एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता हैं) की पहली फीचर फिल्म है, और हमें जो जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, वह स्टोरीटेलर के तौर पर हमारी सफलता का सच्चा प्रमाण है। इस दिलचस्प फिल्म निर्माण यात्रा में टीम से जो सराहनीय सहयोग मिला, उसके लिए मैं टीम के सभी सदस्यों का बेहद आभारी हूं। हालांकि विशिष्ट विषय पर केंद्रित सिनेमा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन इससे हमें ऐसी फिल्में बनाने की प्रेरणा मिलती है जो बदलाव लाती हैं, महत्वपूर्ण सामाजिक मूल्यों को सामने लाती हैं और सार्थक बातचीत को बढ़ावा देती हैं। मैंने यह फिल्म व्यावसायिक उद्देश्य या पैसा कमाने के लिए के लिए नहीं बनाई है, बल्कि इसलिए बनाई है कि लोग हमारे इतिहास के बारे में जानें। मैं पिछले 5 वर्षों से एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव जूरी का सदस्य रहा हूं और हमेशा एक बहुत ही अलग विषय पर फिल्म बनाना चाहता था। दर्शकों से बंगाल 1947 देखने की अपील करते हुए, श्री पांडे ने बताया कि यह फिल्म हमारे देश की संस्कृति को सराहने और अपनी जड़ों से जुड़ने का एक अवसर देती है। हमारा इतिहास एक मूल्यवान संपत्ति है, और इसे समझना और इससे सीखना ज़रूरी है। इस फिल्म का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संस्कृतियों से प्रभावित युवा वर्ग में भारतीय संस्कृति और विरासत की समृद्धि और गहराई के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। बंगाल 1947 एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य पेश करती है जो दुनिया को प्रेरित कर सकती है। निर्माता पांडे ने भविष्य में विकास पर केंद्रित फिल्म बनाने की अपनी इच्छा जाहिर की और कहा कि हमारे प्रोडक्शन हाउस 'कॉम्फेड' ने मुख्य रूप से पिछले चार दशकों से विकास से संबंधित विचारों पर ध्यान दिया है। हमारी आने वाली फिल्में भारत के अज्ञात क्षेत्रों का पता लगाएगी। फिल्म के कलाकारों में देवोलीना भट्टाचार्जी, सोहेला कपूर, ओमकार दास मानिकपुरी, आदित्य लाखिया, अनिल रस्तोगी, प्रमोद पवार, अंकुर अरमाम, सुरभि श्रीवास्तव, फलक राही, विक्रम टीडीआर और अतुल गंगवार शामिल हैं। फिल्म में संगीत अभिषेक रे ने दिया है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

विपक्ष की हालत यह है कि वे वायनाड में आपस में लड़ रहे हैं

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी सांसद स्मृति ईरानी ने केरल में कांग्रेस की स्थिति की आलोचना की और पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया, जो वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। स्मृति ईरानी ने केरल में अपने इंडिया ब्लॉक पार्टनर सीपीआई से चुनौती मिलने पर कांग्रेस पर हमला बोला, क्योंकि पार्टी के स्टार उम्मीदवार राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। कम्युनिस्ट पार्टी ने अपने महासचिव एनी राजा को केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से राहुल गांधी के खिलाफ मैदान में उतारा। भाजपा ने अपने केरल प्रमुख के सुरेंद्रन को वायनाड से मैदान में उतारा है, जिससे यह त्रिकोणीय लड़ाई बन गई है। स्मृति ईरानी ने कर्नाटक रैली के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, विपक्ष की हालत यह है कि वे वायनाड में लड़ रहे हैं। वामपंथी दल कह रहे हैं कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश जाकर चुनाव क्यों नहीं लड़ते। लेकिन जब वही वामपंथी इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए दिल्ली जाते हैं, तो वे राहुल गांधी को गले लगाते हैं।

कांग्रेस ने उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की

नईदिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए 13वीं लिस्ट जारी कर दी। कांग्रेस ने उत्तर और दक्षिण गोवा के संसदीय क्षेत्रों सहित छह उम्मीदवारों की सूची जारी की। मध्य प्रदेश के मुरैना, खंडवा और ग्वालियर, मध्य प्रदेश और दादर और नगर हवेली (एसटी) पर प्रत्याशी की घोषणा की। गोवा से मौजूदा कांग्रेस सांसद फ्रांसिस्को सरदिन्हा को टिकट नहीं दिया गया। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को छह और उम्मीदवार घोषित किए जिनमें सबसे प्रमुख नाम विरियाटो फर्नांडिस का है जिन्हें दक्षिण गोवा लोकसभा क्षेत्र से वर्तमान सांसद फ्रांसिस्को सारदिन्हा का टिकट काटकर उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सारदिन्हा गोवा के मुख्यमंत्री भी रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने उत्तरी गोवा लोकसभा क्षेत्र से पूर्व केंद्रीय मंत्री रमाकांत खलप को टिकट दिया है। मध्य प्रदेश के मुरैना से सत्यपाल सिंह सीकरवार, ग्वालियर से प्रवीण पाठक और खंडवा से नरेन्द्र पटेल को उम्मीदवार बनाया गया है।

कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 तक बढ़ाई

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को बड़ा झटका लगा है। विधायक सिसोदिया की न्यायिक हिरासत राउज एवेन्यू कोर्ट ने 18 अप्रैल तक बढ़ा दी है। कथित दिल्ली शराब मामले में तिहाड़ जेल में बंद मनीष सिसौदिया को आज सुबह दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में लाया गया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत 2021-22 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में कथित घोटाले से संबंधित सीबीआई मामले में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। वकील ने अदालत को बताया कि सिसोदिया के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है। हालाँकि, उनके खिलाफ आरोप अभी तक साबित नहीं हुए। वकील ने कोर्ट से कहा कि वह जमानत के हकदार है। सिसोदिया ने विधानसभा क्षेत्र के लोगों को तिहाड़ जेल से एक पत्र लिखा था। उन्होंने अपनी स्थिति की तुलना स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ अंग्रेजों द्वारा किए गए अत्याचारों से की है।

200 सीट भी नहीं जीत पाएगी भाजपा : प्रियांक खरगे

बेंगलूरू। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के चुनाव के लिए दो हफ्ते का ही समय बचा है। ऐसे में सियासी नेताओं के एक-दूसरे पर हमले तेज हो गए हैं। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने शनिवार को दावा किया आरएसएस के एक अंदरूनी सर्वेक्षण के मुताबिक भाजपा आगामी आम चुनाव 200 सीट भी नहीं जीतेगी और राज्य में आठ सीट का आंकड़ा भी पार नहीं करेगी। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर उनके हालिया बयान को लेकर झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शाह को झूठी सूचना का मंत्री होना चाहिए था। शाह ने हाल ही में आरोप लगाया था कि कर्नाटक सरकार ने सूखा राहत राशि के लिए प्रस्ताव भेजने में तीन महीने की देरी की। प्रियांक खरगे ने कहा आरएसएस यह भी कह रहा है कि राज्य में वे आठ सीट का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएंगे तो वे कैसे जीतेंगे, (भाजपा में) 14-15 सीट पर भीतरी लड़ाई है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेता पार्टी को साफ करने की जरूरत पर भी बात कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में पहले ईडी अब एनआईए पर हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के भूपतिनगर इलाके में एनआई की टीम पर लोगों ने हमला कर दिया। कुछ दिन पहले भूपतिनगर में धमाका हुआ था। जिसके आरोपों को पकड़ने के लिए एनआईए की टीम यहां पहुंची थी। लेकिन एनआईए की टीम को 100-150 लोगों ने घेर लिया और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। एनआईए की टीम के गाड़ियों के शीशे टूटे हैं। आरोप है कि एनआईए की टीम की गाड़ियों पर ईंट से हमला किया गया और कांच तोड़े गए। मामला सुबह पांच बजे का है। इस घटना में तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं का नाम सामने आ रहा है। उनके ऊपर लगा था कि वे विस्फोटक बना रहे थे और उसी वजह से धमाका हुआ था। बीजेपी ने इस मुद्दे को हाथों-हाथ लिया है और सरकार पर तानाशाही के आरोप लगाए हैं। दो तीन दिन पहले ही टीएमसी नेता कुणाल घोष की तरफ से दावा किया गया था कि एनआई के ऊपर बीजेपी का प्रभाव है और बीजेपी नेता मिल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने सहारनपुर से विपक्ष को ललकारा, कहा ये चुनाव विकसित भारत बनाने का

भाजपा राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति पर चलती है : मोदी

सहारनपुर। पीएम मोदी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में थे। यहां उन्होंने एक सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारा यह स्थान मां शक्ति का स्थान है, ये मां शक्ति की साधना का स्थान है और हिंदुस्तान के हर कोने में शक्ति की उपासना हमारी स्वाभाविक, आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा है। हम वो देश हैं, जो कभी भी शक्ति उपासना को नकारते नहीं हैं।

लेकिन ये देश का दुर्भाग्य है कि इंडी अलायंस के लोग चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। जिन-जिन लोगों ने शक्ति को नष्ट करने का प्रयास किया है, उन सबका क्या हाल हुआ है, ये इतिहास और पुराणों में अंकित है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम लला का मंदिर चुनावी घोषणा नहीं, बल्कि हमारा मिशन रहा है। इस रामनवमी में राम लला टेंट में नहीं भव्य मंदिर में दर्शन देंगे।

यह हमारी पीढ़ी के लिए कितना बड़ा गौरव है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना यह हमारा मिशन था। जो कि पूरा हो चुका है। जम्मू कश्मीर में पत्थरबाजों ने जो पत्थर फेंके थे मोदी उन्हीं पत्थर को जोड़कर विकसित जम्मू बना रहा है। पीएम ने कहा कि याद कीजिए 2014 के दिन देश घोर निराशा, घोर संकट के दौर से गुजर रहा था। तब मैंने कहा था देश नहीं झुकने नहीं दूंगा। आपने आशीर्वाद देने में कोई कमी नहीं रखी है। बीजेपी सरकार ने भारत की छवि तेजी से विकसित करने वाला देश बना दिया है।

विदेशों में भारत का डंका बज रहा है। मोदी के कारण नहीं, आपके वोट के कारण दुनिया में डंका बज रहा है। 140 करोड़ देशवासियों की ताकत है, दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। इसलिए हिन्दुस्तान के हर कोने से एक ही आवाज आ रही हैं, महिलाएं, बुजुर्ग, गांव, शहर भी बोल रहा है। एक ही बात कह रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। आज शुभ अवसर है, आज भाजपा का स्थापना दिवस है। बहुत कम दशक में, रिकॉर्ड संख्या में देशवासी जुड़े। भाजपा ने लोगों का विश्वास व दिल जीता है।

इसका कारण है भाजपा राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति पर चलती है। भाजपा के लिए राष्ट्र प्रथम है। हमारे लिए देशहित से कुछ नहीं है। भाजपा से लोग सत्ता से नहीं जुड़ते एक मिशन के लिए जुड़ते हैं। भाजपा ने गरीब के जीवन से अंधेरा दूर किया। उसे मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया। मुफ्त राशन दिया। पांच साल के लिए मुफ्त राशन की

गारंटी दी है। पांच लाख रुपये का चिकित्सा सुविधा दी है।

10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल पाए हैं। कांग्रेस की सरकारें जो कई दशक में नहीं कर पाई वह हमने 10 साल में करके दिखाया है। इसलिए पूरा देश कह रहा है 4 जून 400 पार। कांग्रेस जितने साल सत्ता में रही, कमीशन खाने को प्राथमिकता दी। इंडी एलायंस कमीशन के लिए है। एनडीए मोदी सरकार मिशन के लिए है।

उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले मैं चुनावी जनसभा के लिए सहारनपुर आया था। उस समय देश घोर निराशा, घोर संकट के दौर से गुजर रहा था। तब मैंने आपको गारंटी दी थी कि मैं देश झुकने नहीं दूंगा, देश रुकने नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि मैंने संकल्प लिया था कि आपके आशीर्वाद से हर स्थिति, हर परिस्थिति को बदलूंगा, निराशा को आशा में बदलूंगा, आशा को विश्वास में बदलूंगा। आपने अपने आशीर्वाद में कोई कमी नहीं रखी और मोदी ने अपनी मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि भारत को एक मजबूत देश बनाना भाजपा की प्रतिबद्धता है। यानी जैसी भाजपा की नीयत है, जैसी निष्ठा है, नीतियां भी वैसी ही बनती हैं। इसीलिए आज हर हिंदुस्तानी अनुभव से कह रहा है - नीयत सही, तो नतीजे सही। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के हर नागरिक की परेशानी कम कर रही है। हर किसी के लिए नए अवसर बना रही है। सहारनपुर की लकड़ी की नक्काशी और यहां के लोगों के कौशल की ख्याति तो दूर-दूर तक है। इसलिए योगी जी हों या मोदी, हमें आपका ध्यान है। इसलिए हम दोनों एक बात बार-बार बोलते हैं - वोकल फॉर लोकल।

हमारा मिशन भ्रष्टाचार हटाओ

भ्रष्टाचारी एकजुट होकर मोदी को धमकी दे रहे हैं। आपके सामने चित्र साफ है। हम हैं जिसका मिशन है भ्रष्टाचार हटाओ। वो हैं उनका मिशन कहता है भ्रष्टाचारी बचाओ। मोदी पीछे हटने वाला नहीं है। भ्रष्टाचार पर कार्रवाई जारी रहेगी। ये मोदी की गारंटी है। 10 साल में जो हुआ है, जिसकी आज चारो तरफ चर्चा है। लोग घंटो घंटो तक काम की सराहना करते हैं। पीएम ने कहा कि 8-10 साल के एक छोटे बच्चे का वीडिया देखा। उसे मोदी के सब काम याद हैं। वो एक के बाद एक सारे काम बताता है। ये दिखाता है कि काम बहुत हुआ है। लोग उसे बहुत पसंद करते हैं।

सभी बूथ जीतने की अपील

सहारनपुर से हमारे साथी राघव लखन पाल और कैराना से प्रदीप कुमार को भारी बहुमत से विजयी बनाकर संसद भेजना है। अपने ही रिकार्ड तोड़ने होंगे। आपके बूथ में पिछले तीन चुनाव में जितना मतदान हुआ। उसे ज्यादा ज्यादा वोट बीजेपी को दिलाएंगे। बूथ जीतकर लाएंगे। दोनों लोकसभा के सभी बूथों पर जीतकर दिखाना है।

गर्मी में सुबह-सुबह वोट डालें

पीएम मोदी ने कहा कि गर्मी बहुत है इतनी गर्मी में मतदान अधिक हो ये हम सब की जिम्मेदारी है। धूप जितनी भी हो, हमें सुबह सुबह ही मतदान करना है। उन्होंने मोदी का एक काम है करोगे, हर घर जाना और हर घर जाकर कहना मोदी जी सहारनपुर आए थे। मोदी जी ने आपको प्रणाम भेजा है। मेरा प्रणाम हर घर में पहुंचा देना।

दो लड़कों की फ्लॉप फिल्म फिर रिलीज

पीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की फ्लॉप फिल्म फिर से रिलीज हो गई है। मुझे समझ नहीं आता कि विपक्षी गठबंधन काठ की हांडी को कितनी बार चढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को हर घंटे में अपने उम्मीदवार बदलने पड़ रहे हैं। वहीं कांग्रेस को उम्मीदावार ही नहीं मिल रहे हैं। अपने गढ़ में भी कांग्रेस प्रत्याशी उतारने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर किया बड़ा हमला

मोदी सरकार लोकतंत्र का चीरहरण कर रही: सोनिया

जयपुर। कांग्रेस की दिग्गज नेता सोनिया गांधी जयपुर में रैली कर रही हैं। अपने संबोधन में सोनिया गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद को महान मान रहे हैं और लोकतंत्र का चीरहरण कर रहे हैं। वे लोकतंत्र को खतरे में डाल रहे हैं और संविधान को बदलने का षडयंत्र रचा जा रहा है। यह तानाशाही है और हम सब इस तानाशाही का जवाब देंगे। उन्होंने कहा, ''देश के ऊपर हो जाने की बात सपने में भी नहीं सोची जा सकती। क्या कोई देश से बड़ा हो सकता है? जो ऐसा सोचता है उसे देश की जनता सबक सिखा देती है। दुर्भाग्य से आज हमारे देश में ऐसे नेता सत्ता में विराजमान हैं।

उन्होंने कहा, ''विपक्षी नेताओं को डराने धमकाने, भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) में शामिल कराने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।'' सोनिया गांधी ने कहा, ''हमारा देश पिछले दस साल से एक ऐसी सरकार के हवाले है जिसने बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक संकट, असमानता व अत्याचार को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।'' मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी व राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी इस दौरान मौजूद थे।

रैली की शुरुआत में सोनिया गांधी से पहले प्रियंका गांधी ने बोलना शुरू किया है और आम जनता से कहा है कि बीजेपी की सरकार सिर्फ घोषणाएं करती हैं, उन्हें आम जनता के दुखदर्द से कुछ लेना-देना नहीं है। देश में बेरोजगारी और गरीबी बढ़ी है। लेकिन इन बातों की जानकारी जनता को नहीं दी जा रही है, उन्हें भ्रमित किया जा रहा है।

प्रियंका गांधी ने रैली में कहा कि मेरी मां सोनिया गांधी राजस्थान से राज्यसभा की सदस्य बनने के बाद पहली बार यहां आई हैं। वे बहुत खुश हैं कि वे राजस्थान से सांसद हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों की कोई परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि गरीब देश में परेशान है, लेकिन इसपर कोई जानकारी मीडिया में नहीं दिखती है।

जनता को मोदी सरकार गलत सूचनाएं दे रही हैं। उन्हें भ्रमित किया जा रहा है। मोदी सरकार को सिर्फ अमीरों की परवाह है, उन्हें गरीब जनता से कोई मतलब नहीं है। कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में उन मुद्दों को शामिल किया है, जिससे देश में गरीबों को न्याय मिले। हम 'पंच न्याय' करेंगे, हमारा घोषणा पत्र न्याय की यात्रा है।

प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में डाले जाने वाले वोट देश के लोकतंत्र को बचाएंगे। उन्होंने कहा आप सोच रहे होंगे कि हमारा लोकतंत्र कैसे खतरे में है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए जो बड़ी-बड़ी संस्थाएं बनाई गई थीं, वे कमजोर हो रही हैं, उनका दुरुपयोग हो रहा है। आज स्थिति यह है कि लोगों को ईवीएम पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आज बेरोजगारी चरम पर है। बीजेपी और मोदी सरकार ने बेरोजगारी दूर करने के लिए क्या किया है?...उन्होंने वादे तो किए लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। वे अग्निवीर योजना लेकर आए, जिसने लोगों की उम्मीदें तोड़ दीं...पेपर लीक हो रहे हैं। हर राज्य में...किसान सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन पीएम मोदी उनकी बात सुनने को तैयार नहीं हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

आज मुंबई को टक्कर देने उतरेगी दिल्ली

मुंबई। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स 7 अप्रैल (रविवार) को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भिड़ेंगी। दोनों टीमें इंडियन प्रीमियर लीग में अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए जब यहां एक दूसरे का सामना करेंगे तो निगाहें सूर्यकुमार यादव पर टिकी रहेंगी जो चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। मुंबई को मैच में वापसी करने के लिए जीतना बहुत जरूरी हो गया है क्योंकि हार्दिक पंड्या (कप्तान) की टीम ने अभी तक अपने तीनों मैच गंवाए हैं और वह प्वाइंट टेबल में सबसे निचले स्थान पर है। वहीं दिल्ली की स्थिति भी अच्छी नहीं है तथा चार मैच में एक जीत से वह 10 टीमों की तालिका में नौवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल में 33 बार एक-दूसरे का सामना किया है, जिसमें से 18 मौकों पर मुंबई इंडियंस मैच जीती है और दिल्ली कैपिटल्स ने उनमें से 15 बार जीत हासिल की है।

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

दिल्ली कैपिटल्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश ढुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्टवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा, शाई होप।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645.58 बिलियन हो गया

नईदिल्ली। आरबीआई की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, 29 मार्च को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.951 बिलियन डॉलर बढ़कर 645.583 बिलियन डॉलर हो गया। ये नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। कुल भंडार में उछाल का यह लगातार छठा सप्ताह है। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में किटी 140 मिलियन बढ़कर 642.631 बिलियन हो गई थी। इससे पहले, देश की विदेशी मुद्रा किटी सितंबर 2021 में 642.453 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 29 मार्च को समाप्त सप्ताह के लिए, विदेशी मुद्रा संपत्ति, भंडार का एक प्रमुख घटक, 2.354 बिलियन डॉलर बढ़कर 570.618 बिलियन डॉलर हो गया। डॉलर की बात करें तो, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों की एप्रीसिएशन या डेप्रिशिएशन का प्रभाव शामिल होता है।

सब्सिडी के दम पर 66 फीसदी तक बढ़ेगी ईवी की सेल

नईदिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की बिक्री इस साल 66 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इस बारे में काउंटरप्वाइंट रिसर्च की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राज्य की सब्सिडी और सहायक बुनियादी ढांचे के विकास के कारण ईवी की सेल में तेजी देखने को मिलेगी, इसी के साथ साल 2024 के आखिर तक ईवी कुल पीवी बाजार का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा होगा। इस रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि साल 2030 तक, ईवी भारत के निजी वाहन बाजार में लगभग एक तिहाई हिस्सेदारी बना लेगी। वित्तीय आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय ईवी सेक्टर ने वित्तीय वर्ष 2024 में ईवी के विभिन्न प्रकार के वाहनों में रिकॉर्ड बिक्री हुई। बिक्री में सालाना 41% की बढ़ोतरी हुई और 1.66 मिलियन ईवी की सेल दर्ज की गई। मार्च के महीने में 197,000 से अधिक इकाइयों की बिक्री के साथ एक नया रिकॉर्ड बना।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अन्य से 5,000 करोड़ रुपये जुटाए

नयी दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी लिमिटेड ने अपनी वृद्धि योजनाओं में तेजी लाने के लिए अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) सहित संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इसने अपना 5,000 करोड़ रुपये का पात्र संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि क्यूआईपी से प्राप्त आय इसकी पूंजी संरचना को और मजबूत करेगी, वित्तीय मजबूती को बढ़ाएगी और कंपनी को अपनी महत्वाकांक्षी वृद्धि योजनाओं में तेजी लाने में सक्षम बनाएगी। कंपनी ने कहा, इस निर्गम में प्रमुख वैश्विक दीर्घकालिक निवेशकों, घरेलू म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियों ने बहुत गहरी दिलचस्पी दिखाई।

अरहर, चना दालों की कीमतों में तेजी

नईदिल्ली। नई फसल शुरु हो गई है। इसके बाद भी अब दालों की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। दाल की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही है। बीते 15 दिनों में ही चना, अरहर समेत कई दालों की कीमत बढ़ गई है। आंकड़ों पर गौर करें तो 15 दिनों में दालों की कीमत 500 रुपये प्रति क्विंटल तक महंगी हुई है। चने की दाल की कीमत 90 रुपये प्रति किलो और अरहर की दाल 175 रुपये प्रति किलो के दर से बिक रही है। थोक अनाज के बाजार में 15 दिन पहले चना दाल 7000-8000 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही थी जो अब 7200 से 8400 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गई है। वहीं अरहर की दाल की कीमत 12500-15500 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 13000-16000 रुपये प्रति क्विंटल पहुंची है। उड़द की दाल प्रति क्विंटल 11 हजार से 13 हजार तक बिक रही है।

बांग्लादेश की सियासतः भारतीय उत्पादों का बहिष्कार नहीं होगा कामयाब

दीपक वोहरा

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की स्वायत्त विदेश नीति, भारत से निकटता और बांग्लादेश की शानदार सफलता की वजह से पश्चिमी देश उन्हें सत्ता से बाहर करना चाहते थे। इसलिए वे भारत और बांग्लादेश के बीच दरार पैदा करने के लिए 'इंडिया आउट' अभियान चला रहे हैं। यह निराश इस्लामवादियों को सक्रिय होने का मौका देता है। अर्थव्यवस्था को धर्म के साथ मिलाने का नतीजा हमेशा विनाशकारी होता है। इसे पाकिस्तान, सूडान और अफगानिस्तान, आदि के हालात से समझा जा सकता है। बांग्लादेश के इस्लामवादी समूहों का मुख्य लक्ष्य बांग्लादेश में सरिया कानून से शासन चलाना है। जहां आर्थिक मंदी हसीना की मुख्य चुनौती है, वहीं देश का बढ़ता इस्लामीकरण चिंता की बात है।

बांग्लादेश भारत से आयात पर निर्भर है, जो कुल मिलाकर 16 अरब डॉलर से ज्यादा का है। इसमें खाद्य, ईंधन, उर्वरक, औद्योगिक कच्चा माल जैसी जरूरी चीजें शामिल हैं, जबकि उसके कॉरपोरेट सेक्टर सॉफ्टवेयर और सेवा-आधारित कुशल भारतीय श्रमिकों और विशेषज्ञों को नियुक्त करते हैं। भारत ने बांग्लादेश को विकास सहायता के मद में 10 अरब डॉलर से ज्यादा रकम दी है। भारत अगर बांग्लादेश से बाहर निकल जाएगा, तो क्या बांग्लादेश चीन से आयात करेगा?

इंडिया आउट अभियान से जुड़े लाखों बीएनपी समर्थकों का झुकाव जिहादवाद और हिंदू विरोधी भावनाओं की ओर है, जो इस क्षेत्र के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा कर सकता है। बांग्लादेशी मदरसे उग्रवाद के लिए खाद-पानी मुहैया कराते रहते हैं। हिंदुओं पर छिटपुट हमले और उनकी संपत्तियों को लूटने की घटनाएं होती रहती हैं।

इन सबके बावजूद बांग्लादेश भारत के लिए और भारत बांग्लादेश के लिए इतने महत्वपूर्ण हैं कि इसे नजरंदाज नहीं किया जा सकता। नदी जल का बंटवारा, जलवायु परिवर्तन से लड़ना, अधिक आयात, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, बेहतर सीमा प्रबंधन-ये प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं। कई दक्षिण एशियाई देश यह सबक ले रहे हैं कि चीन वास्तव में उन्हें अपने बराबर नहीं मानता।

बांग्लादेश का लक्ष्य अगले 20 वर्षों में अपने 16.7 करोड़ लोगों के लिए उच्च-मध्यम आय का दर्जा प्राप्त करना है, जो भारत के समर्थन के बिना संभव नहीं है। कुछ ही महीने पहले ढाका ने अपनी भुगतान संतुलन की लड़खड़ाती स्थिति को देखते हुए आईएमएफ से ऋण मांगा था। बांग्लादेश का कर-जीडीपी अनुपात दुनिया में सबसे कम है। ईंधन की कीमतों में रातों-रात 50 फीसदी की वृद्धि हुई और लोग सड़कों पर उतर आए। बांग्लादेश को भारत से पैसा, निवेश,

तकनीक और खाद्यान्न चाहिए। जबकि भारत चाहता है कि वहां भारत-विरोधी गुटों को पनाह नहीं मिले, गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा हो और चीन को इतना तवज्जो न दिया जाए कि हमारे सुरक्षा हितों को नुकसान पहुंचे। कोई भी अर्थव्यवस्था तब संकट में होती है, जब उसे बढ़ती ऊर्जा लागत, बढ़ती मुद्रास्फीति, घटते विदेशी मुद्रा भंडार, प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय आर्थिक माहौल और सिकुड़ते निर्यात बाजारों का सामना करना पड़ता है। बांग्लादेश को इन सबके साथ-साथ और भी बहुत कुछ झेलना पड़ा है। वस्त्र उद्योग बांग्लादेश का गौरव है, लेकिन कारखाने पहले से ही अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के ऑर्डर में मंदी, तैयार माल की कम कीमतों, वैश्विक स्तर पर कच्चे माल की ऊंची कीमतों और लगातार बिजली कटौती के कारण जूझ रहे हैं। महंगी प्राकृतिक गैस की कमी के कारण 2026 तक बिजली कटौती का खतरा मंडरा रहा है, जिससे निर्माताओं को नुकसान हो रहा है। इसका बुरा प्रभाव हो सकता है। बांग्लादेश का विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 17 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है, क्योंकि इसका केंद्रीय बैंक मुद्रा का बचाव करने में नाकाम रहा है, जो अब डॉलर के मुकाबले लगभग 110 टका है। मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार से लगभग तीन महीने के आयात बिल का भुगतान किया जा सकता है। ऐसे में, कौन उनकी मदद कर सकता है? जाहिर है, पहले भी भारत ने ही 4.5 अरब डॉलर का अनुदान एवं ऋण देकर उसकी मदद की थी।

राष्ट्रवाद-अंत्योदय की भावना के साथ 6 अप्रैल को भाजपा का उदय हुआ: शिवप्रकाश

भाजपा स्थापना दिवस पर एकात्म परिसर में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष देव ने ध्वजारोहण किया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा है कि 6 अप्रैल 1980 को आज से ठीक 44 वर्ष पूर्व भारत में राष्ट्रवाद की भावना से ओतप्रोत एक नए राजनीतिक दल का उदय हुआ। भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए संकल्पित है। श्री शिवप्रकाश शनिवार को भाजपा के स्थापना दिवस पर एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं का मार्गदर्श कर रहे थे।

भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने भारतीय जनता पार्टी की 44 वर्षों की राजनीतिक यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि अपनी स्थापना के साथ ही भाजपा ने अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं लोकहित के विषयों पर मुखर रहते हुए भारतीय लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज की। देश में विकास आधारित राजनीति की नींव भी भाजपा ने विभिन्न राज्यों में सत्ता में आने के बाद तथा पूरे देश में सरकार बनाने के बाद रखी। आज तीन दशक बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसी एक पार्टी को देश की जनता ने पूर्ण बहुमत दिया है तथा भारी बहुमत से भाजपानीत राजग सरकार केन्द्र में गठित हुई है। श्री शिवप्रकाश ने कहा कि पहले आम चुनाव में 2 सीटों से लेकर आज 303 सांसदों तक का सफर अपने समर्पित, निष्ठावान और कर्मठ कार्यकर्ताओं के बल पर शीर्ष पर पहुंची भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है।

भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि स्थापना से लेकर आज तक भाजपा की विचारधारा यथावत रही जिसके मूल में राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और अंत्योदय है। हम प्रारंभ से लेकर आज तक एक देश एक विधान की मान्यता लेकर जनता के बीच गए हैं एवं राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ जनसहयोग मांगा। आगामी लोकसभा चुनाव में आप सभी कार्यकर्ताओं को पहले से भी अधिक परिश्रम कर बेहतरीन नतीजे लाने के लिए अपना योगदान देना है और अबकी बार 400 पार के लक्ष्य को हासिल करना है।

भाजपा में ही सामान्य कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष और प्रधानमंत्री तक बनता है–किरण देव

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में सैकड़ों राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दल हैं, लेकिन उनमें सबसे अलग स्थान भाजपा का है। इसका मूल कारण पार्टी की मूल विचारधारा है। राष्ट्रवाद, एकात्म मानववाद और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उदय की भावना के साथ हम लगातार 44 साल से निरंतर जनसेवा करते आ रहे हैं। भाजपा के परिश्रमी कार्यकर्ताओं के बल पर आज हमारी भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। श्री देव ने कहा कि परिवारवाद, जातिवाद और क्षेत्रवाद जैसी तमाम अलगाववादी भावनाओं से दीगर भाजपा ही एक ऐसा राजनीतिक दल है जिसकी मूल भावना राष्ट्रवाद है, जहां नरेंद्र मोदी जैसे सामान्य व्यक्ति प्रधानमंत्री और किरण देव जैसा सामान्य कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष बन सकता है। हमें गर्व है कि हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं।

उत्सव की तरह मनाया स्थापना दिवस, वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मानित

भाजपा ने शनिवार को अपना 44वाँ स्थातपना दिवस उत्सव की तरह मनाया। इसके लिए देश के हर राज्य, जिले, शहर, मंडलों और बूथों तक विभिन्न कार्यक्रमों की विशेष तैयारियां की गई। फिर एक बार, मोदी सरकार के नारे के साथ पूरे देश में स्थापना दिवस मना रही भाजपा को आयोजन की कड़ी में सुबह सर्वप्रथम भाजपा कार्यालय श्री शिवप्रकाश एवं श्री देव ने भाजपा का ध्वज फहराया एवं भारत माता के चित्र और भारतीय जनसंघ (अब भाजपा) संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पार्टी के स्थापना दिवस की खुशी में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव,विधायक पुरंदर मिश्रा एवं जिला भाजपा अध्यक्ष जयंती पटेल ने उपस्थित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का शाल व श्रीफल देकर सम्मान किया गया।

भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक बिल्हा विधानसभा के बोदरी मंडल में, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल जांजगीर में, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा खमतराई में, प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा तिल्दा मंडल में, केदार गुप्ता कोंडागांव में, नीलू शर्मा राजनांदगाँव में, अमित साहू भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रदेश भर में भाजपा स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को खाता खोलने भी नहीं देना है-साय

भाजपा में साधारण कार्यकर्ता ही चुनाव लड़ते हैं

कुनकुरी/रायपुर। कांग्रेस ने पिछले चुनाव में अपने जनघोषणा पत्र में लोक लुभावन वादे कर जनता से खूब वोट बटोरा पर सत्ता में बैठते ही लोगों से खूब छलावा किया, खूब ठगा, खूब धोखाधड़ी की। प्रदेश की जनता द्वारा दिए गए भारी जनादेश का अपमान किया। जिसका करारा जवाब आप सभी ने विधानसभा चुनाव में दिया है और अब लोकसभा में कांग्रेस को खाता खोलने भी नहीं देना है. कांग्रेस को उखाड़ फेंकना है।

आज कुनकुरी में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ये बात कही। साय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में भारी बिखराव है, कांग्रेस डूबता हुआ जहाज है। उनके नेता और कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। क्योंकि कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ताओं की कोई इज्जत नहीं है। उन्होंने राजनांदगांव के कांग्रेस नेता सुरेंद्र दाऊ वैष्णव का जिक्र करते हुए कहा कि कैसे एक भरी सभा में भूपेश बघेल की उपस्थिति में सुरेंद्र दाऊ ने कहा कि भूपेश मैं 3 बार जिला पंचायत सदस्य रहा लेकिन आपने एक बार भी मिलने का समय नहीं दिया, कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ताओं की कोई इज्जत नहीं है। लेकिन हमारी पार्टी भाजपा में कार्यकर्ता ही चुनाव लड़ते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायगढ़ लोकसभा से हमने राधेश्याम राठिया को अपना प्रत्याशी बनाया है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रत्याशी हैं। इसलिए मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाई राधेश्याम राठिया को आगामी 7 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर भारी मतों से जिताना है। आप सभी का विधायक होने के नाते मैं ये आग्रह करने आया हूँ।

साय ने कहा कि हमारी सरकार में मोदी की गारंटी का सारा काम सांय-सांय हो रहा है और चुनाव के बाद भी सांय-सांय करेंगे। भाजपा के सुशासन को देखकर कांग्रेस का बाय-बाय हो जा रहा है। कांग्रेस में भगदड़ मची है, जिससे उनके नेता उलूल-जुलूल बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शांत स्वभाव के नेता चरणदास महंत भी प्रधानमंत्री पर कुछ भी अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं। ये सब कांग्रेस में हार की हताशा को बताता है। विष्णु देव साय ने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज 3 महीने 23 दिन उनकी सरकार को हुए हैं। उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति उन्होंने दी। 12 लाख किसानों का 2 साल का बकाया बोनस दिया। पी एस सी घोटाले की जांच सी बी आई को सौंपा और 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी। श्री साय ने कहा कि न केवल समर्थन मूल्य के अंतर की राशि एकमुश्त उनकी सरकार ने किसानों के खाते में ट्रान्सफर किये वरन महिला शक्ति के लिए लागू उनकी योजना महतारी वंदन योजना के दूसरे महीने की राशि भी उनके खातों में ट्रान्सफर कर दी है। श्री साय ने श्री रामलला दर्शन योजना की याद दिलाते हुए जनता से कहा कि उनकी सरकार राम भक्तों को भांचा राम से मिलाने का काम कर रही है। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या साय, लोकसभा प्रत्याशी राधेश्याम राठिया, विधायकगण प्रबोध मिंज, रायमुनी भगत, गोमती साय, भाजपा नेता प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, कृष्णा राय, शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, विजय आदित्य सिंह जूदेव भी उपस्थित थे।

रेलवे स्टेशन में पकड़ाया लाखों का गांजा

रायपुर। रायपुर रेल मंडल की जिस जीआरपी को कभी कभार गांजा मिलता था, वह भी बिना आरोपी के अब आईजी की फटकार के बाद रोज बड़ी मात्रा में गांजा मिल रहा है. जीआरपी के साथ संयुक्त कार्रवाई में भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में आरपीएफ-जीआरपी की संयुक्त टीम ने करीब 8 लाख का गांजा जब्त किया है और 1 आरोपी को भी गिरफ्तार किया है. आरोपी के खिलाफ 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है. जीआरपी से मिली जानकारी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम सामुऐल मांझी पिता मुदुरा मांझी उम्र 27 वर्ष निवासी ग्रांम पारिमा थाना पदमपुर जिला रायगढ़ा (ओड़िशा) का रहने वाला है। जीआरपी एवं आरपीएफ बीएमवाय चरोदा द्वारा पिछले कई दिनों से लगातार चेकिंग अभियान चलाई जा रही थी चेकिंग के दौरान दिनांक 5 अप्रैल को प्लेटफार्म नं 2 रेलवे स्टेशन पावर हाउस में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा ओडिशा से ट्रेन नं-12843 पुरी-अहमदाबाद एक्सप्रेस के पीछे जनरल बोगी में अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा लेकर जा रहे आरोपी सामुऐल मांझी पिता मुदुरा मांझी उम्र 27 वर्ष पता ग्रांम पारिमा पदमपुर जिला रायगढ़ा (ओडिशा) को 4 पीट्ठू बैग में रखे मादक पदार्थ गांजा के साथ रेलवे स्टेशन पावर हाउस में ट्रेन से उतारकर कार्रवाई किया गया. प्रत्येक बैग में 1-1 पैकेट कुल 4 पैकेट वजनी 39 किलो 200 ग्राम कीमती 7,84,000/- का जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट के तहत् गिरफ्तार कर विशेष एनडीपीएस न्यायालय दुर्ग पेश किया गया. टीम ये भी जांच कर रही है कि उक्त आरोपी के साथ अन्य कोई भी साथ में तो नहीं था. क्योंकि आरोपी के पास से 4 बैग जब्त हुए है।

कांग्रेसी अपनी हार से मानसिक संतुलन खो चुके हैं-रवि

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिर फोड़ने के बयान का प्रतीकात्मक विरोध करना भी कांग्रेसियों को हजम नहीं हो रहा है। पीएम मोदी पर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत द्वारा की गई टिप्पणी को संज्ञान में लेते हुए चरणदास महंत के जनता को भड़काने की कोशिश को संज्ञान में लेते हुए उन चुनाव आयोग के निर्देश पर एफआईआर दर्ज हुई है। लेकिन अपनी हार से बौखलाए कांग्रेसी नेता चरणदास महंत के पक्ष में खड़े होकर पीएम मोदी के सिर फोड़ने के बयान का अप्रत्यक्ष तरीके से समर्थन कर रहे हैं। चुनाव आयोग में गृहमंत्री विजय शर्मा के खिलाफ शिकायत करना कांग्रेस का दूषित मानसिकता का परिचायक है। इससे साबित होता है कि कांग्रेस के नेता इस शांतिपूर्ण होने वाले लोकसभा चुनाव में बयान से लोगों को भड़काकर अशांति पैदा करना चाह रही है। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने कहा कि सारे कांग्रेसी नेता अपनी हार से बौखलाकर मानसिक संतुलन खो चुके हैं।

चुनाव आयोग में शिकायत के पीछे कांग्रेस की चाल है ताकि जनता को मुद्दे से भटकाया जाए। जनता आज इन कांग्रेसियों से भूपेश सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार का हिसाब मांग रही है। हालत ये हो गई है कि सारे कांग्रेसी चुनाव प्रचार के बजाए सिर्फ पीएम मोदी को गाली देना, उन्हें जान से मारने का बयान दे रहे हैं। आज कांग्रेसियों ने अपनी गिरी हुई मानसिकता को उजागर कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ गई टिप्पणी को लेकर चरणदास महंत को पार्टी दंडित या चेतावनी देती कि ऐसा फिर कभी कोई बयान नहीं देंगे।

लेकिन यहां तो उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस के नेता चुनाव आयोग पहुंच रहे हैं।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने कहा कि कांग्रेस दंगे कराकर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की साजिश कर रही है। अगर ये प्रदेश में शांति चाहते तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए बयान को लेकर अपने नेताओं पर संगठनात्मक कार्रवाई करते, लेकिन उल्टा अब गृहमंत्री आरोप लगा रहे है। जनता बखूबी जान और समझ रही है कि कांग्रेस कैसे छत्तीसगढ़ में सामाजिक वैमनस्ता का जहर घोलने का काम कर रही है। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। आने वाली 4 जून को जनता कांग्रेसियों की औकात दिखाएगी। पीएम मोदी को 400 पार सीटों के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता है। बीजेपी छत्तीसगढ़ में 11 की 11 लोकसभा की सीटें जीतेंगे।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

महंत तो खेद व्यक्त कर दिये लेकिन मोदी कब माफी मांगेगे?

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने खेद प्रकट कर दिए लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने अमर्यादित बयानों के लिये कब माफी मांगेंगे? उन्होंने कहा कि चरणदास महंत ने चुनावी सभा में छत्तीसगढ़ी हाना के साथ मोदी सरकार की कुनीतियों पर कड़ा प्रहार किए थे. स्थानीय लोकोक्ति को भाजपा नेता समझ नहीं पाए और छत्तीसगढ़ी हाना को लेकर आपत्ति दर्ज काराये. जिसके बाद नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने खेद व्यक्त करते हुए राजनीति की सुचिता और मर्यादा का पालन किये लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन और सदन के बाहर कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ जो अमर्यादित टीका टिप्पणी किये उस पर अब तक खेद व्यक्त क्यों नहीं किये ? यही बीजेपी और कांग्रेस के नेता में अंतर है कांग्रेस के नेता सभी का मान सम्मान करते हैं और भाजपा के नेता सभी को अपमानित करते हैं और अपना अहंकार दिखाते हैं. प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सांसद की दिवंगत पत्नी को 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड, संसद के भीतर महिला सांसद को सुर्पनखा,शहीद परिवार की एक सर्वमान्य नेत्री को कांग्रेस की विधवा और जर्सी गाय कहकर अपमानित किया.

कांग्रेस ने किसानों को उनकी एमएसपी पर मिलेगी कानूनी गारंटी

रायपुर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने आज कांग्रेस भवन गांधी मैदान में महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता आयोजित की गई थी जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता धनेंद्र साहू सत्यनारायण शर्मा छाया वर्मा अनीता शर्मा शैलेश नितिन त्रिवेदी पंकज शर्मा गिरीश दुबे उधो राम वर्मा प्रमोद दुबे कन्हैया अग्रवाल सहित कांग्रेस के तमाम नेतागण उपस्थित थे। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में उन्होंने किसानों महिलाओं श्रमिकों के साथ छल किया है। किसानों को उनकी फसलों पर एमएसपी युवाओं को 2 करोड़ नौकरी देने की बात कही थी साथ ही 100 दिनों में महंगाई कम करने की बात कही थी महंगाई के कारण आज घर की महिलाएं परेशान हैं। जिसको ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं के लिए किसानों के लिए युवाओं के लिए श्रमिकों के लिए न्याय गारंटी दी है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए धनेंद्र साहू ने कहा कि किसानों का आंदोलन कृषि क्षेत्र में गहरे संकट की घंटी बजा रहा है। भाजपा एनडीए की सरकार की प्रतिक्रिया संवेदनहीन है। किसानों को उनकी उपज का उचित और लाभकारी दाम नहीं मिल रहा है.

भाजपा विधि प्रकोष्ठ का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन आज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के विधि प्रकोष्ठ का एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय सम्मेलन कल भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय सहित पूर्व विधायक एवं विधि प्रकोष्ठ के प्रभारी देवजीभाई पटेल उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि कल प्रात: 11=00 बजे से दोपहर 2 बजे तक विधि प्रकोष्ठ का सम्मेलन आयोजित किया गया है।? यह कार्यक्रम प्रदेश भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के ऑडिटोरियम में होगा। सम्मेलन में विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश भर से एक हजार से अधिक अधिवक्ता शामिल होंगे और महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर लगभग दो सौ अधिवक्ता राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश जी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय जी की उपस्थिति में भाजपा प्रवेश करेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री शिव प्रकाश जी के उद्बोधन से होगी साथ वे विधि प्रकोष्ठ के समस्त अधिवक्ताओं को मार्गदर्शन भी प्रदान करेंगे इसके बाद प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय जी भी मार्गदर्शन देते हुए प्रदेश भर से सम्मेलन में आए अधिवक्ताओं को संबोधित करेंगे।

जग्गी हत्याकांड में 9 को मिली 5 साल की सजा यथावत

रायपुर। राजधानी के जग्गी हत्याकांड मामले में हुई सुनवाई के बाद हाईकोर्ट का निर्णय जारी होने से स्पष्ट हुआ है कि, याचिका खारिज होने के बाद तीन पुलिस अधिकारियों समेत छह लोगों की पांच साल की सजा कायम रहेगी, इन्हें जिला कोर्ट से पूर्व में 5 साल की सजा सुनाई गई थी। शेष सभी आरोपियों को आजीवन कारावास से दंडित किया गया था, उनकी अपील खारिज होने पर इनकी उम्रकैद की सजा बरकरार रहेगी। गत 4 जून 2003 को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कोषाध्यक्ष राम अवतार की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में दो तत्कालीन सीएसपी और एक थाना प्रभारी समेत कुल 31 लोगों को अभियुक्त बनाया था। आरोपियों में बुल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह सरकारी गवाह बन गए थे। रायपुर के मौदहापारा थाने के तहत हुई इस वारदात को बाद में सीबीआई जांच के लिए सौंप दिया गया था। आजीवन कारावास से दण्डित आरोपी- शिवेंद्र सिंह परिहार, विनोद सिंह राठौर , राकेश कुमार, अशोक सिंह भदौरिया, रविन्द्र सिंह, नरसी शर्मा, सत्येन्द्र सिंह, विवेक सिंह, लाला भदौरिया, सुनील गुप्ता, अनिल पचौरी व हरीशचंद्र को आईपीसी की धारा 302 के तहत सेशन कोर्ट ने आजीवन कारावास कि सजा सुनाई थी। इन सबकी अपील हाईकोर्ट ने खारिज की है, इससे इन सबकी उम्रकैद की सजा कायम रहेगी।

एक करोड़ का अवैध कबाड़ जब्त

रायपुर। पुलिस ने धरसींवा सहित आस-पास के तमाम थाना क्षेत्रों में अवैध कबाड़ियों पर शिकंजा कसा कसते हुए करीब एक करोड़ का अवैध कबाड़ जब्त किया है. कुछ कबाड़ियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जेल भेजा गया है.

एसएसपी संतोष कुमार सिंह के निर्देशन व एएसपी शहर लखन पटले के नेतृत्व में जिले के थाना प्रभारियों, एण्टी क्राइम, एण्टी साइबर यूनिट की टीम सहित पुलिस बल की अलग-अलग टीमों ने धरसींवा, खमतराई, उरला, डी.डी.नगर, आमानाका, मौदहापारा, तेलीबांधा, गुढ़ियारी, न्यू राजेन्द्र नगर, पण्डरी, खम्हारडीह एवं गोबरानयापारा थाना क्षेत्र स्थित कबाडियों के यार्ड, गोदाम एवं अन्य स्थानों पर छापामार कार्रवाई की. इसमें 44 प्रकरणों में 44 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 25 टन से अधिक लोहे का कबाड़ एवं 17 चार पहिया वाहन कीमती लगभग 97,00,000 रुपए जब्त कर आरोपियों के विरूद्ध संबंधित थानों में धारा 41(1+4) जा.फौ/379 भादवि., संज्ञेय अपराध घटित होने की परिकल्पना से प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत् कार्रवाई करने के साथ ही कुछ आरोपियों के विरूद्ध गंभीर धाराओं के तहत भी कार्रवाई कर जेल भेजा गया.

बैंकों को खाता न खोलने की धमकी दी गई

भाजपा ने सबूत दिए कि वो ईवीएम हटाने के नाम पर घबरा जाती है -बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी ने सबूत दे दिए हैं कि वो ईवीएम हटाने के नाम से ही घबरा जाती है और उसे हार का डर सताने लगता है. उन्होंने कहा कि राजनांदगांव लोकसभा में 244 नागरिकों ने नामांकन पत्र ले लिए तो भाजपा इतनी घबरा गई कि उसके नेता धमकियां देने लगे और प्रशासन को लगाकर नामांकन रोकने की कोशिश की गई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि नामांकन भरने के एक दिन पहले यानी तीन अप्रैल को जब राजनांदगांव में 244 लोगों ने नामांकन पत्र ले लिए तो भाजपा के हाथ पांव फूलने लगे. उन्होंने कहा कि जब यह ख़बर सार्वजनिक हो गई तो भाजपा के नेताओं ने कुछ बैंकों में फ़ोन करके मैनेजरों को धमकाया कि वे किसी भी सूरत में उम्मीदवारों के लिए नया बैंक एकाउंट न खोलें. उल्लेखनीय है कि नामांकन भरने से पहले प्रत्याशियों को बैंकों में नए अकाउंट खोलने पड़ते हैं जिसे ज़ीरो बैलेंस एकाउंट कहा जाता है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और राजनांदगांव से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल ने पिछले दिनों कार्यकर्ताओं के सवाल के जवाब में कहा था कि यदि किसी सीट पर 385 से अधिक उम्मीदवार नामांकन कर दें तो संभव है कि चुनाव आयोग को ईवीएम की जगह बैलेट पेपर से चुनाव करवाने पड़ें. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि चुनाव आयोग की वेबसाइट पर इस बात का ज़िक्र है कि ईवीएम के ज़रिए अधिकतम 385 उम्मीदवारों के ही चुनाव करवाए जा सकते हैं. इसके बाद कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र समर्थक लोगों ने नामांकन भरने के लिए नामांकन पत्र लेना शुरू किया था.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि यदि कार्यकर्ता अपनी मर्ज़ी से अधिक संख्या में नामांकन दाखिल करना चाहते थे तो किसी को तकलीफ़ नहीं होनी चाहिए पर भाजपा को इससे इतनी घबराहट हो गई कि राजनांदगांव के दो पदाधिकारियों के घर पर अधिकारियों को भेजकर कार्रवाई करने का प्रयास किया गया. उन्होंने कहा है कि अधिकारियों ने हालांकि चुनाव के समय बिना अनुमति के अधिक लोगों के एकत्रित होने का बहाना बनाया लेकिन यह स्पष्ट है कि वे अधिक लोगों के नामांकन को हर हाल में रोकना चाहते थे. यदि ये बाधाएं पैदा न की गई होती तो राजनांदगांव से 400 से अधिक नामांकन भरे गए होते. इस अवैधानिक छापेमारी को भाजपा का डर बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि राज्य की सत्ता पर काबिज भाजपा सत्ता के दम पर अधिकारियों को कांग्रेस नेताओं के घर भेजकर इसका सबूत दे दिया है कि वे ईवीएम के बिना चुनाव लड़ने के नाम से डरते हैं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा की अप्रत्याशित जीत के बाद मतदाताओं के मन में भी यह शंका पैदा हो गई है कि चुनाव में ईवीएम की भी भूमिका संदिग्ध है.

विकास न्याय रथ में सवार होकर नौ विस में करेंगे चुनावी प्रचार

रायपुर। लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने अनोखे अंदाज में चुनावी यात्रा का आरंभ कर दिया है। कांग्रेस भवन गांधी मैदान में आज वरिष्ठ नेता धनेंद्र साहू सत्यनारायण शर्मा छाया वर्मा अनीता शर्मा कुलदीप जुनेजा पंकज शर्मा शैलेश नितिन त्रिवेदी गिरीश दुबे उधो राम वर्मा प्रमोद दुबे कन्हैया अग्रवाल की मौजूदगी में न्याय रथ का शुभारंभ किया। इस दौरान विकास उपाध्याय की माता जी एवं उनकी धर्मपत्नी सहित बच्चे भी उपस्थित थे। उन्होंने अपनी माता से आशीर्वाद लेकर चुनावी यात्रा के लिए निकल पड़े। विकास उपाध्याय रायपुर लोकसभा के अंतर्गत आने वाले नौ विधानसभाओं में न्याय रथ के माध्यम से चुनाव का प्रचार करेंगे। विधानसभा के अंतर्गत आने वाले 29 ब्लॉकों में न्याय रथ में सवार होकर जाएंगे गांवण्गांव घूम कर वह अपना प्रचार करेंगे। कार्यकर्ताओं किसानों मजदूर महिलाओं एवं युवाओं से मुलाकात करेंगे।

यात्रा के समापन के पश्चात वह न्याय रथ में ही रात्रि विश्राम करेंगे फिर अगले दिन सुबह से ही गांव में प्रभात फेरी कर यात्रा की शुरुआत करेंगे। रायपुर लोकसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने कहा कि लोकसभा 29 ब्लाक के अंतर्गत आने वाले 2000 से अधिक गांव में रहने वाले 23 लाख मतदाताओं के पास कांग्रेस की 10 गारंटी एवं 25 न्याय को पहुंचाया जाएगा.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.